(Bibliography of International Folk-lorists)

ANTARRASHTRIYA LOKYANI ANUSANDHATA

Compiled by
NARENDRA DHIR
Assisted by
JAGDISH CHATURVEDI

Published by
FOLK-LORE AKADEMI
FIRST EDITION 1962

Head Office
KHANNA, PUNJAB
Delhi Office
12/1-A MOTI NAGAR, NEW DELHI-15

प्रकाशक
फ़ोक-लोर अकादमी
मुख्य कार्यालय
नरेन्द्र भवन जी० टी० रोड
खन्ना (पंजाब)
दिल्ली कार्यालय
१२/१-ए मोती नगर, नई दिल्ली १५

मूल्य ५-००
प्रथम बार, १९६२

मुद्रक
एस० द्वारकादास एण्ड कम्पनी
पोस्ट बॉक्स नं० ११२५
४२८५ अंसारी रोड
३ दरयागंज दिल्ली-६

BIBLIOGRAPHY OF INTERNATIONAL FOLK-LORISTS

अन्तर्राष्ट्रीय
लोकयानी
अनुसधाता

फोक-लोर अकादमी प्रकाशन

अन्तर्राष्ट्रीय
लोक-साहित्य
के
विद्वज्जनों तथा
जिज्ञासुओं को

स्वकथन

अभी तक किसी भी भाषा मे ऐसी कोई भी पुस्तक प्राप्य नहीं है जिसमें लोकप्यानो जिज्ञासु अथवा विद्वान अपने विषय पर लिखी गई पुस्तकें खोज सकें। प्रारम्भ में यह पुस्तक एक साधारण निबन्ध मात्र थी। कुछ समय बाद ज्यों-ज्यो नाम जुड़ते गये इसका विस्तार भारत तक हो पाया और भाषा विभाग पंजाब से अनुदान प्राप्त होने के पश्चात् इसका क्षेत्र विदेशो तक भी फल गया।

संकलन कर्ता का यह दावा कदापि नहीं है की इस पुस्तक से कोई तत्सम्बन्धी पुस्तक छूटी ही नहीं है। भारत की ही विभिन्न भाषाओ की पुस्तकें इस में नहीं आ पायी हैं। फिर विदेश की तो बात ही क्या। हाँ यह बात अवश्य है कि इस पुस्तक में जहाँ तक पहुँच सम्भव थी पुस्तकों की सूची बन गयी है।

प्रस्तुत पुस्तक के प्रकाशन में जो सहयोग हमें भाषा विभाग पंजाब के महा निदेशक श्री लालसिंह जी का प्राप्त हुआ है उस के प्रति अकादमी विशेष रूप से आभारी है।

अन्तर्राष्ट्रीय
लोक-साहित्य
के
विद्वज्जनों तथा
जिज्ञासुओं को

स्वकथन

अभी तक किसी भी भाषा में ऐसी कोई भी पुस्तक प्राप्य नहीं है जिसमें लोकयानी जिज्ञासु अथवा विद्वान अपने विषय पर लिखी गई पुस्तकें खोज सकें। प्रारम्भ में यह पुस्तक एक साधारण निबन्ध मात्र थी। कुछ समय बाद ज्यों-ज्यों नाम जुड़ते गये इसका विस्तार भारत तक हो पाया और भाषा विभाग पंजाब से अनुदान प्राप्त होने के पश्चात् इसका क्षेत्र विदेशों तक भी फैल गया।

संकलन कर्ता का यह दावा कदापि नहीं है की इस पुस्तक से कोई तत्सम्बन्धी पुस्तक छूटी ही नहीं है। भारत की ही विभिन्न भाषाओं की पुस्तकें इस में नहीं आ पायी हैं। फिर विदेश की तो बात ही क्या। हाँ यह बात अवश्य है कि इस पुस्तक में जहाँ तक पहुँच सम्भव थी पुस्तकों की सूची बन गयी है।

प्रस्तुत पुस्तक के प्रकाशन में जो सहयोग हमें भाषा विभाग पंजाब के महा निदेशक श्री लालसिंह जी का प्राप्त हुआ है उस के प्रति अकादमी विशेष रूप से आभारी है।

प्रकादमी इन दिनों 'भारतीय लोक साहित्य कोश'' के निर्माण में व्यस्त है। पंजाबी में इसी प्रकार का कोश ''पंजाबी लोक-साहित्य कोश'' के नाम से प्रकादमी के पास तय्यार है, शीघ्र ही प्रकाशन व्यवस्था हो जाने पर जिज्ञासुओं की सेवा में प्रस्तुत किया जायेगा।

प्रकादमी श्री द्वारका दास श्री मित्रा की विशेष रूप से प्राभारी है जिन्होंने इस पुस्तक के मुद्रण में प्रकादमी का मार्ग प्रशस्त किया।

—संयोजक

अनुग्रह

भाषा-विभाग पंजाब—
जिन्होंने पुस्तक के
प्रकाशन के हेतु एक
हज़ार रुपये का
अनुदान दिया

नरेन्द्र धीर

जन्म १७ फरवरी १९२१, लश्कर ग्वालियर (म० प्र०)
निवासी उज्जैन (मध्यप्रदेश) अम्बाला (पंजाब)
निवास : १२/१-ए, मोतीनगर, नई दिल्ली-१५
व्यवसाय लेखन संपादन शोध इत्यादि
रचनायें : 'वेनिस का सौदागर' (काव्य) 'रंगीला बनजारा' (उपन्यास) 'मैं धरती पंजाब की' (शोध-ग्रन्थ हिन्दी एवम् पंजाबी— केन्द्रीयशिक्षा मंत्रालय द्वारा सर्वोत्कृष्ट घोषित एवम् २००० रुपये से पुरस्कृत) नाथ सिद्ध साहित्य (शोध ग्रन्थ हिन्दी एवम् पंजाबी) हिमाचली लोक-साहित्य (हिमाचली प्रदेशीय लोक-साहित्य-शोध) 'मधुयामा' (काव्य) 'ऊर्वशी के गीत' (काव्य), अन्तरिक्ष के यात्री (और सितारों की दुनिया) 'भारतीय-लोक-नाट्य' (शोध ग्रन्थ) 'धरती मेरी बोलती' (शोध ग्रन्थ)

जगदीश चतुर्वेदी

जन्म १५ जनवरी १९३१ लश्कर ग्वालियर (म०प्र०)
निवासी उज्जैन (मध्य प्रदेश)
निवास ८/२ ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-१२
व्यवसाय लेखन आकाशवाणी भोपाल से संबद्ध वर्तमान व्यवसाय अनुसंधान सहायक— केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय दिल्ली
रचनायें जीवन का संघर्ष (कहानियाँ) कपास के फूल (नाटक), धुएं के चारों ओर (कहानीसंग्रह) प्रारम्भ (काव्य सम्पादन) पारिभाषिक शब्दसंग्रह (सहयोगी)

भारतीय लोक-साहित्य

एक सर्वेक्षण

यूँ तो भारतीय लोक-साहित्य का अपना एक इतिहास है एवम् उसमें भी उसकी प्राचीनता अपना एक अलग महत्त्व रखती है परन्तु विभिन्न विद्वानों के मतानुसार संसार के प्राचीनतम ग्रन्थ जिनकी रचना सप्तसिंधु अथवा पंजाब में हुई थी—लोक-साहित्य सृजन के सर्वप्रथम ग्रन्थ माने जाने चाहिये। वेदों को अपौरुषेय इसी कारण श्रुति कहा गया है। वेदों का बहुत सा साहित्य लोक-साहित्य माना जाता है। अथर्ववेद के कुन्तापसूक्त (२०—१२७—१३६) खिल या परिशिष्ट कहे गये हैं। निश्चय ही इसमें संहिताकार ने लोक-साहित्य का संकलन किया है। संग्रह करने वाले सम्भवतः स्वयं कुरु जनपद के थे और वहाँ के लोक-साहित्य से भली भाँति परिचित थे। जब वे कवि परिवारों से प्रणीत साहित्य का संग्रह कर चुके तो उनका ध्यान लोक में फैले हुए गानों पर भी चला जाना पड़ता है। ये ही कुन्तापसूक्त हैं। श्रुति वेदों का ही एक नाम माना जाता है। यह एक निश्चित संकेत माना जा सकता है कि यह वेदों की मौलिक वस्तु नहीं है वरन् तत्कालीन लोक-साहित्य है, जिसे बाद में जोड़ दिया गया प्रतीत होता है।

वेदों के पश्चात् उपनिषदों की रचना हुई जिसमें हम लोक-कथाओं का कुछ अंश प्राप्त होता है। प्रथम तो उपनिषदों में हमें जहाँ एक ओर आत्मानुसंधान की प्रवृत्ति मिलती है वहाँ लोक-कथाओं के आधार पर जीवन-दर्शन का स्पष्ट विवेचन भी प्राप्त होता है। लोक-कथाओं का यह रूप भले धार्मिक परम्पराओं से परिपूरित हो पर उसमें हमें तत्कालीन लोक का एवम् उसकी लोक-परम्पराओं का विवरण स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है।

उपनिषदों में जहाँ हमें आत्मानुसंधान की प्रवृत्ति वाली लोक-कथायें प्राप्त होती हैं वहाँ ब्राह्मण ग्रन्थों में लोक-कथाओं का प्रतीकों एवम् उपमाओं के रूपक में ढाँककर प्रस्तुत किया गया है। लोक-धर्मी कथा परम्परा अथवा उसकी सभी भले ही तत्कालीन लोक के लिए शिक्षादायिनी अथवा धार्मिक रूप से ओत-प्रोत हो परन्तु वह वर्तमान काल में तो लोक-साहित्य के अतिरिक्त अन्य नहीं मानी जानी चाहिए। ब्राह्मण ग्रन्थों की भाँति स्मृतियों में भी लोक-साहित्य का ही पक्ष प्राप्त होता है। स्मृतियों का उद्भव तो पूर्णरूपेण 'स्मरण की हुई' से ही हुआ है। तभी तो इन्हें 'स्मृति' कहा गया। लोक साहित्य भी प्रायः स्मृति के आधार पर ही अपनी लम्बी यात्रा का मार्ग सुगम कर पाते हैं। कण्ठों पर अठखेलियाँ करने वाला लोक-साहित्य कथा-वाचकों के द्वारा मस्तक में पड़ता है और धीरे धीरे जन-मन में घर करता रहता है। यदा-कदा जन-जन-कण्ठ वह पुनः कण्ठों पर नर्तन करता है और युगानुयुग तक अपना अस्तित्व बना के रखता है। अपने अस्तित्व को बनाये रखने में चाहे उसे कितने ही रूप बदलने पड़े भले कितने ही प्रदेशों का भ्रमण करना पड़े भले कितने ही कण्ठों पर उसे कलाबाजियाँ लगानी पड़ें पर वह अपने अस्तित्व को डूबने नहीं देता खोने नहीं देता।

रामायण एवम् महाभारत जिन्हें हम भारतीय अपने धार्मिक ग्रन्थ मानते हैं उनमें सहस्रों कथावस्तुओं का उद्भव छिपा पड़ा है। आज का युग

इन्हें इतिहास कह लें, धार्मिक ग्रन्थ कह लें अथवा कुछ और पर यह तो निश्चय ही सत्य है कि रामायण तथा महाभारत की बृहद् कथायें हमें तत्कालीन लोक की सांस्कृतिक झाँकियों का दर्शन कराती हैं। लोक-परम्परायें लोकोपमायें लोक-संस्कृति, लोक-इतिहास लोक-समाज एवम् तत्कालीन लोक-रीतियों का स्पष्ट एवम् गहन अध्ययन करने के लिये हमें इन लोकप्रिय ग्रन्थों की सहायता निश्चय ही लेनी होगी।

रामायण, महाभारत के साथ साथ ही भारतीय पुराणों में तो असंख्य लोक-कथायें संनिहित हैं। हमारे ये पुराण लोक-परम्परा के द्योतक ग्रन्थ माने जाने चाहिये। तत्कालीन लोक ने जिन आपदाओं का सामना किया प्रकृति के जिन तत्वों ने तत्कालीन लोक को सहायता पहुँचाई अथवा अपने अद्वितीय चमत्कारों द्वारा लोकहित किया वे उस काल के लोक के लिये ऋषि, देवता अथवा महापुरुष हो गये। जिन तत्वों ने अथवा जिन विकारों ने उन्हें कष्ट पहुँचाया उनकी प्रगति में बाधक हुये वे असुर अथवा राक्षस की श्रेणी में रखे जाकर अवहेलना के पात्र माने गये। तत्कालीन लोक ने अपने विभिन्न संस्कारों की कथाओं को इन पुराणों में संकलित करके निश्चय ही बड़ा भारी ऐतिहासिक एवम् यथा योग्य कार्य किया है। पुराणों में संकलित विभिन्न कथाओं में लोकोपमायें लोक-परम्परायें लोक द्वारा प्रचलित मन्त्र-तंत्र, जादू टोने आदि विभिन्न मात्रा में उपलब्ध होते हैं। उपरोक्त समस्त साहित्य का रचनाकाल सम्भवतः ईसा से ४ १ हजार वर्ष पूर्व से लेकर ईसा की छठी अथवा सातवीं शताब्दी तक रहा है। इतने बड़े लम्बे काल का लोक-इतिहास, लोक-परम्परायें तथा लोक का जीवन-दर्शन हमें इन्हीं महत्वपूर्ण ग्रन्थों से प्राप्त होता है। वर्तमानकालीन लोक-साहित्य का पर्यवेक्षक हमारे इन पुरातन रचनाकारों के प्रति न केवल आभारी ही है वरन् वह स्पष्ट शब्दों में यह निर्णय दे सकता है कि इनका प्रागैतिहासिक काल के लोक का ज्ञान अथवा

अनुमान इसी बृहद् साहित्य मे प्राप्त हो जाता है। युगों का आवर्तन-परिवर्तन इस महान साहित्य के अन्तस में ही संकलित एवम् संनिहित है।

इन सभी के अतिरिक्त पाली ग्रन्थों में त्रिपिटकों में तथा जातक कथाओं में भी हमें असख्य लोक-साहित्य का स्पष्ट दिग्दर्शन हो जाता है। जातक कथाओं पाली ग्रन्थों एवम् त्रिपिटकों मे जैन एवम बौद्ध कालीन लोक उनके रीति-रिवाज संस्कार, उनकी परम्परायें एवम उनका लोकपक्ष स्पष्ट होकर हमारे सामने उभर आता है। हमारे विभिन्न धार्मिक ग्रन्थों के समान ये धार्मिक ग्रन्थ भले ही लोक-साहित्य न माने जायें परन्तु इनमें लोकोन्मुखी परम्परा तो स्पष्ट सामने आ उपस्थित होती है। सम्भवतः ही ऐसा कोई ग्रन्थ हो जिसमें हमें तत्कालीन लोक-धर्मी परम्परा का दर्शन न हो सके। परन्तु अधिकतर साहित्य में हमे लोक का दर्शन मिलता है। वास्तव में देखा जाये तो साहित्य का कोई भी अंश लोक-पक्ष से अछूता नहीं। प्रत्येक साहित्य का प्रत्येक अंग-प्रत्यंग ही लोक-पक्ष से आलोकित है परन्तु जिस साहित्य में स्पष्ट रूप से लोकधर्मी परम्परायें निहित हों वही लोक-साहित्य का विशुद्ध अंग माना जाना चाहिये। आज का युग वैज्ञानिक अन्वेषण का युग कहा जा सकता है जिसमें लोक पक्ष पूर्णरूपेण उभरा हुआ है। लोक-साहित्य एवम् संस्कृति के विभिन्न पक्षों के पर्यवेक्षक आज के युग में विभिन्न रीतिनीतियों से अपने-अपने ढंग से पर्यवेक्षण कर रहे हैं। किस-पर्यवेक्षक का ढंग अधिक वैज्ञानिक अथवा सर्वाधिक रूप से समृद्ध है इसका लेखा जोखा देना यहाँ हमारा दृष्टिकोण नहीं यहाँ हमारा दृष्टिकोण तो केवल इस साहित्य की संकलन-परम्परा को जिन महामानवों ने उत्तरोत्तर प्रगति दी है यह देखना अवश्य है।

ईसा की सातवीं शताब्दी के लगभग इस भारत के चौदहवें आचार्य नागार्जुन ने अपने विभिन्न ग्रन्थों में लोक-संस्था को परिचर्या का उल्लेख किया

है। लोक-सीमा की यह परिचर्या जिसे आज हम सम्मोहन, उच्चाटन जादू टोना अथवा इसी प्रकार के तन्त्र-मंत्र मानते हैं —का प्रादुर्भाव इन्हीं विभिन्न सिद्धाचार्यों द्वारा हुआ है। नागार्जुन, गोरख चरपट चौरंगी तन्तिपा जालन्धर एवम् तिलोपा आदि नाथ-सिद्ध-सम्प्रदाय के विभिन्न महायोगियों ने अपनी वाणी को तत्कालीन लोक-भाषा प्रदान कर एवम् उसमें विभिन्न लोक-साहित्य का सृजन कर देश एवम् राष्ट्र को समृद्धि प्रदान की जिनके कारण आज भी हम उनके विभिन्न पदों को लोक में लोकोक्तियों की भाँति प्रचलित पाते हैं और यदाकदा लोक के कण्ठ द्वारा उच्चारित होते देखते-सुनते हैं। इन नाथ-सिद्धों में गोरख सबसे यशस्वी एवम् लोकप्रिय माने गये हैं। उनका साहित्य विभिन्न भाषाओं में रूपान्तरित भी मिलता है। गोरख स्वयं मराठी गुजराती, पंजाबी अथवा मैथिली जानते थे या नहीं यह कह पाना तो कठिन है परन्तु उनकी वाणी विभिन्न लोक भाषाओं का शृंगार बनी तथा विभिन्न प्रदेशों में लोक के कण्ठ का शृंगार बन मुखरित हुई। गोरख ने लोकहित के लिये यदि एक स्थान पर पूत की माँ बाँझन को फल देकर जीवन प्रदान किया था लोक में प्रचलित हो गया कि यह उनका चमत्कार है परन्तु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यदि देखा जाये तो यह एक लोकोपचार है क्योंकि फल के प्रभाव से बांझ अवरोध समाप्त हो जाता है। इस प्रकार ये महापुरुष जो लोक द्वारा एक स्वर से महान मान लिए गये वास्तव में महान थे भी परन्तु अवतार नहीं। लोक में प्रत्येक महापुरुष को अवतार मान लेने की एक परम्परा रही है उसका ही यह प्रभाव कहा जा सकता है। गोरख की भाँति चरपट ने भी अपनी वाणी में विभिन्न लोकोपचारों का वर्णन किया है। कौन कह सकता है कि यह लोक में प्रचलित विभिन्न उपचार इन्हीं महात्माओं की अद्वितीय देन हों।

फ़रीद नानक बुल्लेशाह, तुलसी, सूर कबीर तथा मीरा आदि विभिन्न संत सूफ़ी कवि हुये जो लोक में इतने लोकप्रिय हुये कि इनके विभिन्न काव्यांशों को लोक ने अपनी शैली में ढाल कर अपनी ही निजी वस्तु बना ली। फरीद शकरगंज का काव्य लोक की जिह्वा पर अठखेलियाँ करता हुआ विभिन्न नदी घाटी झील वन पर्वत एवम् रेगिस्तानों को पार करता हुआ राजस्थान में जा पहुँचेगा एवम् वहाँ के लोक के कण्ठ का सुषम शृंगार बनेगा यह कौन कह सकता है—

"कागा सब तन खाइयो चुन चुन खाइयो मास।
ये दो नैना मत खाइयो पिया मिलन की आस।"

राजस्थान के लोक की जिह्वा इन पंक्तियों को जिस स्नेह एवम् अनुराग के साथ गाती है उसी स्नेह अनुराग एवम् भक्ति के साथ पंजाब का लोक फरीद की निम्न पंक्तियों का गुरु ग्रन्थ साहब में नित्य प्रति पाठ करता है—

'कागा करंग ढंढोलिया चुग-चुग खाइयो मासु
यह दो नैना मत छोह्यो, पिर देखण की आसु।

फरीद की भाँति नानक कबीर तुलसी सूर मीरा तथा बुल्लेशाह आदि सभी के काव्य को लोक ने रूपान्तरित कर लोक-काव्य में परिणित किया। इन संत कवियों की वाणी लोक के मानस की थाती बन कर रही। वास्तव में इनके काव्य में तत्कालीन लोक-भावना का सही दिग्दर्शन हुआ जिसके कारण ये कवि लोकप्रिय हुये। इन महाकवियों ने विभिन्न लोक-छन्दों की भी सहायता ली। तत्कालीन लोक-गीतों की ही शैली में रचना की। विशेषतया नानक ने तो दोहरे पहाड़ियाँ बारहमाह घोड़ी सोहाग तथा काफी आदि विभिन्न लोक-छन्दों का उपयोग करके स्वयं को लोक के अग्रस्तम का कवि बना लिया था। बावन अखरी तथा पट्टी आदि नामक भी अपनी लोकोपयोगी विशेषता थी। नानक ने अपने इस लोक-काव्य में

प्रचार एवम् प्रसार का भी अत्यन्त ही लोकप्रिय ढंग अपनाया। भाई बाला तथा मर्दाना जो उनके साथ सदैव ही रहे उनकी वाणी को अत्यन्त ही रोचक ढंग से लोक-संगीत की स्वर लहरियों में आबद्ध करते थे तथा लोक में प्रचलित विभिन्न भावों पर उनकी वाणी को जन-जन के हृदय में पैठने देने का अवसर देते थे। लोक का हृदय नानक की सुगम लोक-वाणी को सुन गद्गद् हो जाता था और लोक उसे अपना ही स्वर एवम् भावना मानकर यदाकदा गुनगुना लिया करता था। कौन कह सकता है कि नानक की कमनीय लोकभावना का प्रतिपादन एवम् उनके स्वरों की सरस-सरस मन्दाकिनी का रसास्वादन करते हुये लोक-मानस अपनी सुधि बुधि नहीं खो बैठता होगा। नानक ने अपने जीवन में विभिन्न यात्रायें की लोकभाव भावों का गहन एवम् आन्तरिक अध्ययन किया और सदय हो उसने पाया कि लोक-मानस उसकी भावनाओं में अपना स्वर मिला भावापन्न को उद्विग्न है। नानक मक्का गये वहाँ बड़े-बड़े मुल्लाओं से भेंट हुई उनके साथ सिद्ध गोष्टि' हुई और नानक ने उन्हें भी अपने ही रंग में रंग लिया। जिधर भी नानक गये उधर ही लोक-भावना की चर्चा उन्होंने की और वे एक स्वर से जन-जन के अन्तस के गायक-नायक बन बहुचर्चित एवम् लोक के परम श्रद्धास्पद बने। नानक की भाँति कबीर ने भी लोक भाषा में एवम् लोक-शैली में अपनी काव्य रचना की जिसके परिणाम स्वरूप कबीर भी लोक-कवि बन तत्कालीन लोक पर छा गये। आज भी होली के अवसर पर 'कबीर' का रंग अपनी निराली ही छटा बिखेरता है। रात्रि के ठण्डे प्रहर में जब कबीर के पदों की रागिनी अपनी भैरवी आलापती है तो लोक का अन्तस आलोकित हो झूम उठता है। लोक की बात को अत्यन्त ही बांके ढंग से कहकर उसमें रहस्यमयी चमत्कारिकता का दिग्दर्शन करा देना कबीर जैसे ही महा-पुरुष का कार्य था। कबीर की उलटवासियाँ आज भी जन-जन की जिह्वा

का शृंगार बनी हुई है। सिक्खों के गीतों में कबीर के गीत प्रायः अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं। सीधे सादे शब्दों में लोकमानस में तरंगित भावनाओं को लोक तक पहुँचा कर उसके रहस्य में विचित्र ही सौन्दर्य उपस्थित कर देना कबीर जैसे ही लोक-कवि का कार्य था।

कबीर की भाँति अमीर खुसरो ने भी विभिन्न बोलियों एवम् भाषाओं में अपनी काव्य रचना की। हिन्दी उर्दू तथा पंजाबी का प्रथम प्रणेता खुसरो आज भी जन-जन की जिह्वा पर आबाल वृद्ध नर-नारी के कण्ठ पर तिरोहित है। उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक खुसरो की पहेलियाँ मुकरियाँ अथवा ढकोसले विभिन्न रूपों में रूपान्तरित हो प्रचलित हैं। खुसरो स्वयं भी यदि आज आ जाये तो उसे देखकर आश्चर्य होगा कि जिस पहेली की रचना उसने पंजाबी में की थी वही आज मराठी बंगाली एवम् तामिल में किस प्रकार अनुवादित हो पहुँच गई है। मेरा विश्वास है कि बिना अनुवाद किये स्वयं ही लोक द्वारा अनुवादित हो जाने वाला महा पुरुष यह खुसरो ही है। पहेलियों के अतिरिक्त खुसरो के सरस-तरल लोक गीत आज भी महिलाओं की महफ़िलों के शृंगार बने हुये हैं। सावन के झूले झूलती हुई महिलायें आँगन में खेलते हुए बच्चे एवम् शिक्षा देते हुए वृद्धजन आज भी खुसरो की विभिन्न पंक्तियों को उल्लिखित किये बिना नहीं रह पाते।

चन्द बरदाई 'रासो' का लेखक यदि अपनी भाषा डिंगल न रखता तो सम्भवतः इतना लोकप्रिय न हो पाता उसमें जिस छन्द का उपयोग अपने काव्य में किया वह पंजाब का सर्वत्र प्रचलित लोक छन्द ही तो था। बरदाई की भाँति ही विभिन्न ऐसे कवि एवम् पंडित हुए जिन्होंने लोक-पक्ष को प्रश्रय दिया और लोक की जिह्वा का शृंगार बने।

गुरु अर्जुन देव सिक्खों के पंचम गुरु को लोक साहित्य के प्रथम सम्पादन कर्ता के रूप में देखकर किसे हर्ष न होगा। विभिन्न गुरुओं की गुरुवाणी, विभिन्न लोकप्रिय संतों की संतवाणी विभिन्न सूफी फ़कीरों के कलाम तथा विभिन्न लोक-कवियों के काव्य को संग्रहीत कर उसका सम्पादन करना तथा उसे क्रम देना गुरु अर्जुन का ही काम था। सम्पादक गुरु अर्जुन देव जी ने सम्पूर्ण काव्य को संगीत के स्वरों में भी बांधा और जिस पदावली का जिस स्थान पर जैसा महत्त्व था उसके अनुसार उसे संगीत की पंक्तियों में प्रकाशित किया जिस लोक कवि की जैसी लोक भावना थी उसके अनुसार उसकी भावना को तिरोहित करने में गुरु अर्जुन देव ने कोई कसर नहीं उठा रखी। लोक छन्दों में उन्होंने स्वयं भी रचना की तथा विभिन्न लोक-काव्यों का उपयोग किया। गुरु ग्रन्थ साहब को यदि हम धार्मिक ग्रन्थ न मानें तो यह निश्चय ही कहा जा सकता है कि यह विभिन्न लोककवियों द्वारा प्रणीत लोक-काव्य का प्रथम लोक संगीतमय संकलन है। गुरु ग्रन्थ साहब का लोक-पक्ष अत्यन्त ही सबल एवम् भावना प्रधान है। सम्भवतः ही कोई ऐसा भारतीय होगा जो गुरु ग्रन्थ साहब में संकलित लोक-साहित्य के विभिन्न अंगों से परिचित न होगा। गुरु ग्रन्थ साहब में हमें घोड़ी सोहिले लावां, बारह-माह काफियां घोड़े अलाहुणियां, सबद सबदी, लोकाख्यान तथा लोकोक्तियां इत्यादि सभी प्राप्त होती हैं। ग्रन्थ साहब संगीत बद्ध होने के कारण स्पष्ट प्रमाण है कि यह तत्कालीन लोक में प्रायः गाया जाता था। फ़रीद कबीर, नामदेव पीपा रामानन्द रविदास धन्ना जयदेव तथा सूरदास जैसे विभिन्न लोककवि ग्रन्थ साहब में एक ही स्थान पर संकलित हैं। ऐसे महान कवियों की लोक में प्रचलित वाणी को संकलित करने के लिए गुरु अर्जुन देव को न जाने कहां-कहां जाना पड़ा होगा और न जाने

कितना प्रयत्न करना पड़ा होगा। वे लोक-साहित्य के उन्नायक थे यह उनके इस महत्कार्य से स्वयंसिद्ध है।

पंजाब में दामोदर नामक कवि ने सर्वप्रथम 'हीर' नामक लोक-काव्य की रचना की। हीर एक प्रीति कथा है जो पंजाब में सर्वाधिक प्रचलित है। एवम् विभिन्न लोक कवियों ने अपने-अपने ढंग से इस लोक कथा को काव्य-बद्ध किया। कौन कह सकता है कि दामोदर की आँखों देखी यह घटना लोक में इतनी प्रचलित हो जायेगी कि दामोदर के अतिरिक्त वारिस शाह मुकबल गोकुलचन्द, कान्हसिंह दादीराम काशीदास एवम् अन्य बीसियों लोक कवि इस लोक कथा को अपने-अपने काव्य सौष्ठव द्वारा शृंगारेंगे। कहीं बैंत, कहीं काफ़ी कहीं दोहे कहीं बोलियां कहीं लड़ीदार कलियों में हीर-रांझा की यह कथा सर्वत्र पंजाब में बिखरी पड़ी है। असंख्य पंक्तियां इन दो स्नेहियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर चुकी हैं और न जाने कितने पृष्ठ और इसके प्रति अपना अभिनन्दन प्रस्तुत करेंगे।

हीर रांझा की भांति ही सस्सी-पुन्नू, सोहनी-महींवाल मिरज़ा-साहिबां कीमा-मलकी पूरन भगत परतापी-किरपाल सिंह तथा दुल्ला बसन्ती आदि विभिन्न प्रीति-कथायें लोक-कवियों का शृंगार बनी हैं। इसके अतिरिक्त भी विभिन्न लोक-कथायें विभिन्न लोक-कवियों का शृंगार बन अवतरित हुईं।

लोक-साहित्य के पर्यवेक्षण का कार्य १६वीं शताब्दी के आरम्भ में अनेक विद्वानों द्वारा प्रारम्भ हुआ। इन विद्वानों ने विभिन्न प्रकार से प्रयत्न कर इसकी मीमांसा की। उदाहरण ईलियट ग्राहम बेली कुक कैरी ग्रीयर्सन ग्रोवर, टिसडल टेम्पल, जीरेस्टन न्यूटन पेरी फैलन बर्टन ब्लॉक, ज्योस्फ बिग्स डीन मैकेन्ज़ी मैकोनेकी राबर्ट मेयर, रैपर्स रोज़, नाइटमर, स्टार्क स्टील स्विनरटन तथा हेनफाम आदि विभिन्न विदेशी

विद्वानों ने इस क्षेत्र में कार्य किये हैं। भारतीय विद्वानों में मौलाना अब्दुल मञ्जूर, धर्मादत्त उप्रेती, प्रोफेसर पी डी गुणे, तारा दत्त गैरोला, सुनीति कुमार चटर्जी, डा० बनारसी दास जैन, कृष्णगोपाल भण्डारकर, एम एस रन्धावा, सन्तराम बी ए, डा० उदयनारायण तिवारी, वासुदेव शरण अग्रवाल, महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, अगर चन्द नाहटा, बैजनाथ सिंह विनोद, डा० श्याम परमार, डा० चिन्तामणि उपाध्याय, लक्ष्मी बाई चूड़ावत, शिव सहाय चतुर्वेदी, डा० श्यामाचरण दुबे, डा० सत्येन्द्र, सूर्यकरण पारीक, सूर्य नारायण व्यास, डा० सुरेश अवस्थी, तथा इन पंक्तियों के लेखक ने इस दिशा में विशिष्ट कार्य किया है।

लोक-साहित्य के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण एवम् उसका पर्यवेक्षण कार्य करने में गुजरात के श्री झवेरचन्द मेघाणी, मानिक लाल, मधुभाई पटेल, रणजीत राम मेहता, एम एन शाह आदि का विशेष कार्य है। इसी प्रकार बंगला के मोहम्मद मंसूरउद्दीन, आशुतोष भट्टाचार्य, दीनेश हरिनाम, गुरुसदय दत्त, गिरीशचन्द्र सेन, कालीचरण चक्रवर्ती, जसीमुद्दीन, अवनीन्द्र ठाकुर, रवीन्द्र ठाकुर, प्रबोध कुमार दत्त, भोलानाथ दत्त, सुधीर कुमार देव, नरेन्द्र मजुमदार, हरिदास पालित, मौलिक लाल मजुमदार, मनसूरुद्दीन, यतीन्द्र बसु, दक्षिणारंजन मजुमदार, प्रभावति मुखोपाध्याय, चारुचन्द्र बन्द्योपाध्याय, राधालदास, मणिलाल, नीलकान्त सरस्वती, पवित्र सरकार, दिनेशचन्द्र सेन, सुकुमार सेन, क्षितिमोहन सेन तथा एनामुल हक आदि ने विशिष्ट कार्य किया है। मराठी में अनुसूईया भागवत, कमला बाई देशपाण्डे, काका कालेलकर, पां म बोरे, मालती दांडेकर, वि का जोशी, साने गुरु, तथा नारायण मोरेश्वर खरे का कार्य विशिष्ट है। उत्कल में भी लोक-साहित्य का कार्य कम नहीं हुआ। श्री प्रफुल्ल राय बी ए, राधाचरण दास एडवोकेट, हेमू राय तथा देवेन्द्र सत्यार्थी का कार्य उल्लेखनीय है। केरल में प्रेमनायर, तथा

मद्रास के ई० कृष्ण अय्यर, आन्ध्र के श्री के० एस० कारन्त मणिपुर की श्रीमती विमला रैना उड़ीसा के मयधारी मिश्र ममावर मोहन्ती आदि का कार्य प्रशंसनीय एवम् सराहनीय है।

पिछले कुछ वर्षों से अखिल भारतीय लोक-संस्कृति सम्मेलन को डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय ने इलाहाबाद में संयोजित किया जिसके तीन अधिवेशन १९५८ इलाहाबाद १९५९ बम्बई १९६१ उज्जैन में हुए। किन्तु तीनों अधिवेशनों में सिवा विद्वानों के पत्र-पठन एवम् रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रदर्शन के अतिरिक्त कोई भी ठोस कदम इस दिशा में नहीं उठाया गया।

लोक-साहित्य के पर्यवेक्षण का कार्य मात्र उसके संकलन से ही पूरा नहीं हो जाता वरन् इसके लिए विद्वानों में परिचर्चा काल निर्णय इतिहास-आकलन तथा तत्कालीन भाषा एवम् रीति-रिवाज एवम् परम्पराओं का शोधकार्य आवश्यक है। इस कार्य के लिए शासन का सहयोग सर्वाधिक वांछनीय है। इन पंक्तियों के लेखक ने जनवरी १९५७ में शासन को एक योजना अखिल भारतीय स्तर पर फ़ोक-लोर अकादमी के निर्माण के लिए एवम् आगामी पर्यवेक्षण के लिए प्रस्तुत की थी। शासन ने संगीत नाटक अकादमी को तत्संबंधी एक संगोष्ठि करने के लिए भी कहा। किन्तु यह संगोष्ठि आज तक भी शासकीय स्तर पर संभव न हो सकी। पिछले दिनों उज्जैन में जब अधिवेशन हुआ तो वहाँ विद्वानों द्वारा यह एकमत से स्वीकार किया गया कि इस प्रकार की संस्था अथवा अकादमी राजधानी में होना परमावश्यक है। बिना इसके किसी प्रकार का भी ठोस शोधकार्य सम्भव नहीं होगा।

अब यह समय आ गया है जब भारतीय विद्वानों को संकलित लोक-साहित्य अथवा लोक-सामग्री से उसे नये परिधान देकर सजोना चाहिये एवम् इसे लोकोपकारी बनाना चाहिये। जिससे कि इस वृहद् संकलित सामग्री का सदुपयोग हो सके।

प्रयोग के रूप में भारतीय नाट्य संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में इन पंक्तियों के लेखक तथा श्री मोहन जी उप्रेती ने लोक-नाटकों पर एक नया प्रयोग किया जिसमें इसका रिवाईवल करने का यत्न किया। बंगाल की यात्रा उत्तर प्रदेश की नौटंकी और मध्य प्रदेश के माच में एक नया अध्याय इस प्रयोग से जुड़ा है। इसी प्रकार भारतीय नाट्य संघ के तत्वावधान में एक नया प्रयोग थियेटर आर्काइव्स एक भाग स्थापित करके किया जा रहा है जिसमें भारतीय लोकनाट्य सम्बन्धी सामग्री—कठपुतलियाँ मुखौटे वस्त्राभूषण पुतले आदि का आधुनिक ढंग से पुनर्निर्माण किया जा रहा है। इस कार्य में श्री इन्दर राजदान प्रयत्नशील हैं। इन सभी प्रयासों के पीछे श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय की प्रेरणा एवम् डा० सुरेश अवस्थी का मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

केन्द्रीय फोकलोर अकादमी की आवश्यकता

सर्वविदित है कि गत कुछ समय से भारतीय जनपदों में लोक-साहित्य-पर्यवेक्षण का कार्य गति-शील हुआ है। यह कार्य वास्तव में अत्यावश्यक एवं महत्वपूर्ण है परन्तु इस कार्य को प्रायः फुटकर रूप से ही किया गया है। यदि इस कार्य को फुटकर या व्यक्तिगत रूप से न करके योजना-बद्ध रूप से किया जाय तो निश्चय ही हम अपने साहित्य संस्कृति इतिहास एवं समाज की अधिक सेवा कर सकेंगे। आज का युग हमसे मांग करता है कि हम अपने लोक के अन्तस् की पीड़ा वेदना एवं उसकी अन्तर्निहित भावनाओं को भली भांति समझें उनका प्रतिपादन करें, उनका निस्तार करें और अन्तर पड़े दूर कर सही और सच्चे अर्थों में लोक राज की स्थापना में साहित्यिक के कर्त्तव्यों को पहचान कर जन-जन में और लोक-मानस में पैठ जाने वाले लोक-गीतों लोक-नृत्यों लोक-कथाओं लोक-गाथाओं लोक-नाट्यों तथा इनके

भेदों में आधुनिक लोक-ढंग देकर उसे वर्तमान लोक-समाज एवं लोक-राज का स्थापना के योग्य बनावें। हमारा कर्त्तव्य केवल लोक-साहित्य संग्रह करने से ही पूरा नहीं हो जाता केवल उस पर लेखादि लिखने पर ही सम्पूर्ण नहीं होता, वरन् हमें उनकी उत्पत्ति उनके प्रकार, उनका वर्गीकरण उनकी ध्वनियें उनका काल निर्णय और उनका सांस्कृतिक सामाजिक राजनैतिक तथा साहित्यिक महत्त्व देखते हुए नये ढांचे में ढालना चाहिये जिससे वे आज के युग के लिये लाभकारी एवं लोक राज तथा स्वस्थ्य समाज की पुनर्स्थापना में सहायक हो सकें तथा राष्ट्र के लिये हितकारी सिद्ध होकर स्वस्थ्य विचार प्रदान कर सकें। लोक-साहित्य-संग्रह उसके पर्यवेक्षण एवं उन पर कार्य करने के सम्बन्ध में विद्वानों के अनेक मत पठनीय हैं जिन्हें यहाँ दिये बिना हम आगे नहीं बढ़ पायेंगे। कुछ विचार देखिये —

"मुझे मध्यभारत का इतिहास लिखने में राजस्थानी लोक-गीतों से पर्याप्त सहायता मिली"

—सर जॉन मालकम

श्री० गौरीशंकर हीराचन्द ओझा जी ने भी उपरोक्त मत की पुष्टि की है उन्हें भी इतिहास की पर्याप्त कड़ियाँ लोक-साहित्य से ही प्राप्त हुई। राजस्थानी बुन्देली तथा भोजपुरी में तो कुछ वीरगाथायें भी प्राप्त हुई हैं। हाल ही में मालवी की भी एक पद्य-बद्ध वीरगाथा प्राप्त हुई है जिससे यहाँ के इतिहास पर एक विशेष प्रभाव पड़ा। लोक-साहित्य का अध्ययन भी आवश्यक है कि इतिहास के अध्ययन का वह प्राण है। धार्मिक और सांस्कृतिक धारणायें, व्यवहारिक-पारिवारिक-सामाजिक रीति रिवाज पहनावे मान्यतायें धारणायें तथा कई ऐसी बातें हैं जो मानी गई हैं—वे लोक-साहित्य में ही भरी पड़ी हैं। यही नहीं शब्दों की उत्पत्ति तथा उनके भेदोपभेदों को जानने के लिये लोक-साहित्य का संग्रहित होकर उन पर सुन्दर ठोस कार्य किया

जाना इसलिये भी आवश्यक है क्योंकि इससे भाषाओं के व्युत्पत्ति कोषों की रचना हो सकेगी। श्री टर्नर के "ए कम्परेटिव एटिमोलॉजिकल डिक्शनरी ऑफ नेपालीज लैंग्वेज" जैसे कोष तय्यार करने का अब युग आगया है।

दक्खिनी हिन्दी पर पर्याप्त प्रकाश डालना आवश्यक मान कर श्री विनयमोहन शर्मा ने अपने एक लेख में लोक-साहित्य संग्रह का तथा उस पर ठोस कार्य करने को आवश्यक माना है। यही नहीं आर्य और द्रविड़ भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन करते समय श्री विनय मोहन शर्मा ने अनेक ऐसे शब्द दिए हैं जो आर्य भाषाओं और द्रविड़ भाषाओं में एक से हैं। अन्त में वे कहते हैं—"इससे यह सन्देह होता है कि कहीं हम भाषा को शुद्ध तामिल शब्द भी मान कर भूल तो नहीं की गई, इसीलिये नये सिरे से भारतीय भाषाओं का सर्वे का कार्य प्रारम्भ करना आवश्यक है।

उपरोक्त विभिन्न मतों के प्रकाश में हम यह निर्णय तो निश्चय दे सकते हैं कि लोक-साहित्य-सर्वेक्षण का कार्य भारत की स्वतंत्रता के पश्चात् अब पुनः-स्थान आवश्यक होगया है। हमें इसका पर्यवेक्षण कर इसे गति देनी चाहिए जिससे आधुनिक समाज की संस्कृति को तथा नवीन योजनाओं को बल मिले एवं उन्हें पूर्ण करने में लोक की जिह्वा का परम्परागत सहयोग प्राप्त हो सके।

आवश्यक है कि शासन तथा विद्वज्जन इस कार्य को पूर्ण करने में पूरा पूरा सहयोग प्रदान करें। शासन का सहयोग एवं कर्त्तव्य केवल अर्थ प्रदान करने से ही पूर्ण नहीं होता वरन् हम शासन से यह भी कामना करते हैं कि वह इस दिशा में अपनी पूरी-पूरी रुचि भी प्रदर्शित करे जिससे पर्यवेक्षकों को उत्साह प्राप्त होता रहे और वे इस परमावश्यक कार्य को भली-भाँति पूर्ण भी कर सकें।

मैं इस कार्य के हेतु निम्न योजना प्रस्तुत करता हूँ —

१ लोक-गीत—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ स्वर लिपि ६ ध्वनि-आलेखन ७ आधुनिकरण ८ गायक का चित्र ९ गीत के वाद्य १० तुलनात्मक अध्ययन ११ प्रदर्शन।

२ लोक-कथा—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ आधुनिकरण ६ नाटकीकरण ७ चित्र ८ तुलनात्मक अध्ययन ९ प्रदर्शन।

३ लोकोक्ति—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल निर्णय ५ आधुनिक उपयोग ६ चित्र ७ तुलनात्मक अध्ययन ८ प्रदर्शन।

४ लोक-नृत्य—१ नृत्यों में प्रयुक्त गीतों का संग्रह २ नृत्यों का वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ स्वरलिपि ६ नृत्य का क्रम ७ ध्वनि-आलेखन ८ प्रतिबिम्बालेखन ९ नृत्यकों के चित्र १० वस्त्र-चित्र ११ महत्व १२ आधुनिकरण १३ तुलनात्मक अध्ययन १४ प्रदर्शन।

५ लोक-कला—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ चित्रालेखन ६ प्रतिबिम्बालेखन ७ महत्व ८ आधुनिकरण ९ प्रदर्शन १० तुलनात्मक अध्ययन।

६ लोक-वाद्य—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ चित्रालेखन ६ ध्वनि-आलेखन ७ महत्व ८ स्वरलिपि ९ तुलनात्मक अध्ययन १० वादक का

चित्र ११ आधुनिकरण १२ प्रदर्शन।

७ लोक-परम्परायें—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ महत्त्व ६ आधुनिकरण ७ तुलनात्मक अध्ययन ८ प्रदर्शन।

८ लोकोत्सव—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल-निर्णय ५ महत्त्व ६ आधुनिकरण ७ तुलनात्मक अध्ययन ८ चित्रा-लेखन ९ चलचित्रांकन १० प्रदर्शन।

९. लोक-नाट्य—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ कालनिर्णय ५ स्वरलिपि ६ नाट्य परंपरा ७ ध्वनि-आलेखन ८ चित्रांकन ९ आधुनिकरण १० तुलनात्मक अध्ययन ११ प्रदर्शन।

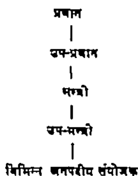
१० लोक-कवि अथवा—१ संग्रह २ वर्गीकरण ३ उत्पत्ति ४ काल लोक-काव्य [छपित] निर्णय ५ आधुनिकरण ६ चित्रा-संकलन ७ तुलनात्मक अध्ययन ८ प्रदर्शन।

११ लोक-इतिहास—प्रदेश ग्राम्य जिला स्थानों के अथवा लोक-सम्बन्धी भिन्न भिन्न इतिहास का संग्रह तथा उनका पर्यवेक्षणीय निर्णय एवम् आधुनिक दशा।

उपरोक्त पर्यवरण के वे अंग हैं जिन पर हम भविष्य में कार्य करना है। इस कार्य को पूर्ण करने में प्रत्येक भारतीय जनपद को पाँच वर्ष का समय लगेगा। पाँच वर्ष के पश्चात् हमारे समस्त बोली लिपि साहित्य संस्कृति तथा परम्पराओं आदि की सम्पूर्ण खोज-पूर्ण रिपोर्ट तैयार हो जायेगी और हमें यह भी ज्ञात हो जायेगा कि राष्ट्रीय भावनाओं से पूरित निर्माणात्मक योजनाओं को फलीभूत करने में हम अपने इस लोक-साहित्य द्वारा कितने सफल हो सकते हैं। विदेश में इस प्रकार का कार्य पर्याप्त मात्रा में हो चुका है। हमें अपने देश में इस कार्य को पूर्ण करने की परमावश्यकता है।

उपरोक्त योजना वृहद् एवम् महत्वशील है अतएव हमारे लिये सर्वाधिक आवश्यक है कि हम शासन से माँग करें कि वह "संगीत-नाटक-अकादमी" "ललित-कला-अकादमी" तथा "साहित्य-अकादमी" की भाँति ही "फोक-लोर अकादमी" की स्थापना केन्द्र में करे तथा अपने तत्वावधान में भारतीय जनपदों का पर्यवेक्षण कार्य करे। यह पर्यवेक्षण कार्य केवल इसलिये ही आवश्यक नहीं है कि हमें इससे भाषागत अनुसंधान का नया दृष्टिकोण मिलता है वरन् इसलिये भी आवश्यक है कि इस प्रकार की योजनायें तथा पर्यवेक्षण हमें एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

केन्द्रीय फोक-लोर-अकादमी संगठन विधान



प्रत्येक जनपद के लिये आवश्यक सामग्री

१ मूवी कैमरा, २ स्टिल कैमरा (रोली-कार्ड अथवा रोली फ्लेक्स) ३ टेपी-रिकार्डर, ४ स्टेशनरी, ५. टाइप-राइटर

जनपदीय योजना पूरक

१ संयोजक, २ सहकारी पर्यवेक्षक ८. (अ संगीतज्ञ, ब मंच विशेषज्ञ स नृत्यकार, द संग्रहकार ५.) ३ फोटोग्राफर-कम-टेक्नीशियन ४ तूलिकाकार ५. रसोईया, भृत्य।

प्रत्येक जनपद के लिए पर्यवेक्षण-काल

२॥ वर्ष में प्राथमिक साहित्य का संग्रह

१॥ वर्ष में सम्पादन लेखन तथा शोध काम

जनपदीय व्यय-पत्रक

संयोजक	५००) रु	प्रतिमास	६००० रु प्रति वर्ष
सहकारी पर्यवेक्षक	४००) रु	,,	८ १८४०० रु० ,,
फोटोग्राफरकम टैक्नीशियन	३००) रु	,,	३६०० रु. ,,
तूलिकाकार	३००) रु.	,,	३६०० रु ,,
रसोइया व भृत्य	१००) रु	,,	१२०० रु
			योग २२८०० रु प्रतिवर्ष
आवश्यक सामग्री			१७०० रु ,,
ग्रन्थ			१५०० रु ,,
			कुल योग ६०००० रु प्रतिवर्ष
पांच वर्ष में प्रत्येक जनपद पर व्यय			१००००० रु

कुल मिलाकर हम भारत को विभिन्न बारह जनपदों में विभाजित कर सकते हैं। इन सभी जनपदों पर लोक-साहित्य सम्बन्धी शोध होने पर हमें विभिन्न भाषायी समस्याओं का समाधान प्राप्त होगा और हमें समग्र सम्पूर्ण भारत में अनेकता में एकरूपता स्पष्ट परिलक्षित होगी। इस एक रूपता के द्वारा ही हम राष्ट्रीय एकीकरण में पूर्णरूपेण सफल हो पायेंगे जिससे हमारा भविष्य ज्योतिस्मान होगा और हम आने वाले युग में स्व... को सांस्कृतिक एवम् साहित्यिक रूप से न केवल सम्पन्न ही पायेंगे वरन् य... भी अनुभव कर पायेंगे कि जहाँ हमारा अतीत गौरवशाली था वहाँ हमा... भविष्य भी परमोज्ज्वल है।

मैं केन्द्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय से एवम् उनके शासन से अनुरोध करूँगा कि वे इस योजना पर ध्यान दें शीघ्रातिशीघ्र ध्यान देकर योजना को कार्यान्वित करने में ठोस कदम उठायें तथा देश की अपने सांस्कृतिक इतिहास में एक नए एवम् परमोज्ज्वल अध्याय की वृद्धि करने दें।

अंग्रेजी में हुये पंजाबी सम्बन्धी कार्य की सूची

पंजाब एवम् पंजाबी लोक भाषा तथा लोक साहित्य का संकलन कार्य पर्याप्त लम्बा है जिसका हमने विस्तृत वर्णन पहले किया है। नीचे हम उन महानुभावों की सूची देना उपयुक्त समझते हैं जिन्होंने पंजाबी सम्बन्धी विभिन्न पर्यवेक्षण एवम् सम्पादन आदि किये हैं। अंग्रेजी में पंजाबी सम्बन्धी हुये कार्य की सूची निम्न है—

अब्दुलगफूर, मौलाना	ए कम्प्लीट डिक्शनरी आफ दी टर्म्स यूज्ड बाय दी क्रिमिनल ट्राइब्स आफ दी पंजाब १८७६.
इब्बट्सन	पंजाब कास्ट्स १६१६
ईलियट एच० एम०	मैमोरीज आफ दी हिस्ट्री फोक लोर एण्ड दी डिस्ट्रीब्यूशन आफ दी रेसेज आफ नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्राविन्सेज आफ इण्डिया १८६६,
उपरेती गंगादत्त	प्रावर्ब्स एण्ड फोक-लोर आफ कुमायूं एण्ड गढ़वाल १८६२.
	मायस राइम्स आफ कुमाऊं
उब्बाराइन	मुलतानी ग्लासरी १६२१
कमिंग, टी० एफ० तथा याइस बेली	पंजाबी मैन्यूअल ग्रामर, १६१२
कुक डब्ल्यू	रिलीजन एण्ड फोकलोर आफ नार्दर्न इण्डिया १६२६
	ट्राइब्स एण्ड कास्ट्स आफ नार्थ वेस्ट फ्रंटियर प्राविन्सेज आफ इण्डिया १६१०

केरी	ए ग्रामर आफ पंजाबी लैंग्वेज, १८१२
ग्राहम बेली	पंजाबी ग्रामर, १९०४
	ए पंजाबी फोनेटिक रीडर १९१४
ग्रीयर्सन जी० ए०	टू वर्जन्स आफ दी सौंग आफ गोपीचन्द १८८५
	ऑन फोनोलॉजी आफ मॉडर्न इण्डो आर्यन वर्नेक्यूलर्स १९९१-९६
	दी पापुलर लिटरेचर आफ मार्डन इण्डिया बुलेटिन आफ दी स्कूल आफ आरियण्टल स्टडीज लन्दन १९२०
ग्रीयर्सन	लिंग्विस्टिक सर्वे आफ इण्डिया ११ भाग पंजाबी सम्बन्धी ९ वाँ भाग, प्रथम अध्याय, १८९४-१९२७
	मार्डन इण्डोआर्यन वर्नेक्यूलर्स १९३१
गुने, प्रो० पी० डी०	इण्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फिलालाजी, १९१८.
गैरोला तारादत्त	फोकलोर आफ गढ़वाल विश्वभारती त्रैमासिक अंक ४ १९२६
ग्रोवर, पी०	हिमालियन विलेज
चटर्जी सुनीतिकुमार	इण्डो आयन एण्ड हिन्दी १९४२
जवाहरसिंह, मुन्शी	ए वाकयूबलरी आफ टू थाउजण्ड वर्डस फ्राम इंग्लिश इण्टू पंजाबी
जैन, डा० बनारसीदास	गुरुमुखी, फोनेटिक रीडर, १९३४
„	फोनोलाजी आफ पंजाबी १९३४
टिवडल, मेजर	दी पंजाबी लैंग्वेज, १८८१
टैम्पल आर० सी०	दी लीजेण्ड्स आफ दी पंजाब १८८३

पारेस्टन [टी० एस०	ए हैण्डबुक ग्राफ लाहौर १८२७
घोर, नरेश	न्यू पाथ टु लिंग्विस्टिक सर्वे ग्राफ इण्डिया, १९५७
	तथा विभिन्न लेख आदि,
	इवाल्युशन ग्राफ पंजाबी लैंग्वेज, १९६०
	एन इण्ट्रोडक्शन टु स्वांग:
	ए पंजाबी फोक ड्रामा १९६२
न्यूटन जान	ए ग्रामर ग्राफ दी पंजाबी लैंग्वेज १८५१
न्यूटन, ई० पी०	पंजाबी ग्रामर, १८९८
,, ,,	ए गाइड टु पंजाबी १८९९
नीदरकमसट, एवर्ड	*लिंग्विस्टिक एण्ड ग्रारियण्टल ऐसेज १८४६*
बेरी	हिन्दुस्तानी बोलियों एवं पंजाबी में लेख १८५१
फेगन	हिसार गिजेटियर १८९८
बहल, परमानन्द	*स्केचिज़ ग्राफ मुलतानी १९२४*
बर्टन ग्रार० एफ०	सिन्ध एण्ड रेसेज दैट इनहैबिट दी वैली ग्राफ इण्डस, १८५१
बर्टन	सिन्ध रीविज़िटेड १८५१
ब्लाक ज्योल्स	एण्डोग्रार्यन
ब्रिग्ज जी० डब्लू०	गोरखनाथ एण्ड कनफटा योगीज १९३८
बीम्ज जान	ए कम्पेरेटिव ग्रामर ग्राफ दी माडर्न एरियन लैंग्वेजिज ग्राफ इण्डिया
भण्डारकर, कृष्णगोपाल	विलसन फिलालाजीकल लैक्चर्ज १८७७-१९१४
भण्डारी एन० एस०	स्लो बाउन्स ग्राफ गढ़वाल
मायासिंह	दी पंजाबी डिक्शनरी १८९५

मकग्री मैकालफ ए॰ इण्डियन ऐप्रोक्स्वर प्रावर्ब्स आफ पंजाब १८६०
मोहनसिंह डाक्टर गोरखनाथ एण्ड मिडियेवल हिन्दू मिस्टिसीज्म १९३८
ए शार्ट हिस्ट्री आफ पंजाबी लिटरेचर १९३८
राबर्ट मेजर ए ग्रामर आफ पंजाबी लैंग्वेज १८ ८
रामकृष्ण लाला पंजाबी सूफी पोयट्स
रन्धावा एम॰ एस॰ कांगड़ा फोक सांग्स १९५२
हरियाना फोक सांग्स, १९५२
कांगड़ा वैली पेंटिंग्स
कुमायूँनी फोक सांग्स
रैयर्ज एम इग्लिश पंजाबी डिक्शनरी १८२६
रोज, एच॰ ए॰ ए ग्लासरी आफ दी ट्राइब्स एण्ड कास्ट्स आफ दी पंजाब एण्ड नार्थ वैस्ट फ्रण्टियर प्राविन्सेज आफ इण्डिया १९१९
लाइटनर हिस्ट्री आफ इण्डीजीनस एजूकेशन इन दी पंजाब
वर्मा सिद्धेश्वर लहिंदी फ़ोनाटिक्स्विवेशन्स
शालिग्राम एण्डा गुरमुखी डिक्शनरी १८६७
सत्यार्थी, देवेन्द्र मीट माई प्यूपल १९५२
तथा माडर्न रिव्यू कान्टेम्परेरी इण्डिया एवम ट्रिब्यून में प्रकाशित विभिन्न लेखादि
स्टारकी कैप्टन डिक्शनरी आफ इंगलिश एण्ड पंजाबी १८४९
स्टील एफ॰ ए॰ टेल्स आफ दी पंजाब १८६४
स्विम्नरटन, सी॰ रोमान्टिक टेल्स फ्राम दी पंजाब १९०१
सेठ प्राणनाथ कुरुक्षेत्र एवम् विभिन्न पत्रों में लेखादि

ईसलास आर० सी० दी फोकलोर्स आफ दी पंजाब १८७५

हिन्दी-पंजाबी में हुये पंजाबी सम्बंधी कार्य की सूची

ऊपर हमने अंग्रेजी में हुये पंजाबी सम्बन्धी लोककार्य की संक्षिप्त सूची दी है। अब पंजाबी उर्दू तथा हिन्दी में हुये विभिन्न पंजाबी लोक साहित्य सम्बन्धी लोक-ग्रन्थों की सूची दी जाती है—

अवतार सिंह चित्रकार	फुल्लां भरी चंगेर १९५९, पंजाबी, करम पब्लिशर्ज लुधियाना तथा विभिन्न पत्रादि।
	'साहित्य समाचार', पंजाबी मासिक लुधियाना
अमृता प्रीतम	'पंजाब दी आवाज' पंजाबी नवयुग पब्लीशर्ज, दिल्ली १९५२
	मौली ते म हदी पंजाबी नवयुग पब्लीशर्ज दिल्ली १९५५
अवतार सिंह दिलेर	मद्दी-टप्पा १९५९, पंजाबी, पंजाबी लोक-गीत अमृतसर ते विचरण पंजाबी ५४
एस सिंह चक्रवर्ती	'आकृति' सम्पादक हिन्दी पंजाबी में छपित विभिन्न लेख
करतार सिंह देव	पंजाबीलोक गीत अमृतसर हिन्दी १९४९, पंजाबी १९४८
करतारसिंह सम्पादक	'आकृति' पंजाबी सम्पादक
करतार सिंह राजा	पंजाबी हिन्दी का टाक्कर पंजाबी १९५२
करतार सिंह दुग्गल	विभिन्न हिन्दी-पंजाबी पत्रों में प्रकाशित लेख
करतारसिंह शमशेर	मौली ते रानी पंजाबी, पंजाबी साहित्य एकाडमी लुधियाना १९५९
	नीऊ दी दुनिया १९४१ पंजाबी

करतारसिंह शमशेर	पंजाबी लोकगीत, हिन्दी १९४१
	नवदी जवानी पंजाबी, १९५५
किशन चन्द मौसा	रसभिन्ने गीत हिन्दी, १९४६, अमृतसर
गुरदित्त सिंह ज्ञानी	पंजाबी दे विकास दा इतिहास पंजाबी
गोपालसिंह दर्दी	पंजाबी साहित्य का इतिहास उर्दू, १९४६
गंडासिंह प्रो०	पंजाबी लिपी दी समस्या, पंजाबी १९५१
जी० बी० सिंह	गुरमुखी लिपी का जनम ते विकास पंजाबी
जी० बी० सिंह	गुरमुखी लिपी दे जनम ते विकास पंजाबी
जोधसिंह प्रिंसीपल	गुरमुखी लिपी, पंजाबी, १९५२
दुनीचन्द सत्ता	हिन्दी-पंजाबी भाषा-विज्ञान पंजाबी, १९५५
देवेन्द्र सत्यार्थी	गिद्धा पंजाबी १९३६ जनता, जनता लाहौर
	दीवा बले सारी रात पंजाबी १९४१ लाहौर
	कुक पोष
	मैं हूं खानाबदोश उर्दू १९४१
	चट्टान से पूछ लो उर्दू
	गाये जा हिन्दुस्तान उर्दू १९४६
	धीरे बहो गंगा हिन्दी, १९४८
	धरती गाती है हिन्दी १९४८
	बेला फूले आधी रात हिन्दी १९४९
नरेन्द्र धीर	मैं धरती पंजाब की हिन्दी १९५४ द्वि० सं० १९५६
	तृतीय संस्करण १९५८, साहित्य-संगम लुधियाना
	मैं धरती पंजाब दी पंजाबी लाहौर बुक शाप
	लुधियाना १९५१
	धरती मेरी बोलती हिन्दी हिन्दी सदन दिल्ली १९५९

नरेन्द्र धीर	धरती मेरी बोलदी पंजाबी, लाहौर बुक शाप लुधियाना
	मैं धरती पंजाब की, उर्दू, कमा ए-कुम-उमेमा-ए हिन्द, १९६०
	नाथ-सिद्ध-साहित्य, हिन्दी १९५१
	नाथ-सिद्ध साहित्य पंजाबी, १९६१
	लोक सोर प्रकाशनी द्वारा प्रकाशित विभिन्न परिपत्र १९५७ और उसके बाद
	हिमाचली लोक-साहित्य, हिन्दी, नीरजा प्रकाशन, लुधियाना १९६१
	भारतीय लोक-नाट्य, हिन्दी १९६२
	अन्तर्राष्ट्रीय लोकयानी अनुसन्धानमाला, हिन्दी-अंग्रेजी, लोक-सोर प्रकाशनी, नई दिल्ली
प्यारासिंह पदम संपादक	पंजाबी दुनिया पंजाबी पटियाला का सम्पादन।
	बांके दीआं बातां १९४२ पंजाबी
प्रीतमसिंह प्रोफेसर	गुरमुखी लिपी पंजाबी
बाबा बुधसिंह	हंसचोग पंजाबी
बिहारी लाल	पंजाबी व्याकरण, १८६७ पंजाबी
मदनमोहन गोस्वामी (सम्पादक)	'आकृति' मासिक चण्डीगढ़ हिन्दी तथा विभिन्न मेवाति
महेन्द्रप्रताप (सम्पादक)	'सप्तसिन्धु' हिन्दी पटियाला भाषा विभाग
मोहनसिंह डाक्टर	साहित्य सरोवर पंजाबी १९५२
रामशरणदास एडवोकेट	पंजाब दे गीत पंजाबी १९६०
सिद्धू गुरबचनसिंह तथा नौरंग सिंह	

रन्धावा, महेन्द्र सिंह   पंजाब दे लोक-गीत पंजाबी १९५५
रन्धावा महेन्द्रसिंह   कुल्लू दे लोक-गीत, पंजाबी, १९५९
हरियाणा दे लोक-गीत, पंजाबी, १९५९
काँगड़ा दे लोक-गीत, पंजाबी १९५६
(सम्पादन) प्रीत कहाणियाँ, पंजाबी १९५७

वणजारा बेदी   लोक आखदे हन पंजाबी १९५६, पंजाबी साहित्य अकादेमी लुधियाना तथा विभिन्न पंजाबी पत्रों में प्रकाशित लेखादि

सुखदेव माधपुरी   खरी दा टोटा पंजाबी १९५८
गाउंदा पंजाब पंजाबी १९५८

सुरिन्दर सिंह कोहली   पंजाब दे गीत, पंजाबी १९५४

सतराम बी ए   पंजाबी लोकगीत हिन्दी १९५५

संतसिंह सेखों (सम्पादन) आलोचना पंजाबी मासिक पंजाबी साहित्य अकादेमी लुधियाना

सन्तोखसिंह धीर (सम्पादन) लोक-गीतां बारे, पंजाबी, १९५६
पंजाबी लोक-कहाणियां पंजाबी १९५६

धर्मवीरसिंह 'अशोक'   पंजाब में हिन्दी का लोक-साहित्य ग्रंथ हिन्दी, १९५७
'सप्तसिन्धु' 'जागृति' एवम् 'पंजाबी दुनिया' में प्रकाशित विभिन्न लेखादि

धर्मवीरसिंह अशोक   प्राचीन पत्रमाले

श्रद्धाराम फिल्लौरी   पंजाबी बातचीत पंजाबी, १८८१,

'शान' हरनामसिंह   सस्सी हाशम पंजाबी १९५७

शाकिर पुरुषार्थी	'आकृति', 'सप्तसिन्धु', 'पंजाबी दुनिया' आदि में प्रकाशित विभिन्न लेखादि
शालिगराम	एलो गुरमुखी बोलचाल पंजाबी १९००
शेरसिंह प्रोफेसर	बार दे ढोले पंजाबी १९५४
हरनाम सिंह (सम्पादक)	'साहित्य समाचार' पंजाबी मासिक विभिन्न अंक।
हरजीत सिंह	मैं मर्दा पंजाबी १९४१
हरनामसिंह नाज़	विभिन्न पत्रों में प्रकाशित सामग्री
हरभजन सिंह शास्त्री	पंजाबण दे गीत पंजाबी-हिन्दी १९४२ १९५०

ऊपर हमने पंजाबी लोक-साहित्य संकलन सम्पादन तथा शोध कार्य की विस्तृत सूची दी है। भारत की विभिन्न भाषाओं में हुये लोक-साहित्य सम्बन्धी कार्य की सूची देना यहाँ सम्भव नहीं होगा। इस सूची के निर्माण करने में डा० महादेव साहा (लोक-साहित्य सम्बन्धी भारतीय साहित्य की संक्षिप्त सूची, सम्मेलन पत्रिका लोक संस्कृति विशेषांक सम्वत् २ १० भाग ४० संख्या १) डा० श्याम परमार (भारतीय लोक साहित्य—१९५४) डा० कृष्णदेव उपाध्याय (लोक साहित्य की भूमिका १९५७) श्रीकृष्णदास (लोकगीतों की सामाजिक व्याख्या) मन्सूरउद्दीन ('हारामणि' बंगला १९४२) पंडित राम नरेश त्रिपाठी, कविता कौमुदी ५वां भाग की विभिन्न सूचियों का हमने उपयोग किया है। उनकी विस्तृत सूची में हम अपनी जानकारी में आई अन्य विभिन्न पुस्तकों का भी उल्लेख कर रहे हैं। पंजाबी सम्बन्धी पुस्तकों का पुनः इस सूची में सजाना उचित प्रतीत नहीं होता। पाठक यहां पंजाबी की सूची पिछले पृष्ठों में देख ही चुके हैं —

हिन्दीलिपि में प्रकाशित पुस्तकें

अगर चन्द नाहटा	'राजस्थान भारती' तथा 'वरदा' के विभिन्न अंक,
अमृता प्रीतम	पंजाबी और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन

मनिन्द्रकुमार मुकर्जी — भारतीय लोक-कथा १९५१, वस्त्रता, हैदराबाद।

मार्टेर ब्लस्म्‌ वे तथा संकटा प्रसाद — भोजपुरी ग्राम्य-गीत, लहरिया सराय पटना।

मादर्श कुमारी यशपाल — बृज की लोक-कथायें १९५५, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।

मानन्द प्रकाश जैन — तेलंगाना की लोककथाएं, १९५५ आत्मा राम एण्ड सन्स दिल्ली।

भारतीय गौरव की लोक-कथाएं १९५६ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

ईश्वर बराम — नेपाली और उसका साहित्य, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

उत्तम सिंह ठेव — रंग-रंगीले गीत १९४६, उत्तमसिंह पुस्तकनसिंह अमृतसर।

उदयनारायण तिवारी — भोजपुरी भाषा और साहित्य राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

भोजपुरी लोकोक्तियां १९३९ हिन्दुस्तानी प्रयाग

भोजपुरी मुहावरे, १९४०-४१ हिन्दुस्तानी प्रयाग।

भोजपुरी पहेलियाँ १९४२ हिन्दुस्तानी, प्रयाग।

उमादेवी यादव — भोजपुरी लोक-गीतों में नारी १९५४ पाटल, पटना।

उमाशंकर शुक्ल — बुन्देलखण्ड के लोक-गीत इण्डियन प्रेस इलाहाबाद।

उमेश मिश्र — मैथिली और उसका साहित्य, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

कमलकुमार श्रीवास्तव होली के छत्तीस गढ़ी गीत १९५४ प्रतिभा नागपुर।

करतारसिंह दुग्गल — पंजाबी लोक-साहित्य १९५९, अजन्ता हैदराबाद।

कमलाकर विष्णु कुरकर — आदिवासियों के प्रेमगीत १९५२ अजन्ता हैदराबाद।

कन्हैयालाल सहल — राजस्थानी कहावतें

कुसुम पाल नीहारिका — काठियावाड़ और गुजरात के गर्बा-गीत १९६० भारती ग्वालियर।

कुमार गंधर्व — भारतीय लोक संगीत १९५२ सम्मेलन पत्रिका इलाहाबाद।

डा० कृष्णदेव उपाध्याय — भोजपुरी लोकगीत भाग १ १९५५ द्वितीय संस्करण हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।

भोजपुर लोकगीत, भाग २ १९४८ हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।

लोकसाहित्य की भूमिका १९५७ साहित्य भवन लि० प्रयाग।

भोजपुरी और साहित्य १९५७ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

भोजपुरी लोकसाहित्य का अध्ययन हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय काशी।

भोजपुरी लोकसंस्कृति का अध्ययन।

अवधी लोकगीत भाग १।

कृष्णचन्द्र मीना — रंगबिरंगे गीत १९४६, माघीराम चतराम अमृतसर।

कृष्णलाल हंस — निमाड़ी लोककथाएँ भाग १, १९५२ आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।

निमाड़ी लोककथाएँ भाग २, १९५४, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

कृष्ण लाल हंस	भारतीय लोकगीतों में नारी १९५६, ४ कल्पना, हैदराबाद।
कालिका प्रसाद दीक्षित 'कुसुमाकर'	राष्ट्रवाणी, हिन्दुस्तान धर्मयुग में प्रकाशित लेख, १९५९ के बाद
कृष्णानन्द गुप्त	ईसुरी की फागें (सम्पादित) लोकवार्ता परिषद, टीकमगढ़।
	बुन्देलखण्डी और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
जंगबहादुर मानव	सुधाबूंद १८८४, बांकीपुर पटना।
मैवाराम माली	मारवाड़ी गीतसंग्रह।
गोपाल कृष्ण कौल	पंजाब की लोककथाएं, १९५५, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
डा० गोविन्द चातक	गढ़वाल की लोककथाएं, १९५५, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
डा० गोविन्द चातक	नेपाल की लोककथाएं, १९५६ आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
गिरिधारी लाल शर्मा	राजस्थानी ग्रामीण गीत, १९५७ साहित्य संस्थान उदयपुर।
	राजस्थानी लोकगीत १९५७, साहित्य संस्थान उदयपुर।
चन्द्रकुमार अग्रवाल	छत्तीसगढ़ की लोककथाएं, १९५१ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

डा० चिन्तामणि उपाध्याय	मालवी लोकगीत (थीसिस) १९५७, ।
	मालवी एक भाषा शास्त्रीय अध्ययन, १९६०, मंगल प्रकाशन जयपुर।
	लोकयान, १९६१, मंगल प्रकाशन, जयपुर।
	मालवीय ग्राम साहित्य की पहेलियाँ १९५८' विक्रम उज्जैन।
	लोकसाहित्य की 'मीरा' चन्द्रसखी, १९५९, 'विक्रम' उज्जैन।
जगदीश चतुर्वेदी	हमीरी लोकसाहित्य १९५८ पतंग साहित्य प्रकाशन, उज्जैन।
जगदीश चतुर्वेदी	भारत के वृक्ष तथा भारत की शिल्प कलाएँ,१९५८,
डा० जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी	'जनपद' त्रैमासिक, १९५२ अ० भा० ज० परिषद, काशी।
जगन्नाथ शर्मा	आबू की लोककथाएं, १९५२ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
	पर्वतों की लोककथाएं १९५४ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
	काजल रेखा १९५७ नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
जगदीश सिंह गहलोत	मारवाड़ी ग्राम गीत।
जगदीश त्रिगुणायत	बांसुरी बज रही और उसका साहित्य १९५६, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना।
ज्योतिन्द्र चन्द्र चौधरी	पतमिया और उसका साहित्य।

तारक प्ररविंद	भारत के आदिवासी १९५८, इंडियन पब्लीकेशन, अम्बाला ।
ठाकुर राम सिंह	चारणी गीत ।
तारा चन्द श्रोझा	मारवाड़ी स्त्री-संग्रह ।
तिलक	भारतीय लोक-साहित्य का विकास १९५४ अजन्ता हैदराबाद ।
देवकुमार बम	कालिदास की लोक-कथाएं, १९५४, हिन्दी सदन दिल्ली ।
	विक्रम की लोक-कथाएं १९५४ हिन्दी सदन दिल्ली ।
	ग्रामीण कहावतें १९६० पंचायत एवं समाज सेवा मध्य प्रदेश इन्दौर ।
	भोजराज की लोक-कथाएं, १९६१ किताब महल इलाहाबाद ।
	मध्यप्रदेश की लोक-कथाएं बालसदन दिल्ली ।
	मालवी लोक-कथाएं बालसदन, दिल्ली ।
दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह	भोजपुरी लोक-गीतों में करुण रस, १९५०, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
	भोजपुरी के कवि और काव्य राष्ट्रभाषा परिषद् पटना ।
देवी प्रसाद वर्मा	छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गीत १९५४ प्रतिभा नागपुर ।

पत्रों का त्योहार १९५४ प्रतिमा नागपुर।

देवीशंकर अवस्थी — राजस्थानी लोक-कथा १ भाग १९५२, लोक-कला मण्डल उदयपुर।

देवीलाल सामर — राजस्थान का लोक-संगीत १९५३ लोक-कला मंडल उदयपुर।

राजस्थान का लोकानुरंजन १९५४ लोक-कला, मंडल उदयपुर।

राजस्थान के लोक-नृत्य लोक-कला मण्डल उदयपुर।

देवेन्द्र सत्यार्थी — दीवा जले सारी रात १९४१।

मैं हूँ खानाबदोश १९४१।

बाजत आवे ढोल १९४४ एशिया प्रकाशन न दिल्ली।

चट्टान से पूछ लो १९४०, एशिया प्रकाशन नई दिल्ली।

गाये जा हिन्दुस्तान १९४६।

धीरे बहो गंगा १९४८ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

धरती गाती है १९४८, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

बेला फूले आधी रात १९४६, राजहंस प्रकाशन दिल्ली।

क्या गोरी क्या साँवरी १९५२ एशिया प्रकाशन दिल्ली।

आजकल आदिवासी अंक (सम्पादित) १९५३ इन्फर्मेशन एण्ड पब्ली० विभाग दिल्ली।

आजकल लोक-कथांक (संपादित) १९५४ इन्फर्मेशन एण्ड पब्ली० विभाग, दिल्ली।

देवेन्द्र सत्यार्थी — लोक-साहित्य की यथार्थवादी परम्परा, १९५२, आलोचना दिल्ली।
हमारे ग्राम-गीत १९३६ 'हंस' बनारस।

द्रोणवीर कोहली — लोक-कथायें राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

म० वी० कृष्ण वारियर मलयालम और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन।

नर्सिंहराम शुक्ल — कवा—ग्रामसंगीत, १९४१, 'साधना' बम्बई।

नरेन्द्र धीर — मैं धरती पंजाब की, प्रथम तथा द्वितीय सं० १९५४ ५५, क्रान्ति प्रकाशन।
मैं धरती पंजाब की तृतीय संस्करण १९५८ साहित्य संगम लुधियाना।
धरती मेरी बोलती १९५९, हिन्दी सदन दिल्ली।
लोक-साहित्य पर्यवेक्षण एक योजना १९५५, फोक-लोर अकाडमी।
नाथ-सिद्ध साहित्य, १९४६, साहित्य-संगम लुधियाना
ढोल के बोल १९५६।
हिमाभी लोक-साहित्य १९६१, मोरचा प्रकाशन लुधियाना।
मेहा जिनके हाड़ समाया।
पंजाबी लोक-साहित्य अध्ययन एक विहंगम दृष्टि, 'समाज' काशी।
लोक-साहित्य में नाथ परम्परा १९५९ 'सप्तसिंधु' पटियाला।

नरेशचन्द्र — लोक-गीतों का सांस्कृतिक महत्त्व और कवित्व, १९४९, प्राच्य मानव वैज्ञानिक।

नरोत्तमदास स्वामी	राजस्थान रा दूहा, भाग १-२, १९१५, राजस्थान सीरीज पिलानी।
	राजस्थानी और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
निहालचन्द्र वर्मा	मारवाड़ी गीत, १९२२।
नन्दलाल बत्ता	काश्मीर की लोक-कथायें, १ २, १९५९, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।
	मनोरंजक लोक-कथायें, १ २, १९५४, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।
	केसर क्यारी १९५७ नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'	गुजराती और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
पी० वेंकटाचलम	कन्नड़ और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
प्यारेलाल	पंजाब की लोक-कथायें १९५५ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
	सिन्ध की लोक-कथायें १९५७ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
	बिहार की लोक-कथायें १९५६, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
पुरुषोत्तम मेनारिया	राजस्थानी भाषा की रूपरेखा १९५६, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय वाराणसी।

पुरुषोत्तम मेनारिया — राजस्थान की लोक-कथायें १९५४, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

पूर्णचन्द्र जोशी — नया पथ जनयुग तथा हिन्दुस्तान में प्रकाशित लेख, १९५५-५६, जनयुग लखनऊ।

पूर्णसोम सुन्दरम — तामिल और उसका साहित्य १९५८ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

पृथ्वीनाथ चतुर्वेदी }
हीरा लाल सन्त } — हमारे लोक-गीत, १९५४ फर्रुखाबाद।

पृथ्वीनाथ पुष्प — काश्मीर और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

प्रभाकर माचवे — मराठी और उसका साहित्य १९५७ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

लोक-साहित्य का अध्ययन १९५४, गौरव' दर्शन।

प्रणयचन्द्र शर्मा — मालव लोक-गीतों की मारी, १९४०, 'धूम' बनारस।

प्रवासी लाल वर्मा — सौराष्ट्र की लोक-कथायें १९४९, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

प्रीतम सिंह पंछी — पंजाब की लोक-कथायें आत्माराम एण्ड संस।

प्रेमी हरिकृष्ण — पंजाब की प्रीति कहानियाँ १९५९

बंसी लाल — डोगरी लोक-कथा, १९५६, डोगरी संस्था, जम्मू।

बलदेव लाल कर्णकर — भोजपुरी कहावत, किंकर कुटीर, भभिकूट।
मैथिली कहावत
मगही कहावत
बिहारी कहावत

बलदेव लाल कर्णिकर — मैथिली लोक-गीत, २ खंड
घरेलू जड़ी बूटियाँ ।

बसन्तलाल बप् — मालव की लोक-कथायें सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
मध्यप्रदेशीय भाषा पर्यवेक्षण, मालव लोक-साहित्य परिषद् ।
बाग के गीत भिलाले १९५०, प्रतिमा निकेतन, उज्जैन ।
भारतीय लोक-कथायें—उत्पत्ति विकास, (सचित्र) १९६१ अप्रकाशित ।
मा० लो० सा० प० पंचवर्षीय कार्य विवरण १९५०
मा० लो० सा० परिषद् उज्जैन ।

ब्रजकिशोर वर्मा — मैथिली लोक-गीतों का अध्ययन
लोरिक विजय
सल्होती राजा
हिमगिरि से ले गंगासागर
दयाल सिंह का रोमांस
मैथिली लोक-गीतों के हीरो
मैथिली लोक-गीतों की हीरोइन

बैजनाथ सिंह विनोद — लोक-साहित्य की समस्यायें १९५४, पटना, पट

मदनलाल वैश्य — मारवाड़ी गीतमाला ।

मन्मथराय — हमारे कुछ प्राचीन लोकोत्सव १९५६, इलाहा

मन्मथनाथ गुप्त — बंगाल की लोक-कथायें १९५८, आत्माराम
संस, दिल्ली ।

मन्मथनाथ गुप्त — फ्रांस की लोक-कथायें, १९५६, आत्माराम
संस दिल्ली ।

मायावती	स्वर्ग पर धावा १९५७ मैकमिलन पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
महेन्द्र मित्तल	ग्राम लोक-कथाएँ १९५४ आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
	पूर्वी भारत की लोक-कथायें १९५७ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
डॉ० माता प्रसाद	मुक्ता दाऊद की लोक-कथा, १९५७ आगरा वि० वि० मु० हि० विद्यापीठ, आगरा।
मार्कण्डेय	लोक-कला और लोक-साहित्य १९५४ विन्ध्यभूमि, नागपुर।
मूलचन्द्र पीर्य	बनजारों के लोकगीत १९६१ 'साधना' बम्बई।
मोहन प्रसाद सिंह	दक्षिण बिहार के लोक-गीत १९४७, विश्वमित्र कलकत्ता।
मोहनलाल मेवाड़िया	राजस्थानी भीलों की कहावतें।
रमेश मटियानी शैलेश	कुमाऊँ की लोक-कथायें १९५८, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
रतनलाल मेहता	मालवी कहावतें राजस्थान शोध संस्थान, उदयपुर।
रमेशचन्द्र प्रेम	बर्मा की लोक-कथायें, १९५० किताब महल इलाहाबाद।
रघुवर	जापान की लोक-कथायें १९५९ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
	चीन की लोक-कथायें १९५९ आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

रहबर	ब्रज की लोक-कथायें १९५७, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
रहबर और पंछी	हमारी लोक-कथायें, १ २, १९५५, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
राधाकृष्ण चौधरी	मैथिली के संस्कार गीत
	डोम और उनकी बातें उनके देवता एवम् पूजा।
राधावल्लभ शर्मा	कृषि कोष, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्।
	मगही संस्कार-गीत बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्।
राधा पुष्प	बोल बोल बाँसुरी त्रिलता तितली तथा मूँग और मोठ १९५९ नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
राम इकबाल सिंह राकेश	मैथिली लोकगीत, १९४८ हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
	लोक-नृत्य और गीत १९४९, 'समाज' दिल्ली।
राम किशोरी श्रीवास्तव	लोक-गीत एक अध्ययन १९४० 'हंस' बनारस।
	मैथिली लोक-गीत हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
	हिन्दी लोक-गीत १९४६, साहित्य भवन लि० प्रयाग।
रामनरेश त्रिपाठी	मारवाड़ के मनोहर गीत १३२, हिन्दी मन्दिर, प्रयाग।
	कविता कौमुदी भाग ५, ग्राम गीत १९११ हिन्दी मन्दिर प्रयाग।
	हमारा ग्राम साहित्य १९४०, हिन्दी मन्दिर प्रयाग।
	ग्राम साहित्य भाग १, १९५१, आत्मा राम एण्ड संस दिल्ली।

रामनरेश त्रिपाठी ग्राम साहित्य भाग २ १९५२, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली ।
ग्राम साहित्य, भाग ३, १९५२, आत्माराम एण्ड सं. दिल्ली ।
सोहर १९४०, हिन्दी मन्दिर प्रयाग ।
रामनाथ शास्त्री इक हा राजा, १९५६, डोगरी संस्था, जम्मू ।
रामबहादुर सिंह देवताओं की कहानियाँ सांस्कृतिक कहानियाँ भाग
ब्रज की कहानियाँ १९६० आत्माराम एण्ड संस ।
राजाराम शास्त्री हरियाणा की लोक-कथायें, १९५४, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली ।
रामशेषगिरि राव आंध्र की लोक-कथायें १९५५, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली ।
राजेन्द्र अवस्थी बिहार की लोककथायें १९६० आत्माराम एण्ड संस दिल्ली ।
रामचन्द्र प्रसाद मगही लोक-गीत १९५९, पटना ।
रामनारायण उपाध्याय निमाड़ी और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।
निमाड़ी लोक-गीत १९४६, हिन्दी साहित्य सम्मेलन
निमाड़ी लोक-कहावतें और उनका सौन्दर्य, १९५ सम्मेलन पत्रिका प्रयाग ।
नया मौरी सम्वाद सौन्दर्य १९५१, राष्ट्र भारती ।
राममूर्ति रेणु मेरठ के आसपास के क्षेत्र वाले मुहावरे, १९५५,
राजेन्द्र सिंह नागरी प्रचारिणी, सभा ।

राहुल सांकृत्यायन — आदि हिन्दी के गीत और कहानियाँ १९५२, पटना।
किन्नर देश में, किताब महल इलाहाबाद।
हिमालय परिचय गढ़वाल, किताब महल इलाहाबाद।
लोक-भाषा और साहित्य, १९५३ नवयुग लखनऊ।
मातृभाषाओं का प्रश्न १९५१, हंस बनारस।

लखन प्रसाद 'उरगेन्द्र' — बघेली लोक-गीत १९५४ सतना, वि० प्रदेश।

लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत — राजस्थान का हृदय।
मूमल रात।
मूमल।
हूँकारो दो सा।
राजस्थानी लोकगीत।
राजस्थानी प्रकार।
राजस्थानी हस्तक।
बारहठो चरित।

स० जोशी — मेवाड़ की कहावतें उदयपुर।

लक्ष्मीनारायण पचीसिया — दो मारवाड़ी गीत। १९२९, विशाल भारत कलकत्ता।
लोक भारती दो भाग, राष्ट्र भाषा भवन, पूना।

डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल — पृथ्वी पुत्र १९४९, दिल्ली।
जनपद त्रैमासिक, सम्पादित १९५२-५३ जनपद परिषद, काशी।

विद्यावती सिन्हा	सोहाग के गीत १९५१, प्रयाग।
वेंकटेश्वर शास्त्रालु	आन्ध्र प्रदेश की कविता और लोक-गीतों से उसका विकास १९५४ कल्पना हैदराबाद।
शालिग्राम वैष्णव	गढ़वाली भाषा के पाखाणा १९५१ नागरी प्रचारिणी पत्रिका।
शाकिर पुरुषार्थी	जागृति सप्तसिन्धु में छपित विभिन्न लेख जनपदीय।
शमशेर सिंह 'अशोक'	पेप्सू का प्राचीन हिन्दी साहित्य १९५६ पेप्सू में हिन्दी की प्रगति की भूमिका पेप्सू प्रा० हि० सा० स० द्वारा प्रकाशित।
शिवसहाय चतुर्वेदी	जैसी करनी वैसी भरनी, १९५७ सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
	बुन्देलखण्ड की ग्राम्य कहानियाँ।
	पाषाण नगरी १९५१ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
	मेंने की विदा १९५३ पटना।
	वर्षा और स्वास्थ्य विज्ञान १९५२ 'भूमिका' इलाहाबाद।
शिवनन्दन प्रसाद एम ए.	हिन्दी साहित्य के इतिहास में लोक-साहित्य १९५३ 'अवन्तिका' पटना।
शिवदान सिंह चौहान	जनपदीय भाषाओं का प्रश्न प्रगतिवाद।
शिवमूर्ति सिंह वत्स	मगध की लोक-कथायें १९५० आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।
	भोजपुर की लोक-कथायें १९५० आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

शिवदान सिंह चौहान — अवध की लोक-कथायें, १९५५, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।

डॉ० श्यामचरण दुबे — छत्तीसगढ़ी लोक-गीतों का परिचय १९४०।

छत्तीसगढ़ी और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

छत्तीसगढ़ी ग्राम्य कथायें १९४० 'हंस', बनारस।

डॉ० श्याम परमार — मालवी लोक-गीत, १९५१ म० भा० सा० समिति इन्दौर।

मालवी और उसका साहित्य १९५४ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

मालवा की लोक-कथायें १९५४ आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

भारतीय लोक-साहित्य १९५४ राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

लोक-धर्मी नाट्य-परम्परा १९५९, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय बनारस।

मालवी लोक-साहित्य थीसिस १९५८ अप्रकाशित

महाराष्ट्र के लोक-नाट्य १९५४ दक्षिण भारत

श्रीचन्द्र जैन — विन्ध्य प्रदेश के लोक-गीत १९५१ आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

विन्ध्य भूमि की लोक-कथायें १९५४, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

आदि वासियों की लोक-कथायें, १९५६ आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

श्री चन्द्र जैन

मोरी बरखी मैया १६५६, पथ प्रसार एण्ड सन्स आगरा।

बघेलखन्डी और बुन्देलखन्डी कहावतें १६५७ म प्र प्रकाशन समिति भुपाल।

श्री कान्त व्यास

महाराष्ट्र की लोक-कथायें १६५० आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

गुजरात की लोक-कथायें १६५० आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

आसाम की लोक-कथायें १६५२ आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

श्रीकृष्ण रमन कुमार महेश्वरी

त्रिपुरा की लोक-कथायें १६५४ आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

श्रीकृष्ण दास

लोक-गीतों की सामाजिक व्याख्या १६५५

हमारी नाट्य परम्परा १६५८ साहित्यकार संसद प्रयाग।

सतराम बी ए

पंजाबी गीत १६०५, आत्माराम लोक सदन लाहौर।

संतराम वत्स

हिमाचल की लोक-कथायें १६५५, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

बाहर वहाँ लोक बन्दे, १६५६, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।

सत्यवती देवी वर्मा

उत्तर भारत की लोक-कथायें १ १ १६४४ ४५, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

सत्यप्रिय घोष

गुजराती लोक कथायें १६५० आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली।

सत्यव्रत अवस्थी	बिहार रागिनी।
डॉ॰ सत्यव्रत सिन्हा	भोजपुरी लोक-गाथा, १९५८, हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद।
डॉ॰ सत्येन्द्र	ब्रज लोक-साहित्य का अध्ययन १९४९, साहित्य रत्न भंडार आगरा।
	ब्रज की लोक-कहानियाँ १९४७, ब्रज साहित्य मंडल मथुरा।
	जाहर वीर गुग्गा १९२७ आगरा विश्वविद्यालय कन्हैयालाल मुन्शी विद्यापीठ आगरा।
	ब्रज लोक-संस्कृति, ब्रज साहित्य मंडल मथुरा।
	ब्रज ग्राम-साहित्य का विवरण ब्रज साहित्य मंडल मथुरा।
	ब्रज भाषा एवम् उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
	ब्रज का लोक-साहित्य पोद्दार अभिनन्दन ग्रन्थ।
सत्यपाल गुप्त	पेप्सू में हिन्दी की प्रगति १९५६, पेप्सू प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
सुशीला सलाथिया	कारे मिट्ठे अम्बर १९५४ डोगरी संस्था जम्मू।
सुकुमार पगारे	सत सिंगा जी १९४१, लखनऊ
सुरेन्द्र म न्वी	रसिया और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
सूर्यकरण रामसिंह तथा नरोत्तम स्वामी	राजस्थान के लोक गीत प्रथम भाग, १९३८, राजस्थान रिसर्च सोसायटी कलकत्ता
सूर्यकरण पारीक नरोत्तम दास स्वामी तथा ठाकुर रामसिंह	ढोला मारूरा दोहा १९३४, नागरी प्रचारिणी सभा काशी

सूर्यकरण पारीक	राजस्थानी लोक-गीत १९४२ हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
सूर्यकरण पारीक एवं गणपति स्वामी	राजस्थानी बातां कलकत्ता।
सूर्यकरण पारीक ठाकुर रामसिंह तथा नरोत्तम दास स्वामी	राजस्थान के लोक-गीत भाग १, कलकत्ता।
सूर्यकरण पारीक एवं गणपति स्वामी	राजस्थान के ग्राम गीत १९४० दिल्ली।
पद्मभूषण सूर्यनारायण व्यास	मालव जनपद एवं उसका क्षेत्र-विस्तार १९५१ मालव लोक-साहित्य परिषद उज्जैन।
	मालवा की संगीत साधना, १९५५, मालवा दिल्ली।
	विक्रम के लगभग सभी अंक, १९४२-५४ भारती भवन उज्जैन।
	मालवी मेघदूत भारती भवन उज्जैन।
हर प्रसाद शर्मा	बुन्देलखण्डी लोक-गीत।
डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी	लोक भाषा में सम्प्रदाय के नैतिक उपदेश नाथ सम्प्रदाय १९५० हिन्दुस्तानी एकादमी प्रयाग।
हरिहर निवास द्विवेदी	मध्यदेशीय भाषा ग्वालियरी, १९५५, विद्यामंदिर प्रकाशन ग्वालियर।
हरिमोहन लाल	राजस्थानी लोक-कथायें १९५५, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली।
हनुमच्छास्त्री प्रयागित	तैमूर और उसका साहित्य १९५५, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

हंसकुमार तिवारी	बंगला और उसका साहित्य राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
त्रिवेणी प्रसाद सिंह	हिन्दू धार्मिक कथाओं के भौतिक अर्थ, १९५७, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना।
डॉ० त्रिलोकी नारायण दीक्षित	अवधी और उसका साहित्य, १९५६, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
	संतों के लोक-गीत संत दर्शन पुस्तक में पृष्ठ २२१-२४२।

हिन्दी की विविध पत्रिकायें जिनमें लोक-साहित्य सम्बन्धी सामग्री प्रकाशित है।

आजकल	आदिवासी अंक १९५१ प्र० वि० दिल्ली।
	लोक-कला अंक १९५४
कल्पना	फरवरी अंक सम्पादकीय १९५१ हैदराबाद।
जनपद	सम्पूर्ण अंक १९५२-५४ जनपद परिषद काशी।
आकृति	विभिन्न अंक १९४८-५१, अलीगढ़।
नई धारा	अंकस माला है पटना।
प्रदीप	विभिन्न अंक, १९४५-४८ शिमला।
ब्रज भारती	सभी अंक ब्रज साहित्य मंडल मथुरा।
भोजपुरी	लोक-साहित्य तथा अन्य अंक पटना।
मधुकर	सम्पूर्ण अंक १९४०-४५, वीरेन्द्र केशव सा० प० टीकमगढ़।
राजस्थान	सम्पूर्ण अंक १९३६ राजस्थान रि० सो०, कलकत्ता।
राजस्थान भारती	सम्पूर्ण अंक १९५१ से सादुल राजस्थानी रि० इं० बीकानेर।

लोकवार्ता — सम्पूर्ण अंक १९४२ ४६, लोकवार्ता परिषद टीकमगढ़।

विक्रम — सम्पूर्ण अंक १९४२ ५४ भारती भवन उज्जैन।

सम्मेलन पत्रिका — लोक-संस्कृति विशेषांक १९५४ हि० सा० स० प्रयाग।

साप्ताहिक हिन्दुस्तान — लोक-साहित्य विशेषांक १९५४ दिल्ली।

सप्तसिन्धु — विभिन्न अंक १९५२ ६१ हिन्दी विभाग पटियाला।

गुजराती में प्रकाशित लोक-साहित्य-सम्बन्धी पुस्तकें

भायाणी — चंदोपण ना गढा १९१८ सौराष्ट्र साहित्य स० राजकोट।

शान्तिलाल शाह — काश्मीर नी लोक कथाओ १९५०।

गुजराती विद्या सभा सम्पादित — रासमाला अहमदाबाद।

काठी मजागन — चेन्नु प्रयाण।

झवेरचन्द मेघाणी — लोक प्रन्थ ना गीतो।

रढियाली रात भाग १-४ गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

चूंदडी भाग १-२ गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

ऋतु गीतो गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

हालरडां गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

झवेरचन्द मेघाणी

सोरठ्द नी रसधार, भाग १ ५, गुर्जर ग्रन्थ-रत्न कार्यालय, अहमदाबाद।

सोरठी बहार बटिया भाग १ ३ गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

सोरठी गीत कथाओ गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय, अहमदाबाद।

दादाजू नी वातो गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

डोशी मा नी वातो, गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

सरठी गु भावन भाग १ २ गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

लोक-साहित्य पगदडी गु पंथ गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

चारणो अने चारणी साहित्य गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

वतन नी सार गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

लोक-साहित्य गु समालोचना बम्बई विद्यालय।

रंढियाळी भाग १ २ गु ग्र० रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

सोरठ, ता रा पाणी गु० ग्र० रत्न कार्यालय अहमदाबाद।

झवेरचन्द मेघाणी — सोरठ ना तीरे तीरे गु० प्र० रत्न कार्यालय अहम-
दाबाद।

दलाल — प्राचीन गुजर काव्य-संग्रह १९११।

नर्मदाशंकर लाल शंकर — नागर स्त्रियों मां गावता गीत १९१० गुजराती
प्रि० प्रस।

परकम्मा

परिभ्रमण

मिसा विजाप बड़ौदा — पाटीदार जाति ना सांसारिक रीति-रिवाज नो एकी
करण

पटेल मधुभाई

पंड्या पाल मद्र — गुजरात ना लोक-गीतो १९५४
ना नडियाद व दलगर नागर ब्राह्मण जाति ना
रीति रिवाज

बुच एम० ए०

मौन मंगल — उदासी पंथ ना गीति वचनो

मेहता आर० सी० — प्राचीन काव्य माला १८६

रणजीत राम मेहता — गुजराती प्रेम कविता

लोक-गीत

रणजीत राम बावाभाई — गुजरात ना लोक-गीतो

शाह एम० एम० — डाला माफ १९५४ बम्बई

बंगला लोक-साहित्य सम्बन्धी ग्रन्थ सूची

पास्यातुद्दीन

दशरथ — ममता मनमोहन

आशुतोष भट्टाचार्य — ग्रामेर पल्लावली

कर महेन्द्रनाथ — बांग्लार मपस काम्येर इतिहास

कलकत्ता विश्वविद्यालय सांचीतरी — गंगार बचन सहरीत १९५२

काव्यतीर्थ वीरेश्वर	व्रत माला विधान, १९२६
	कामकुल कालिमी
काशीनाथ तर्कवागीश	व्रत माला
घोषाल हरिनाथ	बाउल गान
	बारमासेर पुँथि
	हिन्दुस्थानी ग्राम गीत
	हिन्दुस्थानी लोक-गीत
	हासान उदास
कांतिलाल धनित	बांगलार प्राचीन काव्य १९५०
गुरुप्रसाद दत्त	पटुया संगीत
पुरुराम प्राण	व्रत माला १९५०
गिरीशचन्द्र सेन	तापसमाला
चक्रवर्ती कालीचरण	साधक राममोहन
चौधरी	लौकिक धर्म ओ देवा देवी
जसिमुद्दीन	नक्शी कांथार माठ
	रंगीला नायेर माझि
ठाकुर अवनीन्द्रनाथ	बांगलार व्रत
	मीन भवन बंगीय साहित्य परिषद
ठाकुर रवीन्द्रनाथ	लोक-साहित्य १९ ०
	छन्द
	शिक्षा
दत्त अक्षय कुमार	भारतीय साधक सम्प्रदाय भाग २
	महा निर्वाण तन्त्र बंगभाषी संस्करण ।

दत्त, मोमालाल	आकेर कथा १७ खण्ड, १९२०।
दे, सुशील कुमार	बांगला प्रवाद, १९५२।
नरेन्द्रनाथ मजुमदार	व्रत कथा।
पालित हरिदास	आद्येर गम्भीरा, १९१५।
बंगीय साहित्य परिषद	बंग भाषा ओ साहित्य षष्ठम संस्करण १९५०।
	गोरक्ष विजय
	प्राचीन पुथीर विवरण।
मोहितलाल मजुमदार	हेमन्त गोधूलि।
मनसुरउद्दीन	हारामणि खण्ड १ १९३०।
	हारामणि लोक-संगीत-संग्रह, १९४२।
मणीन्द्रनाथ बसु	*सहजिया साहित्य।*
	मारफती संगीत।
मित्र दक्षिणा रंजन	ठाकुर दादार झुलि।
	ठाकुर मार झुलि।
मुखोपाध्याय दुर्गापति	ढाक पुरुषेर कथा १९३०।
राधागोविन्द नाथ	चैतन्य चरितामृत।
	सारिन्द वयण।
बन्द्योपाध्याय, चारुचन्द्र	बंग वीणा।
बन्द्योपाध्याय राखाल दास	बांगलार इतिहास १२ भाग १९१७ ४०।
बन्द्योपाध्याय मणिलाल	व्रत उद्यापन, १९२८।
धाबगद्रनाथ	बाउल गान।
सरस्वती नीलकान्त	व्रत कथासार।
सरकार पवित्र	बाउल गान।

साहू लक्ष्मीनारायण — चन्द्रभाग ।
सेन, दिनेश चन्द्र — मयमनसिंह गीतिका पूर्व बंग गीतिका ।
गोपीचन्द्रेर गान ।
सेन सुकुमार — बंगला साहित्येर इतिहास, प्रथमखण्ड
सेन, क्षिति मोहन — मध्यम युगे भारतीय साधना-धारा ।
दादू
कबीर
हक, एनामुल — बंगे सूफी प्रभाव ।

मराठी में प्रकाशित लोक-साहित्य

अनुसूया भागवत — जानपद गीतें
कमलाबाई देशपांडे — अपौरुषेय वाङ्मय अर्थात् स्त्री गीतें १९४२
काका कालेलकर व गोरखले — साहित्याचें मूलधन ।
मोरे, पा म — वऱ्हाडी लोक-गीतें, प्रथमभाग ।
मालती दांडेकर — लोक साहित्याचें लेणें [illegible] १९५१
चि ना जोशी — लोक-कथा व लोक-गीतें ।
साने गुरु — स्त्री जीवन दो भाग ।
नारायण ईश्वर खरे — लोक-गीत ।

उर्दू में प्रकाशित लोक-साहित्य

संतराम बी ए — पंजाबी गीत ।
राम शरण दास एडवोकेट — पंजाब के गीत ।
होतू राम — बिलोच भाषा लाहौर १८८१

देवेन्द्र सत्यार्थी — मैं हूं खानाबदोश।
नये देवता
साथ था हिन्दुस्तान।
और बंसरी बजती रही।
रथ के पहिये।

मन्मथवीर — मैं भरता पसार की १६५६।

किशोरीलाल नाथ — 'ग्राम की' बन्दनाम।

शाकिर पुरवार्थी — विभिन्न पत्रों में प्रकाशित सम्वाद।

बंगला पत्रिकाओं में बिखरी सामग्री की सूची

१३०१

छेले भुलानो छड़ा — रवीन्द्रनाथ ठाकुर १०१-१६२।

कविताकार संगृहीत छड़ा — रवीन्द्रनाथ ठाकुर १६३-२०२।

१३०२

छेले भुलानो छड़ा — रमेन्द्र रतन राय १०-३७१।

सांथाल परगना छड़ा — वसन्तरंजन राय १७१-१७४।

मेयेलि छड़ा — रवीन्द्रनाथ ठाकुर १७४-१८१।

१३०३

छड़ा (वर्द्धमान) — कुंजलाल राय ५६-६१।

छड़ा (हुगली) — अम्बिकाचरण राय ६१-६४।

१३०६

गोविन्द चन्द्र र गीत — शिवचन्द्र शील २६७-२७१।

१३०८

दक्षिण पथे प्रचलित   दीनानाथ बन्द्योपाध्याय १५ २२
 पूजा पा ब्रत

१३०९

चट्टग्रामी छेले भुला नो   अब्दुल करीम ७५-८१।
छड़ा

मूल विवरण   राम प्राण गुप्त १०१ १२

१३१

चट्टग्रामी छेले भुला नो   अब्दुल करीम १११ ११६।
छड़ा

१३११

चट्टग्रामी छेले भुला नो   अब्दुल करीम १ ७-११४
छड़ा

१३१२

चट्टग्रामी छेले भुलानो छड़ा अब्दुल करीम १७७-१८८।
मिरजार कवियो ग्राम्य   मोक्षदाचरण भट्टाचार्य ४० ४७।
कविता

१३१३

ग्राम-गीति   दक्षिणारञ्जन मित्र मजुमदार १२६ १४५।
बंगाली मेयेर गुन कथा   प्रमथनाथ तरफदार २१ २४।

१३१४

ग्राम्यदेवता   रामेन्द्र सुन्दर त्रिवेदी ३१ ४४।
बरिशालेर ग्राम्यगीत   राजेन्द्र कुमार मजुमदार १ ४ १ ८।

माघर पम्मीरा   हरिदास पालित ४७६ ।

१३१६

मोमाछामी गान   सरसीलाल सरकार २४८ २५२ ।

बाघाइयेर बरात   योगेन्द्रचन्द्र भौमिक १६७-१७० ।

१३१८

मानभूम जैसार ग्राम्य गीत   हरिनाथ घोष २४०-२५४ ।

१३२२

निमाइ सन्यासेर पाला   यतीन्द्र नाथ मुखोपाध्याय, २४६ २६४ ।

प्रवासी

१३०७

मैथेली साहित्य ओ बारमन   ममोरनाथ चट्टोपाध्याय २२५ २२७ २९१ २९७ ।

भुमैर बान   गिरिजाकुमार घोष २३७-२४२ ।

बिहु   मन्मथ प्रसाद चट्टोपाध्याय २६१ ६० ।

चैत्र पूजा   रमिददन्द्र बसु ४२६ ४३१ ।

१३१०

होली गीत   मदन्द्र नाथ गुप्त ४७२ ४०४ ।

बाजली परव   कोई प्रवासिनी ३६० ३६२ ।

पूर्ब बंगेर मैयेलि गान   कोई प्रवासिनी ३१६ ३२० ।

१३१४

बंगे हिन्दू ओ मुसलमान एक बंगाली १९१ २०१ ।

১৩২৯

গোপী চান্দের মাতা — বিশ্বেশ্বর ভট্টাচার্য ৪১১ ৪১৫।

১৩৩৩

রূপকথা ও ইতিহাস — মণীন্দ্রলাল রায় ১২৮-১৩২।

'ঘুঘু' ছড়া — শিশির সেন ১৮৫ ১৮৭।

বঙ্গ ভাষায় বৌদ্ধ-স্মৃতি — রমেশচন্দ্র বসু ৪৯৮-৫০৫।

১৩৩৪

গ্রাম্য গীতি ও কবিতার ধারাপে — হিরণ্ময় মুন্সী ২০৪ ২০৫।

ধর্মেরদাস বসকামের — যোগেশচন্দ্র রায় ৬১৫ ৬৪২।

১৩৩৫

আলমশাহ — বসন্তকুমার দাস ৩০ ৪২।

বাউল গান — মহম্মদ মনসুরউদ্দীন, ১১৪।

মৈমনসিংহের পল্লী কবি কঙ্ক — চন্দ্রকুমার দে ২১১ ২১২।

হস্তালী ছড়া — রাজেন্দ্রকুমার শাস্ত্রী ৯০১ ৯০২।

১৩৩৬

যমপুকুর ব্রতের প্রাচীনত্ব — নলিনচন্দ্র গুপ্ত ২৬।

গুজরাটে গোপী চান্দের গান মণি গোপাল চৌধুরী ৬১৩-৬১৪ ।

১৩৩৭

গুজরাটী গরবা — পবিত্রকুমার গঙ্গোপাধ্যায় ৪০২ ৪০৭।

কবীর পন্থী কবি রসিকদাস রায় — মনমোহন নর কুমার ১১৮-১৪১।

সাবিত্রী ব্রত — অনুরূপা দেবী ৮০৬-৮১০।

১৩৩৮

পোতাশ্রয় প্রাঙ্গন — মহেশ্বর সিংহ ৩২২-৩৫২।

নৃত্য কলা

১৩৩৯

বাংলার রস কলা সম্পদ — গুরুসদয় দত্ত ১০১ ১০৫।

পল্লী শিল্প — জসীমুদ্দীন ৮০৬-৮১৩।

বাংলার লোক-নৃত্য ও — গুরুসদয় দত্ত ৮

লোক-শিল্প

১৩৪০

শিল্পোপাসনা — বিধুশেখর ভট্টাচার্য ৩৪১ ৫২

রায়বেঁশের বন নৃত্য — গুরুসদয় দত্ত ১০৭ ১১৮।

শিল্পাচার্য উপাধ্যায়ের — বিশ্বেশ্বর চক্রবর্তী ৫ ০ ২০১

অমরাবতী স্তূপ

১৩৪১

নৃত্যরতা ভারতী — অমিয়কুমার মুখোপাধ্যায়

পুরী মন্দির দাস — প্রমোদ কুমার গোস্বামী আনন্দ বাজার পত্রিকা ৫।১১।৪১

হারামণি — মনসুরউদ্দীন মোহাম্মদী ঈদ সংখ্যা ১৩৪০

বাংলার লোক-সঙ্গীত — জসীমউদ্দীন বিচিত্রা মাসিক

গম্ভীরা পল্লী গীতি — ধীরেন্দ্রনাথ মুখোপাধ্যায় দেশ সাপ্তাহিক ১৩৪১

শ্রী হট্টের পল্লী গীতি — মাস্টার রাজাব আ০ বা০ প০ ২১।৫।৪১

লালন ফকীর — বিশ্বনাথ মজুমদার, আ০ বা০ প০, ২৮।৫।৪১

कलिकाता विश्वविद्यालये म वि० कलकत्ता भा० बा० प० १९ ३ ४१

प्रवेशिका परीक्षार संगीत

प्रथम पत्र

क्षेपे मुला म दशा तारकनाथ बन्द्योपाध्याय भा० बा० प १९ ३ ४१

बद्धमान जेलापल्ली साहित्य सम्मेलन भा० बा० प १८ ४ ६?

लोक-साहित्य-संग्रह सुरेन्द्रनाथ दास युगान्तर दैनिक १४ १० ४१

निखिल वमपल्ली साहित्य सम्मेलन, भा० बा० प ११ १ ४१

बाजनाथ पापति भा बा प २७ ४ ४०

छिलवरे गोचनीय हत्या-मम। देम पाप भा बा प १२ १ १७

काव्य

बांगलार पल्ली गान विचित्रा मासिक

धम्मान्वे आलोचना परिकल्पित

कविगान पूर्णचन्द्र भट्टाचार्य भा बा प १८ श्रावण १३४६

कवियान पूर्णचन्द्र भट्टाचार्य भा बा प ११ श्रावण १३४६

उत्तर,बंगे भोरेर गान ताराप्रसन्न मुखोपाध्याय भा बा प १५ ९ ३९

बाउल ओ मुर्शिदी गान यतीन्द्रसेन भा बा प १९४०

रंगपुरेर भावैया गान यतीन्द्रसेन भा बा प ७-१ १९४०

सारी गान ओ पालगान माधव भट्टाचार्य भा बा प ११ १२

कानाई

पश्चिम बंगेर भादो फाल्गुनी मुखोपाध्याय भा बा प ९ बलाग १ ४९

भादरणु गान

धिरी गीति मनीन्द्र सेन भा बा प १ १ ३९

चप्पुत विज्ञानी भव गति साहित्य २९ १ ४२

गसार बाल्मी मन्दर मुद मरयदत्त बंगमर्दी फाल्गुन १९१७

प्राचीन बंगला साहित्य मडीग्रडीन मा बा. प ६-७-११

बाउमेर धर्म वनवाणी, ७ मार्च १९१८

मराठी पत्रिकाओं में स्त्रियों सामग्री

अनुसूया लिमये महा महा रा बन मायक्या दीवाली अंक नवम्बर ५२

ज मा कोठारी स्त्री हृदय अहमदनगर कॉलेज त्रैमासिक अगस्त ५१
पंढरीचा विठ्ठल, अहमदनगर कॉलेज त्रैमासिक फरवरी ५२

कमलाबाई देशपांडे महाराष्ट्रातील कौटुंबिक जीवन, प्रसाद अप्रैल ५१
महाराष्ट्रातील स्त्रीजन वाङ्मय वाङ्मय शोभा जुलाई ४९

कर्वे चि य मुम्बई या लोकगीतें प्रसाद अप्रैल ५२
महाराष्ट्रा च्या मानवीय अभ्यास की दिशा प्रसाद जनवरी ५२
मासा अर्थात् ग्रामदेवता सम्प्रदाय प्रसाद जून ५२
कोकणातील दुर्गे प्रसाद जुलाई ५२

कार्य हो रन मावरी लोकांची गीतें (Agrar A Socio—Economic Survey निबन्ध का परिशिष्ट) १९५२

दुर्गा भागवत हुरसाची व मोरयाची गाणी सत्यकथा फरवरी १९५२
बन्जारी भाषा व गीतें साहित्य सहकार सित-म्बर १९५२
कृष्ण देवता सीता, सत्य कथा सितम्बर १९५२
मुसलमानांच्या कथा स त्य कथा अप्रैल १९५१

दुर्गा भागवत	लोक-गीतों का प्राचीन प्रचारक मराठी सह्याद्री जानेवारी १९५१
	ब्यूटॉनिक लोक-साहित्य, केसरी ४ जानेवारी १९५
गौरा कवडी	लोक-विद्या आणि लोक-वाङ्मय साम कथा ऑक्टोबर, १९५२
चिपळूणकर, मो. वा	हनुमान सम्बन्धी पेशवे कालीन प्रकार विचक्षण जुलै १९५२
मालती दांडेकर	ग्रामीण महिला वाङ्मय, वसन्त जून १९५२
वा कृ चोरघडे	लोक-गीतें, साहित्य ऑक्टोबर, १९४८
सरोजिनी बाबर	जुनी ठेव मंदिर १९५०
	जानपद पोथी जनपागी दीवाळी अंक १९५०
	जानपद उखाणा जनपाणी दीवाळी अंक १९५१
	विरंगुळ्या की माळी लोक-वाङ्मय दीवाळी अंक १९५८
	लोक-वाङ्मय वैभवानंद सरस्वती सरकार पत्र १९५१
	आरशावरील मोठ माळी समाज शिक्षण मासा जून ६
	घराण्यातील स्त्रिया की कविता साहित्य पत्रिका
	धर्मेन मई जून ५०
गुणोत्तमा सम्पत्ति	प्रभाषा प्रयोग मागर सगम ऑक्टोबर १९५२

अंग्रेजी में लोकयानी साहित्य

Abbot J The Keys of Power—A study of Indian Ritual and Beliefs 1932

Afanasei Nikikin A Pilgrimage Beyond Three Seas 1469—1472.

Agarkar A. J Folk—Dance of Maharashtra Bombay

Agarkar A. J A Glossary of Castes Tribes and Races in Baroda State, Bombay 1912.

Aiyappan, A. Anthropology of the Nayadis, Madras Govt. Museum Bulletins N. S Vol. II No. 4 1914.

Aiyanger M.S Tamil Studies, Madras 1914

Aiyanger M.S Allahabad University Studies, Vol XI, 1935 The original inhabitants of U P

Anand Coomarswami Arts and Crafts of India.

Archer W G The Blue Groves (George Allen and Unwin)

Archer, W G Asiatic Society Monographs (Vol. IV 1901)

Archar W G The Baloch Race.

Archer W G Indian Primitive Architecture.

Armfield G N General Phonetics.

Avalon, A, Serpent Power 1919

Bake, A. Indian Music, Baroda State Press

Balmoonts K. Collection of Budhist Legends, 1916

Banerjee B. Ethnologic du Bengal.

Banerjee U K. Hand book of Proverbs—English & Bengali Calcutta 1891

Baring Gould Strange Survivals, 1892.

Barlett, F C, Psychology of Primitive Culture., Cambridge, 1923

Basu, M.M. Post Chaitanya Sahajiya Cult.

Beame J A Comp. Grammar of Modern Aryan Languages, 1872.

Benoy Kumar Sarkar Folk—Elements in Hindu Culture.

Benoytosh Bhattacharya Sadan Mata, Buddhist Gods, Iconography of Budha Gods.

Behel P Ejective of Moltani, 1924

Benfey J Panchtantra 1859

Belley G Pb. Grammar 1904, Pb. Phonetic Reader 1914

Banerjee Shastri Ethonography Castes & Tribes With a list of the more important Works on Indian Ethonography by W Seigling in Gundrasder Indo-Arischen Philologie and Altertumskunde II Band Strassburg 1912.

Bengal Districts Gazeteers

Bidpai Fables of the Indian Philosopher St. Petersberg, 1 (

Bhandri ,N.S Snow balls of Garhwal (Lucknow).

Bhargava, B.S Criminal Tribes.

Bhandarkar K.G Wilson Philological Lectures 1877-1914

Block, J Indo Aryan 1934 Bombay Presidency Gazeteer (Vol IX) 1901 Guzerat population, Hindus.

Boyd Village Folk of India 1924,

Briffault, R. The Mothers A study of the Origins of Sentiments and Institutions, 3 Vols., London, 1927

Briggs G W The Chamars R.L.I Series.

Briggs, G W Gorakh Nath & Kanphata Yogis Cal., 1938.

Burton, R.F *Sindh and the Races that inhabit the valley of Indus*, 1851

Burton R F Sindh Revisited, 1877

Buck, C.H. Faiths, Fairs and Fꞏ stivals of India 1917

Burne C.S. The Hand book of Folk lore, 1914 Bulletin of the Dec. College Research Institute Vol. I No 1, Dec. 1939 Some Folk Songs of Maharashtra

Boys F Primitive Art.

Capt. Starckey Dict of Eng & Pbi., 1849

Carrey A Grammer of Pbi. Language 1812.

Chanda, R.P Non Vedic Eliments in Brahmanism, Varendra Research Society Rajshahi, Bengal East Pakistan.

Chatterji N Yatra

Chatterji S.K. Origin and Development of Bengali Language 2 Vol., 1927

Chatterjee, S.K Indo-Aryan & Hindi 1942.

Chelkesa, T Parallel Proverbs Tamil & English Madras, 1869

Christian J Bihar Proverbs, London, 1891

Coming T.F & Bailey G Pbi Manual Grammer 1912.

Clodd Myths & Dreams 1885

Cox, M.R. Introduction to Folk-lore.

Crooke W An Introduction to Popular Religion and Folk lore of N India.

Crooke W Tribes and Castes of N W F.P of India.

Dalton Descriptive Ethnology of Bengal.

Das Gupta, S.B. Obscure Religious Cults of Bengali Literature, Calcutta University 1940

Das S History of Sakto

Devendra Satyarthi Meet my People 1952.

Dey L.B Bengal Peasant Life London 1878

Dey Music of Southern India.

Dhar Som Nath Folk Tales of Kashmere, Tales from Kashmere, Kashmere Eden & East, Hindkitabs 1949

Dinesh Chandra Sen History of Bengali Language and Literature 1911

Divetia, N B Gujrati Language & Literature, Vol I II 1929

Divetia, N.B Milestones in Gujerati Literature

Donald A. Mackenzie Indian Myth & Legend

Dowson J A classical Dictionary of Hindu Mythology and Religion Geog Hist and Literature 4th Edition, 1903

Dubois L. Hindu Manners, Customs & Ceremonies, 1906.

Dube S C The Kamars Lucknow 1912.

Dube S. C Field songs of Chhatisgarh, Lucknow

Dubash, Miss P N Hindu Art in its social settings 1936

Ehrenfels O R. Mother Right in India, Hyderabad (Dn), 1941

Elliot H.M. Memoirs on the History Folk-lore and Distribution of the Races of the N W.F.P of India 1869

Elwin V & Hivale Songs of the Forest Allen & Unwin.

Elwin, V & Hivale Folk-Songs of Maikal Hills O U P Bombay 1944

Elwin, V The Baiga Murray London, 1939

Elwin, V The Agaria, O U.P., Bombay 1942.

Elwin, V Maria Murder & Sucide O.U.P, Bombay 1941.

Elwin V The Maria and their Ghotul Bombay 1947

Elwin V Folk Tales of Mahakaushal, Bombay 1944

Elwin, V Folk Tales of Chhatisgarh Bombay 1946

Elwin, V The Tribal Art of Middle India O U.P., 1951

Elwin, V Bondo High leader O U.P

Elwin, V Myths of Middle India O U P

Elwin, V The Religion of the Hill Saora O U.P

Elwin, V Tribal Myths of Orissa O U P

Elwin, V The Aboriginals O U P

Elwin, V The Leaves from the Jungle, Murray London.

Emeneau M.B Kota Texts, California 1944 46

Enthoven R.E. : Folk lore of Bombay Oxford 1924

Enthoven, R.E Folk lòre Notes Tribes and Castes of Bombay

Eunice Tieljens The Poetry of the orient

Encyclopaedia Britanica.

Faggon Hissar Gazetteers

Fallan S W A Dictionery of Hindustani Proverbs

Featherman, A Social History of the Races of Mankind Vols., 1881 19

Fergussen, F History of Indian and Eastern Architecture, 1876 London.

Fiske Myths & Myth Makers 1873

Fox Strangeway Music of Hindustan

Fitz Patrick, W Folk-lore of Birds & Beasts of India. J Bom. Nat., Hist. Society Vol. XXVIII 1921 1922. P.P 562-65

Forsyth, J The High lands of Central India, London, 1871

Furer-Haimendorf, C. Von The Chenchus, Hyderabad 1943

Ganesh Narain Deshpande Dictionery of Marathi Proverbs Poona, 1900

Ganga Dutta Upretti Proverbs & folk lore of Kumayun and Garhwal, 1892.

Gangouley N : Folk Tales of India Hind Kitabs Ltd., 1953

Gairola T.D Psalms of Dadu.

Gairola T.D Folklore of Garhwal Vishwa Bharti, Quar rly Vol IV 1926.

Gerassim Lebedev Europe's First Grammers of Colloqui Hindi, 1801
Ghure G S Race & Caste in India Bombay 1951
Gover C. E. Folk Songs of Southern India 1872.
Gover G Himalayan Village, London, 1938
Gomme, G.L. The Village Community 1890
Gomme, G.L. Folk-lore Relics of Early Village life 1885
Gomme G.L. Ethonology in Folk lore, 1892.
Gomme G.L. Folk lore as an Historical Science, 1908
Goswami, P.D The Bihu Songs of Assam
Griffiths W G Folk lore of the Kols, Man in India, Vol. XXIV 1944
Grierson, G.A. Linguistic Survey of India, Vol 11
Grierson, G.A Bihar Peasant Life, Patna, 1918.
Grierson G.A. Some Bihari Folk Songs, J.R.A.S., Vol XV 1884 P.P 1076.
Grierson, G A. Some Bhojpuri Folk Songs J R.A.S., VoL, XVIII, 1886 P.P 207
Grierson, G A Folk lore from Eastern Gorakhpur J.A.S.B. Vol LII, 1813 P.P 1
Grierson, G.A. Two Versions of the Song of Gopichand, J.A.S.B., Vol Liv 1885 Part 1 P.P 35
Grierson, G A The Song of Bijai Mal J.A.S.B Vol. LIII, 1884 Part III, P P 94
Grierson, G.A. The Song of Alhas marriage, Indian Antiquary Vol. XIV 1885, P.P 209
Grierson, G.A. A Summary of the Alha Khand, I.A. Vol XIV P.P 255
Grierson G.A. Selected Specimens of The Behari Language The Bhojpuri Dialect The Git Naka Banjarwa, Z.D M G Vol XLiii 1889 PP 468

Grierson, G.A. The Popular Literature of Northern India, Bulletin of the School of Oriental Studies London Vol I Part III 1922, P.P 87

Grierson G.A. The Lay of of Alha O U.P., 1923

Grierson, G.A. The Song of Manik Chandra, J A. S. B Vol. XIII Part I, No 3 1818

G ierson, G V The Maria Gonds of Bastar Oxford, 1938

Grouse A District Memoire of Mathura, 1800

Gumer The begining of Poetry

Gurdon, P.R.T The Khasis 1914 London

Gurdon, P.R.T Some Assamese Proverbs, 1896

Gune, P.D Introduction to Comparative Philology 1918

Haldar S Ho Folk-lore J B. O R. S Vol. VIII, 1922.

Halliwell, J O. Popular Rhymes & Nursery Tales, 1849

Har Prasad Shastri. Living Buddhism in Bengal

Henpal, R.C. The Legends of Punjab, 1845

Hislop S Papers Relating to the Aboriginal Tribes of Central Provinces, Nagpur 1866

Hivale, Shamrao The Pardhans of Upper Narbada Valley Bombay, 1946.

Hodson, T C The Meitheis, 1908.

Hoffman J & Van Emelen, A. Encyclopaedia Munderica Patna, 1930-31

Houdonzestvena Samadeinaat Artistic Amateur Activities.

Hutton, J H. A primitive Philosophy of Life, Oxford, 1938.

Hutton, J.H. A Angami Nagas 1921

Hutton, J.H. The Soma Nagas 1921

Hunter W W Annals of Rural Bengal, 1868

Hutchinson, H.N. Marriage Customs in Many Lands

Ibbetson D Punjab castes, Lahore, 1916.

Indian Antiquary

Iyer L.A.K. The Travancore Tribes and Castes Trivandrum 1937-41.

Iyer L.A.K. The Cochin Tribes and Castes Madras, 1909-12.

Iyer and Nanjundayya, H. V The Mysore Tribes and Castes, Banglore, 1928.

Iyenger, M. V Popular Culture in Karnatak.

Jain, Banarsi Dass Phonology of Punjabi, 1934

Jain, Banarsi Dass Ludhiana Phonetic Reader 1934

Jasimuddin The Field of Embroidered Quilt.

Jamsetjee Petit Collection of Gujrathi Proverbs, Bombay

James Long Eastern Proverbs and Emblems, London 1881

Jawahar Singh Munshi A vocabulary of two thousand words from English in to Punjabi, 1895.

Jhaveri, Krishanlal Mohanlal Mile Stones in Gujerathi Literature.

Jogendra Bhattacharya Hindu Castes and Sects, Thacker & Sons, 1896.

Kabir Humayun (ed) Green and Gold Stories and Poems, from Bengal, Chapmen & Hall.

Kalipada Mitra Deities of Jalkar B & O Research Journal, 1925.

Kunjbehari Das A study of Orissan Folk-lore, Vishwa-Bharti, 1953

Koppers, W Bhagwan the Supreme Deity of the Bhils, Enthropes, 1940-41

Leech Sketch of the Biluchi Language, J A S. B., 1840.

Leitner Dardistan in 1866, 1886 & 1893 1595

Leitner History of Indegenous Education in the Punjab 1852.

and Customs of the Dards.

[Assamese J.A.S.B Vol. V

Lewie R.H. Culture and Ethonology 1917

Lewis, R.H. Primitive Religion, London 1925

Logan, W Malabar Madras, 1887

Longworth, D.M. Popular Poetry of the Bilochas. The Folk lore Society London 1925

Luard, C.E. Ethonological Survey of Central India Agency Lucknow 1909

Mackenazie Donald A. Indian Myth and Legend, The Gresham, Publishing Co., London

Maconochie Selected Agricultural Proverbs of the Punjab 1890.

Majumdar, D.N A Tribe in Transition Calcutta, 1937

Majumdar D.N Some Aspects of the Cultural life of Khasas of the Cis Himalayan Region in J.R.A.S.B Calcutta, 1940.

Majumdar D.N The Fortunes of Primitive Tribes.

Majumdar D.N. Folk Songs of Mirzapur

Majumdar D N The Matrix of Indian Culture

Majumdar D.N The Affairs of a Tribe.

Mahiya Singh The Punjabi Dictionary 1895

Martirengo Essays in the Study of Folk Songs, 1886.

Maulana Abdulgafur A Complete Dictionary of the terms by The Criminal Tribes of the Punjab

Mc Theal, G Kafir Folk-lore, 1886

Mills J.P The Lhota Nagas, 1923

Mills I.P The Ao Nagas, 1926

Minayev J P Essays on Ceylon and India.

Minayev J.P Contemporary Indian Folk-lore, 1880

Mohan Singh Gorakh Nath & Midieaval Hindu Mysticism 1938.

Mohan Singh A Short History of Punjabi Literature 1938

Mouakalna Somedelmost Music Amateur Activities
Mukherjee, A. : Folk Art of Bengal.
Mukherjee C. The Santals, Calcutta 1943
Narendra Dhir Evolution of Punjabi Language, 1953.
Narendra Dhir Punjab Janpada, its Area and Culture, 1953
Narendra Dhir : Punjabi Dialects and its Growth, 1954
Narendra Dhir Classifications of Punjabi Folk lore, 1954
Narendra Dhir A New Path to Linguistic Survey of India, 1957
Narendra Dhir Several Bulletins of Folk lore Akadem 1957-61
Natesha Shastri Folk-lore in Southern India 3 Parts.
Natesha Shastri Familiar Tamil Proverbs, Omens and Superstitions of Southern India, 1912.
Nanjendayya, H. V & Anant Krishna Aiyer L.K. The Mysore Tribes and Castes, Mysore, 1928-35
Newton, E. P A guide to Punjabi, 1896
Neton, E.P Punjabi Grammar 1898.
Newton J A gramer of the Punjabi Language 1951
Newald Hachamsutt, R. Linguistic and Oriental essays, 1846.
Oubharain Multani Glossary 1921
Pairry N.E. An Article on Indian Languages, 1853.
Pairry N E. The Lakhers, 1932, London.
Pangtey K.S. Lonely Lurrows of the Borderland, Lucknow
Penzer N M The Ocean of Story London, 1924-28
Percival, P Tamil Proverbs with English Translations, Madras 1874
Petrov P I. The Song of Nala, 1835, Belinsky
Playfair A The Garos, London 1909

pPoley Music of India

Patel M. B Some Aspects of Gujrati Folk-Songs, 1958

Powell Vigfusson Corpus Poeticum Boreal, 1883

Projesh Banerjee The Folk Dance of India Allahabad 1944

Projesh Banerjee Dance of India, Allahabad

Rafy Mrs .Folk Tales of Khasis London, 1920

Ralyers, M. English Punjabi Dictionary 1829

Randhawa, M. S Kangra Folk Songs, 1952

Randhawa, M. S. Hariana Folk Songs, 1952

Randhawa, M.S Kangra Valley Paintings 1954

Randhawa, M.S. Kulu Valley Folk Songs, 1956

Ram Krishna L. Punjabi Sufi Poets.

Ravipati Guruvaya Guru A Collection of Telgu Proverbs Madras, 1868

Rev Herman Tensen A Collection of Tamil Proverbs, 1891
Report On The Census of Bengal, Bihar & Orrisa & Sikkim, Vol. VI, Census of India, 1901 Report on The Census of India Vol. I of Census of India, 1931 Delhi 1933

Rice, S Hindu Customs and their Origins, 1937

Risley, H.H The Tribes and Castes of Bengal Calcutta, 1891

Rivers G H R. The Todas London, 1906

Robert, M A Grammar of Punjabi Language, 1838

Roberston, G.S : The Kafirs of Hindukush, 1896

Rochiram, G Hand book of Sindhi Proverbs, Karachi 1845

Rodriguez E.A. The Hindoo Castes 1846

Rose, H. A A Glossary of The Tribes and Castes of the Punjab and N W F P Of India, 1919

Roy S C. The Mundas and their Country Calcutta 1912

Roy, S C, The Oraons of Chota Nagpur Ranchi 1915

Roy, S C. The Hill Bhuiyas of Orissa Ranchi, 1935
Roy S C. The Kharias, Ranchi 1937
Roy S.C. The Birhors Ranchi, 1925
Roy, S.C. Oraon Religion and Customs 1928
Roy S C. The Divine Myths of Mindas J B O R. S, Vol II 1916
Russel, R V and Hiralal The Tribes and Castes of Central Provinces of India 1916, London
Russetti, D G Ballads of Fall Ladies
Ruth Sawyer The Way of Story Teller
Sarat Chandra Mitra. A Note on the Nepalese Belief Journal of B & O R S, Vol, XVII
Sarat Chandra Mitra. Styapira Legends in Santhali
Sapeker G G. Marathi Proverbs, Poona 1872
Sarkar B,K. Folk Element in Hindu Culture
Save, K.G The Warlies, Bombay 1945
Saligram, C. G The Veddas Cambridge, 1911
Sen Gupta P.P Dictionary of Proverbs, Calcutta 1899
Sen, D C. Folk literature of Bengal 1920
Sen, D C, Glimpses of Bengal Life, 1925
Sen, D C. History of Bengali Language and Literature, Calcutta University 1911
Sen, D C. Eastern Bengal Ballads My Men Sing, Vol 1-6
Seth, Pran Nath, Several Articles in Kurukshetra
Shahidullah Les Chentes Mysteques
Shakesphere J Lushei Kuki Clan 1912
Shaligram Anglo Gurumukhi Dictionary 1897
Sharma Dunichand Dewar Bhabi in Kangra Folk Songs Delhi 1954.
Shaiv W Notes of the Thandon Kukis Journal of A.S B. Vol. XXIV 1928, No. 1 Calcutta 1929

Sherreff A.G Hindi Folk Songs, Hindi Mandir, Allahabad

Siddheshwer Varma Lahndi Prononciations.

Slater G Dravadian Elements in Indian Culture 1924

Smith, L.F Manners, Customs and Ideas of the Natives of India, Lucknow 1870

Stack, E. The Mikirs 1908

Steel, F.A. Tales of the Punjab London 1894

Stein, A. Hatim s Tales London, 1923

Stocks C. Folk Lore & Customs of Lepchas of Sikkim J.A.S.B., Vol. XXI 1925.

Struve V V (ed) Early Indus Civilizations U S S R. Academy of Sciences

Swynnerton C Romantic Tales from the Punjab West Minister 1903.

Tantsova Samodeinost Dance Amateur Activities.

Teatralna Somodeinost Dramatic Amateur Activities

Temple R.C. The Legends of Punjab 1885

Tinlayev S.A. The Eastern Theatre & Indian Architecture Leningrad, 1929 and Mascow 1939

Thoothi, N.A. The Veshnavas of Guzerat, 1935

Thomas, P The Story of the Cultural Empire of India Joseph Thomson & Co Ernaculam, Kerala.

Thorenton, T.S A Hand book of Lahore, 1827

Thiselton Dyer The Folk Lore of Plants 1889

Thurston, E. and Rangachari K. Castes & Tribes of Southern India Madras 1909

Thurston, E. Omens & Superstitions of Southern India in 7 Vols. Madras 1909

Thurston E. Ethnographical Notes on Southern India Madras, 1906

Tisdall M. A Simplified Grammar and Reading book of the Punjabi Language

Tod Annals and Antiquities of Rajasthan, Oxfrod, 1920.

Toru Dutta : Ancient Balladds& Legends of Hindusthan,1882.

Triele, C.P Origin of Religion

Tylor E.B Primitive Culture, 1903

Tylor E.B. Early History of Mankind, 1865.

Vasu, N.N Modern Buddhism in Orissa, Calcutta, 1911

Venkataswami, M.N. The Folk Tales of C.P in Indian Antiquarry Nos 24 25 26, 28 30 31 and 32.

Vuy Pomosht na Naroduite Horove i Anasambli In Aid of Folk Choirs & Ensembles.

Waddel, Lamanism.

Wilson, H.H. Religious Seats of the Hindus, Trobner 1862.

Yusuf Hussain Mystic India in Middle Ages.

Zhukovsky V.A. Nala Damayanti 1844

विदेशी लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

Aarne Stith Thomson The Types of the Folk-tale.

Adelaide Witham English & Scottish Ballads River side literature Series Houghton Muffin Co

Afanassy Nikitin A Pilgrimage Beyond 3 Seas, 1460 and 1472.

A.H. Upham Typical Forms of English Literature, Article of Ballads, Oxford University Press, London, 1927

A.K. Davis Traditional Ballads of Virginia Cambridge Mass. 1929

Allan, Francis D Allans Lone Star Ballads Galveston, Texas J D Sawyer 1874

Allan Lomax & R.U Seeger Folk Songs U.S.A. New York, 1949

Allen, De Witt Clinton Old Ballad Days in Western Missouri, Glimpses of the past (Missouri Historical Society St. Louis) Vol 2, No. 12 (Nov 1935) P.P 133-150

Allen William F., Charles P Ware and Lucy Mc Kim Garrison Slave Songs of United States A. Simpson & Co New York, 1867

Ames L.D "The Missouri Play Party" Journal of American Folk Lore, Vol. 24 No 93 (July-Sept. 1911) P.P 295-318

Tod Annals and Antiquities of Rajasthan, Oxfrod, 1920.

Toru Dutta Ancient Balladds& Legends of Hindusthan,188?

Triele, C.P Origin of Religion

Tylor E.B. Primitive Culture 1903.

Tylor E.B. Early History of Mankind, 1865.

Vasu, N.N Modern Buddhism in Orissa, Calcutta, 1911

Venkataswami, M.N The Folk Tales of C.P in Indian Anti quarry *Nos 24, 25, 26, 28, 30 3* and 32.

Vny Pomosht na Narodnite Horove I Anasambli *In Ak of Folk Choirs & Ensembles*

Waddel Lamanism.

Wilson, H.H. Religious Seats of the Hindus, Trubner 1862.

Yusuf Hussain Mystic India in Middle Ages.

Zhukovsky V.A. Nala Damayanti, 1844

विदेशी लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

Aarne Stith Thomson The Types of the Folktale.

Adelaide Witham English & Scottish Ballads, Riverside Literature Series Houghton Mifflin Co

Afanasy Nikitin A Pilgrimage Beyond 3 Seas, 1466 and 1472.

A.H. Upham Typical Forms of English Literature, Article of Ballads, Oxford University Press, London, 1927

A.K. Davis Traditional Ballads of Virginia, Cambridge Mass., 1929

Allan, Francis D Allan's Lone Star Ballads, Galveston, Texas J.D. Sawyer 1874.

Allan Lomax & P.D. Seeger Folk Songs U.S.A. New York, 1947

Allen, De Witt Clinton Old Ballad Days in Western Missouri, Glimpses of the past (Missouri Historical Society St. Louis) Vol. 2, No. 12 (Nov 1939) P.P. 133-150.

Allen William, F., Charles P Ware and Lucy McKim Garrison Slave Songs of United States A. Simpson & Co New York, 1867

Ames L.D "The Missouri Play Party" Journal of American Folk Lore, Vol. 24 No. 93 (July-Sept. 1911) P.P. 295-318.

Anatoly Yar Kravchenko Art By The People, Vokes Bulletn, No 6(89) 1954 U S.S.R. Society for Cultural Relations with foreign Countries Masoow

Anderson, Geneva *Additional English* and *Scottish Ballads* Found in East Tennessee Tennessee Folk Lore Society Bulletin Vol 8 No. 3 (Sept 1942) P P 59-78.

Andrew Lang A oollection of Ballads, Chapman & Hall.

Article of Ballad Encyolopaedla Britanica, 1910.

" Sir Walter Scott & Border Minotrelsy Longmans Green & Co. 1910.

" Chambers Cyclopaedia of English Literature 1902 P P 520.

Archer Taylor The Proverbs, Cambridge, Mass, 1951

Arthar Quiller Couch The Oxford Book of Ballads, Oxford University Press London.

Ashton John Modern Street Ballads, Chatto & Windus London 1888

Atkins Laura Some Play-party Games of South Texas, Texas Folk Lore. Society Publications, No 17, (1941) P P 98-107

Aubrey, J Remains of Gentilisme & Judaisme, Folk Loro Society 1880

Babcock, William Henry "Carols & Child-Lore at the Capital" Lippin-Cott's Magazine, Vol 38, Sept 1886 P.P 320 342.

Babcook William Henry "Games of Washington Children" American Anthropologist, Vol. 1 No 3 July 1888, P P 243-284

" "Song Games & Myth Dramas at Washington" Lippin Cott's Magazine Vol. 37 March 1886, P.P 239-257

B.A. Botkin A Handbook of American Folk Lore.

Backus Emma M "Early Songs from North Carolina", Journal of American Folk lore, Vol 14 No 52, Oct. Dec., 1901 P.P 286-294

" Song Games from Connecticut" Journal of American Folk lore Vol 14 No. 55, Oct. Dec 1901 P.P 295-299

Ball Leona Nessly "The Play Party in Idaho" Journal of American Folk lore Vol 44 No 171 Jan Mar 1931 P.P 1 28.

Bancroft, Jessie H. Games Macmillan Co New York, 1921

Barbour Frances M. 'Some Fusions in Missouri Ballads," Journal of American Folk-lore, Vol 49 No 193 July-Sept 1936 P.P 207 214

Baring Gould, S A Book of Nursery Songs & Rhymes, A. C. Mc Clurg & Co., Chicago 1907

Baring-Gould, S & Cecil, J Sharp English Folk Songs for Schools J Curwan & Sons, Landon 1906.

Baring Gould S. & H.F Sheppard A Garland of Country Songs, Methuen & Co., London, 1895.

Barnes Ruth A. I hear America Singing: An Anthology of Folk-Poetry The John C. Winston Co. Chicago Philadelphia 1937

Barret, William Alexander English Folk Songs Novello & Co London 1891.

Barrows Mary 'Som Half forgotten New England Songs" New England Magazine N.S. Vol.I 2, No.I March 1895 P.P 472-475.

Barry Phillips "The Ballad of Lord Randall in New England" Journal of American Folk lore, Vol. V No 13 Oct Dec 1903 P P 258-264

Barry Phillips "American Folk Music" Southern Folk Lore, Quarterly Vol 1 No 2, June, 1937 PP 29-47

arry Phillips 'The Ballad of the Cruel Brother" Journal of American Folk Lore Vol 28 No 109 July-Sept. 1915 PP 300-301

"The Collection of Folk Songs" Journal of American Folk Lore Vol. 27 No. 103 Jan-March 1914 PP 77 78.

"The Folk Music in America" Journal of American Folk Lore Vol. 22, No 83 Jan-March 1939 PP 72 81

'A Garland of Ballads Journal of American Folk Lore Vol. 23 No 90, Oct Dec. 1911 PP 44(-454

Irish Come-All Ye s" Journal of American Folk Lore Vol 22, No 86, Oct Dec. 1909 PP 374-388

"Native Balladry in America" Journal of American Folk Lore Vol. 22, No 86 Oct Dec 1909 PP 365-373

Irish Folk Songs Journal of American Folk Lore Vol 24 No 93 July Sept. 1911 PP 332 43

"The Origin of Folk Melodies" Journal of American Folk Lore Vol 23 No 90, Oct Dec 1910 PP 440-445

"Some Aspects of Folk Songs" Journal of American Folk Lore Vol 25 No 97 July-Sept 1912, PP 274-283

'Some [illegible] Journal of American Folk Lore Vol 18, No 68 Jan March 1905 PP 49-[illegible]

Traditional Ballads in New England Journal of American Folk Lore Vol 18 No 69 April June 1905 PP 1[illegible]-138

The Transmission of Folk Songs" Journal of American Folk Lore Vol 27 No 103 Jan March 1914 PP 1617 76

Barry Phillips Fannil Eckstrom & Mary W Smyth British Ballads fron Maine Yale University Press New Haven 1929

Barton, William Eleazar O d Plantatio i Hymns Wolffe & Co., Boston New York 1699

Bascom Louise Rand Ballads & Song of W stern North Carolina *Journal of Amer can Folk Lore* Vol 22 No 84 April June 1909 PP 238- 50.

Beatty Arthur Some Ball d Variants & Songs Journal of Ame ic n Folk L re Vol. 22 No 83 Jan-March 1909 PP 63-72

Beck E.C. 'The Farmer Curst W fe (Child 278) in Michigan Southern Folk L re Quarterly Vol 4 No. 3 Sept 1940 PP 157 1 8

Belden, H. M Ballad y in Mi s uri Journal of American Fo k Lore Vol 25 No 95 Jan March 1912, PP 1 23

(Ed) Ballads & Songs Collected by the Missouri F lk Lore Society University of Missouri Studies Columbia Mo Vol 15 No 1 Jan 1 1940

Folk Songs in America Some recent publications" Modern Language Notes Vol. 34 No 3 March 1919 PP 139-145

Old Country ballads in Missouri" Journal of American Folk Lore Vol 19, No 74 July Sept 1906 PP 231 240 Vol 19 No 75 Oct. Dec. 1906 PP 281 299

A partial list of Song Ballads and other popular poetry known in Missouri Missouri Folk Lore Society Columbia Mo., 1910

Popular S n in Missouri The returned lover" Archiv fur des S ad under neueren sprachen and Literatur n Vol 120 1903 PP 62—71

Belden H M. "The Study of Folk Song in America" Modern Philology Vol 2. No. 4 April 1905, PP 573-579

Bell Robert (ed) Early Ballads, John W Parker & Sons London, 1856.

Ben C Lumpkin Folk Songs on Records Boulder Colorado 1948.

Ben C. Clough The American Imagination at work, Alfred A. Knoff, New York, 1947

Bidpai In 1762 The Fables of The Indian Philosopher St. Petersburg, 1762.

Billups Edward W The Sweet Songster Catlettsburg, Ky., 1854

Bishop Tomas Percy (ed) Reliques of Ancient English Poetry 1765

Black, G B. Folk Medicine, Folklore Society London, 1883

Blair, Kathryn "Swing your Partner !" Journal of American Folk Lore, Vol. 40 No 155, Jan. March 1927, PP 96-99

Bond Donald F 'English Virsions of The Carol of the twelve Numbers" Southern Folk Lore Quarterly Vol. 4 No 4, Dec 1940, PP 247 250.

Bone, David William Capstan Bars, Brace & Co Horcourt, New York, 1932.

Botkin, B.A. The American Play Party Song, The University Studies of the University of Nebraska, Lincoln, Neb Vol. 37 Nos. 1-4 1937

Botkin B.A. "The Play Party in Oklahoma" Texas Folk Lore Society Publications, Vol. 7 1928 PP 7 24.

Botkin B.A (ed) A Treasure of American Folk Lore Stories Ballads & Traditions of the People. Crown Publishers New York 1944

Bradley William Aspenwall ' Song Ballets & Devils Ditties" Harpers Magazine Vol. 130, No 780 May 1915, PP 901 914

Brand, J Observations on popular Antiqurtiet, London 1877

Brewster Paul G Ballads & Songs of Indiana, Indiana University Bloomington 1940

, "Game Songs from Southern Indiana" Journal of American Folk Lore, Vol. 49 No 193, July Sept. 1936 Pp. 243-262.

"More Indiana Ballads & Songs Southern Folk Lore quarterly Vol 5 No 3 Sept 1941 PP 169-190.

"More Songs from Indiana" Southern Folk Lore quarterly Vol. 4 No 4 Dec 1940 PP 175-203

"Some Folk Songs from Indiana Journal of American Folk Lore, Vol 57 No 26 Oct. Dec. 1944 PP 282 287

" "Traditional Ballads from Indiana Journal of American Folk Lore, Vol 48, No 190 Oct. Dec. 1935, PP 295-317

Brimlly Johnson R. (ed) 'The Book of British Ballads' Everyman's Library Dutton & Co

Brockway Howard "The quest of the Lonesome tunes Papers and proceedings of the music teacher's National Association, 41st Annual meeting, 1919 Series 14 1920 PP 59-67

Brown Florence & Neva L. Boyd Old English & American Games for School and playground, Saul Brothers Chicago 1915

Brown Frankclyde "Ballad Literature in North Carolina" Proceedings and addresses of the fifteenth Annual Session of the Litrary and Historical Association of North Carolina Raleigh Dec. 1 2, 1914 PP 92 102 North Carolina Historical Commission Bulletin No 18

Belden H M 'The Study of Folk Song in America" Modern Philology Vol 2. No 4 April. 1905, PP 573-579

Bell Robert (ed) Early Ballads, John W Parker & Sons London, 1856

Ben C Lumpkin Folk Songs on Records, Boulder Colorado 1948.

Ben C Clough The American Imagination at work, Alfred, A. Knoff, New York, 1947

Bidpai In 1762 The Fables of The Indian Philosopher St. Petersburg, 1762.

Billups Edward W The Sweet Songster Catlettsburg, Ky., 1854

Bishop Tomas Percy (ed) Reliques of Ancient English Poetry 1765.

Black, G B Folk Medicine Folklore Society London, 1883

Blair Kathryn "Swing your Partner I" Journal of American *Folk Lore Vol. 40 No 155 Jan. March,* 1927, PP 96-99

Bond Donald, F 'English Virsions of The Carol of the twelve Numbers" Southern Folk Lore Quarterly Vol 4 No 4, Dec 1940 PP 247 250.

Bone David William Capstan Bars, Brace & Co Horcourt, New York, 1932.

Botkin, B.A. The American Play-Party Song. The University Studies of the University of Nebraska, Lincoln Neb Vol. 37 Nos. 1-4 1937

Botkin B.A. 'The Play Party in Oklahoma" Texas Folk-Lore Society Publications, Vol. 7 1928 PP 7 24.

Botkin B.A (ed) A Treasure of American Folk Lore Stories Ballads & Traditions of the People. Crown Publishers New Yor 1944

Bradley William Aspenwall ' Song-Ballets & Devils Ditties Harpers Magazine, Vol 130, No. 780 May 1915, PP 901 914

Brand, J Observations on popular Antiquities London 1877

Brewster Paul G Ballads & Songs of Indiana, Indiana University Bloomington 1940

, "Game Songs from Southern Indiana" Journal of American Folk Lore, Vol. 49 No 193, July Sept. 1936 Pp 243-262.

" "More Indiana Ballads & Songs" Southern Folk Lore quarterly Vol 5, No 3 Sept 1941 PP 169-190

" More Songs from Indiana" Southern Folk Lore quarterly Vol 4 No 4 Dec 1940 PP 175-203

" "Some Folk Songs from Indiana Journal of American Folk Lore, Vol 57 No 26 Oct. Dec. 1944 PP 282 287,

" "Traditional Ballads from Indiana" Journal of American Folk Lore, Vol. 48, No. 190 Oct. Dec. 1935 PP 295-317

Brimlly Johnson R. (ed) "The Book of British Ballads" Everyman s Library Dutton & Co

Brockway Howard "The quest of the Lonesome tunes Papers and proceedings of the music teacher s National Association 41st Annual meeting, 1919 Series 14 1920, PP 59-67

Brown Florence & Neva L. Boyd Old English & American Games for School and playground Saul Brothers Chicago 1915

Brown Frankclyde "Ballad Literature in North Carolina. Proceedings and addresses of the fifteenth Annual Session of the Litrary and Historical Association of North Carolina, Raleigh Dec. 1 2, 1914 PP 92 102, North Carolina Historical Commission, Bulletin No 18

Brown, John Mason Songs of the Slave " Lippincott s Magazine Vol 2. Dec. 1868 PP 617-623

Bryant, Frank Egbert A History of English Balladry and other Studies R G Badger Boston, 1913 Bulletin of the Folk Song Society of the North-east 1930-1937

Burchenal Elizabeth (ed) Amer ian Country Dances, G Schirmer New York 1918

Burlin, Natalie Curtis Hampton Series Negro Folk Songs, 4 Vols. G Schirmer New York 1918-1919

Burton, R Anatomy of Melancholy London 1883

Calkins E E Wonderful Word l Life Atlantic Monthly Vol 159 No 2 F b 1937 l P 247 253

Cambiare Celestine Pierre (Comp) Ea t Tennessee and Western Virginia Mountain Ballads The Mitre Press. London 1934

Campbell, John C. The Southern Highlander and his Home land Russell Sage Foundation New York, 1921

Campbell Marie Liquor Ballads from the Kentucky Mountains Southern Folk Lore quarterly Vol 2, No 3 S pt 1938 PP 157-164

Campbell Olive Dame Songs & Balladas of the Southern Mounta ns Survey Vol. 33 Jan. 2, 1915 PP 371 374

Campbell Olive Dame & Cecil J Sharp English Folk Songs from the Southern Appalachians, G.P Putnam s Sons, New York and London 1917

Campbell, J.S Notes on the Spirit basis of belief and customs B mbay 1885

Carden Allen (Comp) The Missouri Harmony E. Morgan and Son Cincinnati 1835

'arlisle Ireno And Doodrs of Ivoree" Little Rock, Arkansasn Gazette Sunday Magazine, May 3 and May 10 1942.

'arlisle, Natalie Taylor Old Time Daaky Plantation Melodies Texas Folk Lore Society Publications Vol 5 1926 PP 137-143

'arl Sandbury The American Song-bag, Haroourt Brace and Co New York 1926

'ecil Sharp & Karpels English Folk Songs from the Southern Ap alachians, New York, 1932.

'hambers R. Book of Days Vol I and II London

'happell Louis W Folk Songs of Roanoke and the Albemarle The Ballad Press, Morgantown W Va 1939

Chase Richard Old Songs and Singing Games, The University of North Carolina Press, Chapel Hill, 1938 and 'The Cherry-Tree Carol" Journal of American Folk Lore Vol 29 No. 113 July-Sept. 1916, P 417

Chauncey Sanders' An Introduction to Research in English Literary History Article on Problems in Folk Lore by Stith Thomson, Macmillan & Co New York

C. H. Herford The Warwick Liberary of English Literature, Volume on "Pastorals" Blackle & Sons; London.

Child, Francis James (ed) The English & Scottish Popular Ballads 5 Vols., Mifflin & Co., Boston and New York Houghton, 1882 1898.

Christie W Traditional Ballads Airs 2 Vols, Edmonston & Douglas Edinburg 1876-1881

Clandiadelys A Treasury of American Superstitions, Philosophical Library New York 1948.

Clarke Marry Olmstead "Song Games of Negro Children in Virginia Journal of American Folk Lore Vol 3 No. 11, Oct.-Dec 1890 PP 288-290.

Colcord, Joanna Carver (Comp) Songs of American Seller men, W W Norton & Co., New York, 1938.

Cole, Pamela Mc Arthur "Fragments of Two American Ballads" Journal of American Folk Lore *Vol 14 No, 53 Apr June* 1901 PP 139-142.

Coleman, Satis N. & Adolph Bergman Songs of American Folks, The John Day Co New York 1942.

Combs, Josiah H "Dialect of the Folk Song Dialect Notes, Vol 4 No 5 1916 PP 311 318.

"Cornstalk Fiddle & Buckeye Bow" in Folk Say A Regional Miscellany edited by B A. Botkin, University of Oklahoma Press, Norman, 1930.

Folk Songs du Midi des Etats-Unis, Les Presses Universitaires de France Paris, 1925

" Folk Songs from the Kentucky Highlands, G Schirmer New York, 1939

" A Traditional Ballad from the Kentucky Mountains" Journal of American Folk Lore, Vol. 23 No 89 July Sept. 1910, 381 382.

Conway M, D Demonology and Devil-Lore London, 1879

Cooper W.M. Flagellation and the Flagellants, London 1887

Cox, G W Introduction to the Science of Comparative Mythology and Folk Lore, London, 1881

" Mythology of the Aryan Nation.

Cox, John Harrington (ed.) Folk Songs of the South, Harvard University Press, Cambridge, 1925

Cox John Harrington (ed) "John Hardy" Journal of American Folk Lore, Vol. 32, No 126 Oct. Dec. 1919 PP 505-520

Singing Games" Southern Folk Lore Quarterly, Vol. 6, No. 4 Dec. 1942, PP 183-261

" Traditional Ballads Mainly from West Virginia, National Service Bureau New York, 1939

Cox, M. R. Introduction to Folk Lore

Craddock, J.R. "The Cowboy Dance" Texas Folk Lore Society Publications Vol. 2, 1923 PP 31 37

Creighton Helen (ed.) Songs & Ballads from Nova Scottia, J M Dent & Sons, Tronto & Vancourner 1932.

Damon, S. Fosteri (ed) Series of Old American Songs, Providence, R. I. Brown University Library 1936.

Darkow Martin "Stephen C. Foster und des amerikansche Volkslied" Die Music Barlin, Johr 4 Heft 16 May 1905 PP 268-280

Davidson, Levette Jay Jack Leonard' Californea Folk-Lore quarterly Vol. 2, No. 2, 1943 April PP 89-112.

Davidson, Nora Fontaine M. Callings from the Confederacy The Rufus H Darby Printing Co. Washington D C., 1903.

Davis, Arthur Kyle On the Colle-ting and Editing of Ballads" American Speech Vol 5 No 6, Aug. 1930, PP 452-455

Davis Arthur Kyle "Some Problems of Ballad Publication Musical quarterly Vol. 14 No 2, April 1928, P P 283-296.

Davis, Arthur Kyle " Some Recent Trends in the Field of Folk Songs," Southern Folk lore

quarterly Vol I No 2, June 1937 PP 1923

Davis Arthur Kyle Traditional Ballads of Virginia Harvard University Press Cambridge, 1929

Davis Henry C " Negro Folk Lore in South Carolina Journ of American Folk Lore Vol 27 No 105 July Sept. 1914 PP 241 254

De Gubernatis A Zoological Mythology or the Legends of Animals London 1873.

Dean Michael C (Comp) The Flying Cloud and One Hundred and Fifty other Old time Songs & Ballads, The Quickprint, Virginia 192

Dearmer Percy and Martin Shaw Song Time J Curwen & Sons London 1915

Dett, R. Nathaniel (ed) Religious Folk Songs of the Negro as ung on the Plantations New York, 1926.

Dinon James H. Ancient Poems, Ballads and Songs of the Peasantry of England Printed for the Percy Society by T Richards, London 1846

Dixon O lanio Mythology Boston 1916

Dobie, J Frank The Cow boy and his Songs, Texas Review Austin Tex. Vol 5 No. 2, Jan. 1920 PP 163-169

Dobie J Frank " Ballads & Songs of the Frontier Folk" Texas Folklore Society Publications Vol 6 1927 PP 121 183

Dobie J Frank " More Ballads & Sons of the Frontier Folk" Texas Folklore Society Publications Vol. 7 P P 155-181

Doerlng J Fredrick Folk Songs of Cornbelt" Journal of American Folklore Vol 57 No. 223 Jan-March 1944 PP 72 76

Dolph Edward Arthur (ed) Sound off " Soldier Songs from Yankee Doodly to Parley Voo Cosmopolitan Book Corporation New York 1929

Dudley R. E. and L. W Payne Jr ' Some Texas Playparty Songs Publication of the Folk Lore Society of Texas, Vol 1916, PP7 34

Duncan Edmondstoune (ed) Lyrics from the old Song Books Brace & Co, Harcourt, New York, 1927

Duncan Ruby " The Play Party in Hamilton Country Tenessee Folk Lore Society Bulletin, Vol 6. No 1 March 1940 P.P 1 15

Edsworth J Woodfall (ed.) Roxburghe Ballads 9 Vols., Printed for the Ballad Society by S Austin & Sons, Hertford 1871 1899

Eckstorm, Fannie Hardy and Mary Winslow Smith } Minstrelsy of Maine Folk Songs and Ballads of the Words and the Coast Houghton Mifflin Co., Boston and Newyork, 1927

Eddy Mary O Ballads and Songs from Ohio J J Augstine New York 1927

Edmands Ila, W "Songs from the Mountains of North Carolina Journal of American Folk lore, Vol 6, No 21 April June 1863 P P 131 134

Ellinger Esther Parker The Southern War Poetry of The Civil War The Hershey Press, Pa, Phildelphia 1918.

Ellis Annie Laurie "Oh, Burry me not on the Lone Prairie— A Song of T xan Cowboys" Journal of American Folk Lore VoL 14 No. 54 July Sept. 1901 P 186

Entwistle European Balladry Oxford University Press, 1939

Farrier J.A. Primitive Manners and Customs London, 1879

quarterly Vol I No. 2, June 1937 PP 1923

Davis Arthur Kyle Traditional Ballads of Virginia Harvard Univ rs ty Press Cambridge 1929

Davis Henry C Negro Folk Lore in South Carolina" Journal of American Folk Lore, Vol 27 No 105 Ju y Sept 1914 PP 241 254

De Gubernatis A Zoological Mythology or the Legends of Animals London 1873

Dean Michael, C. (Comp) The Flying Cloud and One Hundred and Fifty other Old time Songs & Ballads, The Quickprint, Virginia 192

Dearmer Percy and Martin Shaw Song Time, J Curwen & Sons London 1915

Dett, R. Nathaniel (ed) Religious Folk-Songs of the Negro as ung on the Plantations New York 1926.

Dixon, James H. Ancient Poems, Ballads and Songs of the Peasantry of England Printed for the Percy Society by T Richards, London 1846

Dixon O lanic Mythology Boston 1916

Doble, J Frank The Cow boy and his Songs, Texas Review Austin Tex. Vol 5 No. 2, Jan. 1920, PP 163-169

Doble J Frank Ballads & Songs of the Frontier Folk" Texa Folklore Society Publications Vol 6 1927 PP 121 183

Doble J Frank " More Ballads & Sons of the Frontier Folk Texas Folklore Society Publications Vol. P.P 155-181

Deering, J Fredrick Folk Songs of Cornbelt" Journal American Folklore Vol. 57 No. 223 J March 1944 PP 72 76

Dolph Edward Arthur (ed) " Sound off " Soldier Songs from Yankee Doodly to Parley Voo Cosmopolitan Book Corporation, New York 1929

Dudley R. E. and L. W Payne Jr Some Texas Playparty Songs Publication of the Folk Lore Society of Texas, Vol 1916 PP7 34

Duncan Edmondstoune (ed) Lyrics from the old Song Books Brace & Co Harcourt, New York 1927

Duncen Ruby " The Play Party in Hamilton Country Tenessee Folk Lore Society Bulletin, Vol 6. No 1 March 1940, P P 1 15

Edsworth J Woodfall (ed) Roxburghe Ballads 9 Vols., Printed for the Ballad Society by S Austin & Sons, Hertford 1871 1899

Eckstorm Fannie Hardy and Mary Winslow Smith Minstrelsy of Maine Folk Songs and Ballads of the Words and the Coast Houghton Mifflin Co., Boston and Newyork 1927

Eddy Mary O Ballads and Songs from Ohio J J Augstine New York 19_7

Edmands lila, W "Songs from the Mountains of North Carolina" journal of American Folk lore, Vol 6 No 21 April June 1863 P P 131 134

Ellinger Esther Parker The Southern War Poetry of The Civil War The Hersbey Press, Pa Phildelphia 1918.

Ellis Annie Laurie "Oh Burry me not on the Lone Prairie—A Song of Texan Cowboys" Journal of American Folk Lore Vol 14 No. 54 July Sept 1901 P 186.

Entwistle European Balladry Oxford University Press 1939

Farrier J.A. Primitive Manners and Customs London, 1679

quarterly Vol. I No 2, June 1937 PP 1923

Davis Arthur Kyle Traditional Ballads of Virginia, Harvard University Press Cambridge 1929

Davis Henry C " Negro Folk Lore in South Carolina" Journal of American Folk Lore Vol 27 No 105 July-Sept. 1914 PP 241 254

De Gubernatis A Zoological Mythology or the Legends of Animals London 1873

Dean Michael C. (Comp) The Flying Cloud and One Hundred and Fifty other Old time Songs & Ballads, The Quickprint, Virginia, 192

Dearmer Percy and Martin Shaw Song Time J Curwen & Sons London, 1915

Dett, R. Nathaniel (ed) Religious Folk Songs of the Negro as sung on the Plantations, New York 1926.

Dinon, James H. Ancient Poems Ballads and Songs of the Peasantry of England, Printed for the Percy Society by T Richards London 1846

Dixon O'lanic Mythology Boston, 1916

Doble, J Frank The Cow boy and his Songs Texas Review Austin Tex., Vol 5 No 2, Jan 1920, PP 163-169

Doble J Frank Ballads & Songs of the Frontior Folk" Texas Folklore Society Publications Vol. 6 1927 PP 121 183

Doble J Frank " More Ballads & Sons of the Frontier Folk" Texas Folklore Society Publications, Vol. 7 P.P 155-161

Doering J Fredrick Folk Songs of Cornbelt" Journal of American Folklore Vol. 57 No. 223 Jan-March 1944 PP 72 76

Dolph Edward Arthur (ed) Sound off " Soldier Songs from Yanke Doodly to Parley Voo Cosmopolitan Book Corporation New York 1929

Dudley R E and L W Payne Jr Some Texas Playparty Songs Publicati n of the Folk Lore Society of Texas, Vol 1916 PP7 34

Duncan, Edmondstoune (ed) Lyrics from the old Song Books Brace & Co Harcourt, New York 1927

Duncen Ruby The Plav Party in Hamilton Country Tenessee Folk Lore Society Bulletin Vol 6 No 1 March 1940 P P 1 15

Edsworth, J Woodfall (ed) Rexburghe Ballads 9 Vols. Printed for the Ballad Society by S Austin & Sons, Hertford 1871 1899

Eckstorm Fannie Hardy and Mary Winslow Smith } M nstrelsy of Maine Folk Songs ard Ballads of the Words and the Coast Houghton Mifflin Co., Boston and Newyork 1927

Eddy Mary O Ballads and Son s from Ohio J J Augstine New York 19 7

Edmands lila W "Songs from the Mountains of North Carol na journal of American Folk lore, Vol 6 No 21 April June 1863 P P 131 134

Ellinger Esther Parker The Southern War Poetry of The Civil War The Hershey Press, Pa Philidelphia 1918.

Ellis Annie Laurie Oh Burry me not on the Lone Prairie— A Song of Texan Cowboys" Journal of American Folk Lore Vol. 14 No. 54 July-Sept 1901 P 186

Entwistle European Balladry Oxford University Press 1939

Farrier J.A. Primitive Manners and Customs London, 1879

quarterly Vol I No 2, June 1937 PP 1923

Davis Arthur Kyle Traditional Ballads of Virginia, Harvard University Press Cambridge 1929

Davis Henry C " Negro Folk Lore in South Carolina" Journal of American Folk Lore Vol 27 No 105 July Sept. 1914 PP 241 254

De Gubernatis A Zoological Mythology or the Legends of Animals London, 1873

Dean Michael C (Comp) The Flying Cloud and One Hundred and Fifty other Old time Songs & Ballads, The Quickprint, Virginia, 192

Dearmer Percy and Martin Shaw *Song Time* J Curwen & Sons, London, 1915

Dett, R. Nathaniel (ed) Religious Folk-Songs of the Negro as sung on the Plantations, New York, 1926.

Dinon, James H Ancient Poems Ballads and Songs of the Peasantry of England, Printed for the Percy Society by T Richards London 1846

Dixon Oceanic Mythology Boston, 1916

Dobie, J Frank The Cow boy and his Songs, Texas Review Austin Tex., Vol. 5 No 2, Jan 1920, PP 163-169

Dobie J Frank " Ballads & Songs of the Frontior Folk" Texas Folklore Society Publications Vol 6. 1927 PP 121 183

Dobie J Frank " More Ballads & Sons of the Frontier Folk" Texas Folklore Society Publications Vol, 7 P.P 155-181

Doering J Fredrick Folk Songs of Corubelt" Journal of American Folklore Vol 57 No 223 Jan-March 1944 PP 72 76

Dolph Edward Arthur (ed) " Sound off " Soldier Songs from Yanke Doodly to Parley Voo Cosmopolitan Book Corporation New York 1929

Dudley R E. and L. W Payne Jr Some Texas Playparty Songs Publication of the Folk Lore Society of Texas, Vol 1916 PP7 34

Duncan Edmondstoune (ed) Lyrics from the old Song Books Brace & Co Harcourt, New York 1927

Duneen Ruby The Play Party in Hamilton Country Tenessee Folk Lore Society Bulletin Vol 6 No 1 March 1940 P P 1 15

Edsworth J Woodfall (ed) Rexburghe Ballads 9 Vols. Printed for the Ballad Society by S Austin & Sons, Hertford 1871 1899

Eckstorm Fannie Hardy and Mary Winslow Smith } M nstrelsy of Maine Folk Songs and Ballads of the Words and the Coast Houghton Mifflin Co., Boston and Newyork 1927

Eddy Mary O Ballads and Songs from Ohio J J Augstine New York 19_7

Edmands Ila W "Songs from the Mountains of North Carolina" Journal of American Folk lore, V 1 6 No 21 April June 1863 P P 131 134

Ellinger Esther Parker The Southern War Poetry of The Civil War The Hershey Press Pa Phildelphia 1918

Ellis, Annie Laurie 'Oh Burry me n t in the Lone Prairie— A Song of T xan Cowboys Journal of American Folk Lore Vol 14 No 54 July-Sept 1901 P 186.

Entwistle European Balladry Oxford University Press, 193

Farrier J.A. Primitive Manners and Customs London, 18

quarterly Vol I No 2, June 1937 PP 19-23

Davis Arthur Kyle Traditional Ballads of Virginia, Harvard University Press Cambridge 1929

Davis Henry C " Negro Folk Lore in South Carolina Journal of American Folk Lore Vol. 27 No. 105 July Sept. 1914 PP 241 254

De Gubernatis A Zoological Mythology or the Legends of Animals London, 1873

Dean Michael C. (Comp) The Flying Cloud and One Hundred and Fifty other Old time Songs & Ballads The Quickprint, Virginia 192

Dearmer Percy and Martin Shaw Song Time J Curwen & Sons, London, 1915

Dett R. Nathaniel (ed) Religious Folk Songs of the Negro as sung on the Plantations New York 1926.

Dixon, James H. Ancient Poems Ballads and Songs of the Peasantry of England, Printed for the Percy Society by T Richards London 1846

Dixon Oceanic Mythology Boston, 1916

Dobie, J Frank The Cow boy and his Songs, Texas Review Austin Tex., Vol. 5 No 2, Jan 1920, PP 163-169

Dobie J Frank Ballads & Songs of the Frontior Folk" Texas Folklore Society Publications Vol, 6. 1927 PP 121 183

Dobie J Frank " More Ballads & Sons of the Frontier Folk" Texas Folklore Society Publications Vol, 7 P.P 155-181

Doering J Fredrick Folk Songs of Cornbelt" Journal of American Folklore Vol. 57 No. 223 Jan-March 1944 PP 72 76

Francis James Child (ed) The English and Scottish Popular Ballads Vols 1 5 Houghton Miffin Co

Frank Sidwick The Ballad The Arts & Crafts of Letters Series G H Drar & Co , 1915

Frazer J G The Golden Bough, 12 Vols.

„ „ „ The Golden Bough, Abridged edition in one Volume.

„ „ The Belief in Immortality and the Worship of the Dead 3 Vols

„ The Worship of Nature, 2 Vols.

„ „ Folklore in the Old Testament 3 Vols

„ „ Totemism and Exogamy 4 Vols

„ Psyche c task

Frye Mary P "The Ballad of Bold Dickie, Journal of American Folklore Vol. 8, No 30. July-Sept 1895 P.P 256-257

Fuson, Harvey H Ballads of the Kentucky Highlands The Mitre Press, London 1931

Gardiner George B Folk Songs from Hampshire Novello & Co., London, 1909

Gardner Ella Hand book for Recreation Leaders Govt. Printing Office. Children s Bureau Publication No 231 Washington U.S., 1936

Gardner Emelyn E Folklore from the Schoharie Hills University of Michigan Press Ann Arbor New York, 1937

Gardner Emelyn E. Some Play party Games in Michigan, Journal of American Folklore Vol 33 No 127 Jan March, 1910 P.P 91 133

Gardner Emelyn E. and Geraldine J Chickering Ballads and Songs of Southern Michigan, The University of Michigan Press Ann Arbor 1939

Farwell, Arthur Folk Songs of the West & South the Wa wan Press Newton Centre, Mass. 1905 Wa-wan Series of American Compositions Vol. 4 No. 27

Fauset, Arthur Huff (ed) Folk lore from Nova Scotia, The American Folk lore Society G E. Stechert & Co (Agents) Memoires of the American Folk lore Society Vol 24 New York 1931

Ferguson I.F History of Indian and Eastern Architecture, London 1876.

Finger Charles J (Comp.) Frontier Ballads Page & Co Double day Garden City N Y 1927

Fisher William Arms Ye olde New England Psalm Times. Volive Ditson Co., Boston New York, 1930

F J Child Ballad Poetry Universal Cyclopaedia 1892

Flanders, Helen Hartness (ed) A Garland of Green Mountain Song North Field Vt. Published as part of the publication programme of the Committee for the Conservation of Vermont traditions and ideals of the Vermont Commission on Country life Arthur Wallace Peach(agent) 1934

Flanders Helen Hartness (ed) The New Green Mountain Songster New Haven, Yale University Press 1939

Flanders, Helen Hartness and George Brown Vermount Folk Songs and Ballads. Stephen Daye Press Brattleboro (Vt)

Ford, Corey Justa Good Old Fashioned Cry" Vanity Fair ‘ ~0 No. 3 Nov 19_7 P P 53 12x 130 136

Ford, Ira W (Comp) Traditional Music of America, E. P Dutton & Co., New York 1940

Francis James Child (ed) The English and Scottish Popular Ballads Vols 1 5., Houghton Muffin Co

Frank Sidwick The Ballad The Arts & Crafts of Letters Series G H Drar & Co , 1915

Fraser J G The Golden Bough 12 Vols.

" The Golden Bough, Abridged edition in one Volume.

" " " The Belief in Immortality and the Worship of the Dead 3 Vols

The Worship of Nature 2 Vols.

" Folklore in the Old Testament, 3 Vols

" " " Totemism and Exogamy, 4 Vols

" Psyche s task

Frye Mary P "The Ballad of Bold Dickie, Journal of American Folklore Vol. 8, No 30. July-Sept 1895 P P 256-257

Fuson, Harvey H Ballads of the Kentucky Highlands The Mitre Press, London, 1931

Gardiner George B Folk Songs from Hampshire, Novello & Co., London, 1909

Gardner Ella Hand book for Recreation Leaders Govt. Printing Office. Children s Bureau Publication No 231 Washington U.S., 1936

Gardner Emelyn E Folklore from the Schoharie Hills University of Michigan Press, Ann Arbor New York 1937

Gardner Emelyn E. Some Play party Games in Michigan, Journal of American Folklore Vol. 33 No. 127 Jan March, 1910 P.P 91 133

Gardner Emelyn E. and Geraldine J Chickering Ballads and Songs of Southern Michigan The University of Michigan Press Ann Arbor 1939

Garin Mikhailovsky N G Korean Folk Tales Chinese Fairy Tales and others 50 Vols, Moscow 1951

Gerould Gordon Hall The Ballad of Tradition The Clarendon Press, Oxford 1932.

George Borrow The Ballad of All Nations, Alston Rivers Ltd 181 York Buildings, Adelphi W C. 2, London

Gerassim Lebedev Europe s First Grammars of Colloquial Hindi 1801

Gibbon John Murray (edtr) Canadian Folk Songs, E P Dutton & Co New York, 1927

Gilbert Douglas Lost Cords the Diverting Story of American Popular Songs Doubleday Doran & Co., Garden City New York 1942.

Gomme Alice B The Trad ional Games of England Scot Land 2 Vol D Nutt London 1894-1898

Goldziher J Myth k y among the Hebrews London 1877

Gordom Cumming In m H h a s t the Himalyas Vols, I & II London 18/6

Gorden Robert W The F k Sone f America" New York Times Magazin Jan 2, 1927 Jan 22, 1928

" Folk Songs of Americ National Service Bur au N w Yo k 1938

" The Negr Sp rituals in The Carolina Low Country S Sn ythe Augustine T

" " Old Songs hat n n have sung Adventure Mag July Nov 10 1927

Grafar I E. (ed) Hi y of Rus Ar U S.S R Academy of Science 5 Vols 1908-1915

Grabar I. History of Russian Art Academy of Sciences Publishing House Moscow 1955

Graharn, John Traditional Nursery Rhymes, J Curwenand sons, London 1911

Graingar Percy "Tribute to the Music of the American Negro" Current Openion, Vol. 59 No 2, Aug 1915 PP 100-101

Gray Roland Palmer Songs and Ballads of the Maine Lumberjacks with other Songs from Maine Harvard University Press 1924

Greenleaf Elizabeth B and Grace Yarrow Mansfield Ballads and Seasongs of New foundland Harvard University Press, Mass, Cambridge 1933

Gregor W Notes of the Folklore of North-east of Scotland, Folk Lore Society 1881

Greig Gavin Folk Songs of the North-East, Buchan Observer Works Peterhad Scotland 1914

Greig Gavin and Alexander Keith Last Leaves of Traditional Ballads and Ballad Airs Aberdeen University Studies Aberdeen No 100, 1925

Grimm Teutomic Mythology 4 Vols. London 1880-88.

Grimm House Hold Tales, 1884

Guber I History of Musical Culture

Gummere F B. (ed.) Old English Ballads Athenaeum Press Series Ginn & Co., New York 1894

" " " The Beginings of Poetry Macmillon & Co., 1901

" " " Th Popular Ballad, Archibold Constable & Co Ltd. London & Houghton Miffin & Co., Boston and New York 1907

" " (ed) Chap et on Ba lads" in Cambridge His ory of English Literature Vol II, 1908

Gummere Francis Barton Democracy and Poetry Houghton Miffin Co., Boston & New York, 1911.

Hales and Furnivall : Bishop Percy's Folio Manuscript, Vols. I III and Suppliment, 1867-68.

Halliwell Phillipps James Orchard The Nursery Rhymes of England, F Warne & Co. London New York, Scribner Welford and Armstong. 1853

Halliwell-Phillips, James Orchard Popular Rhymes and Nursery Tales J R. Smith, London 1849

Halliwell, Emily (comp.) Calhoun Plantations Songs, C.W Thompson and Co Boston 1907

Halpert, Herbert A Group of "Indian Folk Songs, Hoosier Folklore Bulletine, Vol. 3 No 1 March, 1944 P P 1 15

Halpert Herbert Some Ballad & Folk Songs from New Jersey" Journal of American Folklore, Vol 52, No 203 Jan-March 1939 P P 52—69

Hamilton, Goldy G The Play party in North East Missouri, Journal of American Folklore, Vol. 27 No 105 July—Sept. 1914 P P 289—303

Handerson, T.F The Ballad in Literature, Cambridge University Press, 1912

Handerson, T.F Scottish Vernacular Literature, 1891 P P 355

Handerson, W Notes on the Folklore of the Northern counties of England and Boarder

Handy William C *(ed) Blues An Anthology* with an Introduction by Abbe Niles, A & C. Boni. New York, 1926

Handy W J Some early California Songs," Outwest Los Angeles, Vol. 29 No. 6, Dec. 1905, P P 430-437

Harrison, Katherine "In the Great Meadow and the Lone Prairie Southern Folklore quarterly Vol 2. No 3 1938 PP 149-156

Hart Walter Morris (ed.) English Popular Ballads Chicago Foresman & Co., 1922

Hart walter Morris Publcatiions of Modern Language Association XXI 1906, PP 755

Hart walter Morris Ballad and Epic, Harvard Studies and Notes Vol XI, Ginn & Co, 1907

Hartland S.E. Science of Fairy Tales, London 1891

Harold W Thompson Body Boots and Britches, Philadelphia J B Lippioncott. Co

Hauser Blanca Music in the Life of Soviet People, Vokes Bulletine 2(85) 1954

Hearn W E. The Aryan Household London 1879

Helenchild Sargent and George L. Kittredge English and Scottish Popular Bilads, Students, Cambridge edition in one Volume, Houghton Miffin Co

Henry Mellinger E A Bibliography for the Study of American Folk Songs, The Mittre Press London, 1937

" "Brian O'Lynn" Journal of American Folklore Vol. 54 Nos 211 212 Jan June 1941 PP 83-84

" (ed) Folk Songs from the Southern Highlands, J J Augustine New York 1938

: (comp) Songs Sung in the Southern Appalachians, The Mittre Press, London 1934

Henry Mellinger E, & Maurice Matteson : Songs from North Carolina, Southern Folklore *Quarterly Vol 5 No 3 Sept. 1941* PP 137 149

Herd, David Ancient and Modern Scottish Songs, Heroic Ballads etc., Reprinted from the edition of 1776, Glasgow Kerr and Richardson, 1869

Herrick, Mrs R.F Two Traditional Songs, Journal of American Folklore Vol. 19 No. 72, Jan. March, 1906 PP 130-132.

Hobson Anne In Old Alabarma Page & Co., Doubleday, New York, 1903

Hogue Wayman Back Yonder an Ozark Chronicle Black & Co., Mintan New York, 1932.

" "Onzark People" Scribner Magazine Vol. 89 No 5 May 1931 PP 509-520.

Holliday Carl American Folk Songs Sewanee Review Vol. 27 No 2 April 1919 PP 139-150

" " (Comp.) Three Centuries of Southern Poetry 1607 1907 Publishing House of the M E. Church South Smith Lamer agents Tenn, Nashville 1908

Howard, John Tasker Jr Our Folk Music and its probable Impression on American Music of the Future, Musical Quarterly Vol. 7 No 2, April 1921 PP 167 171

" " Stephen Foster America s Troubadour Cromwell Co Thomas Y., New York 1934

Hubbard William Lines "Popular Music" The American History & Encyclopaedia of Music, Vol 4 Irving Squire Ohio, Toledo 1908

Hudson Arthur Palmer Folk Songs of Mississippi and their background. The University of

North Carolina Press, Chapel Hill, 1936.

Hudson Arthur Palmer (ed) Specimens of Mississippi Folk-lore. Edward Brothers, Ann Arbor Mich, 1928

Hudson Arthur Palmer and George Herzog Folk Tunes from Mississippi, National Play Bureau, New York 1937

Hulbert Arther Butler Forty Niners The Chronicle of the California Trail Brown & Co Boston, Little 1931

Hummel L. E. Ozark Folk Songs M A Thesis. MS University of Missouri 1936,

Hustvedt, Sigurd Bernhard A Melodic Index of child s Ballad Tunes, Publications of the University of California at Los Angeles in Languages and Literatures Vol. 1 No 2, Jan. 16 1936, PP 51 71

Irina Zheloznova Ukrainian Folk Tales Foreign Languages Publishing house Mascow 1953

Isham Coddie S Games of Danville Journal of American Folk lore Vol 34 No 131 Jan-March 1921 PP 116-120

Ives Ronald L. Folk lore of Eastern Middle Park, Colorado Journal of American Folk lore Vol 54 Nos. 211 212, Jan-June 1941 PP 24 43

Jackchen Folk Arts of New China Foreign Languages Publishing house Peeking 1955

Jackchen Songs of New China Foreign Languages Publishing House Peeking, 1955

Jackson, George Pullen (ed.) Down-East Spirituals and Others, J J Augustin New York 1943

Jacnson George Pullen Spiritual Folk Songs of Early America, J J Augustin New York, 1937

" White Spirituals in the Southern Uplands The University of North Carolina Press, Chapel Hill 1933

Jackson, George Stuyvesant Early Songs of Uncle Sam Bruce Humphries Boston, 1933

Jamieson Robert (ed.) Popular Ballads and Songs 2, Vols. A Constable & Co., Edinburgh, 1606.

J C H R Steenstrup The Mediaeval Popular Ballad Translated from the Danish by E.G Cox, Ginn & Co., 1914

Jacobs, J Celtic Fairy Tales.

" " English Fairy Tales

John American Ballads & Folk Songs

Johnson, Guy B John Henry Tracking Down a Negro Legend, The University of North Carolina, Chapel Hill, 1929

Johnson Helen Kendrick Our Familiar Songs and those who made Them H Holt & Co. Newyork, 1989

Johnson James Weldon and J Rosamond Johnson. The Book of American Negro Spirituals, The Viking Press Newyork 1925.

The Second Book of Negro Spirituals The Viking Press, Newyork 1926

The Book of American Negro Spirituals the Viking Press Newyork 1940.

Jones Bertrand L Folklore in Michigan, in Kalamazoo, Normal Record Western State Normal School Kalamazoo Mich, 1914

Jones W Finger Ring Lore London, 1877

Joseph Ritson (ed) Ancient Songs & Ballads 1790

- Robin Hood 1795

Joyce, Patrick Weston Ancient Irish Music M H Gill & Son Dublin, Longmans Green & Co., New York, 1906 Reissue of the edition of 1873

" Old Irish Folk Music and Songs, Longmans Green & Co London New York, 1909

Kennedy Robert Emmet Mellows a Chronicle of Unknown Singers, A & C. Boni New York 1925 Label on Back Mellows Negro Work Songs Street Cries and Spirituals

" More Mellows Dodd Mead & Co New York, 1931

Kidson Frank (comp. & ed) Traditional Tunes A Collection of Ballad Airs C Taphouse & Son, Oxford 1891

Kincaid, Bradley My Favourite Mountain Ballads and Old Time Songs, Prairie Farmer Radio Station Chicago 1928.

Kingsley Walter Enigmatic Folk Songs of the Southern Under World Current Opinion Vol. 67 No. 3, Sept. 1919 P P 165-166

Kirkland Edwin Capers & Mary Neal Kirkland Popular Ballad Recorded in Knoxville Tenn, Southern Folklore Quarterly Vol 2, No 2, June 1938 P P 65-80

Kirkland Edwin Capers and Wynn Jones Welsh Folk Songs, Tennessee Folk Lore Society Bulletin Vol. 9 No 4 Dec. 1943 P P 1 7

Kitredge George Layman Ballads & Rhymes from Kentucky Journal of American Folklore Vol. 20 No 79 Oct Dec 1907 PP 251 77

" Ballads & Songs, Journal of Ame rican *Folk Lore Vol 30 No* 117 July-Sept 1917 P P 283-69

Kolb A Treasury of Folk Songs

Kolesayev V The Central Theatre for Children Soviet Lite rature No 11, 1955

Korson, George Gershon Songs and Ballads of the Anthra cite Miners F H Hitchcock Newyork 1927

Krehbiel, Henry Edward Afro-American Folk Songs G *Schirmer Newyork & London* 1914

" , Florida Song Games Journal of American Folk Lore Vol. 15 No. 58, July-Sept. 1902 P P 193-195

" " The Jews Daughter A Grewsome Ballad and its Variants. Newyork *Tribune* Aug. 17 1902

" " " Southern Song Games, Newyork Tribune July 27 Aug. 3 1902.

Lair John L. Swing your Partner Wilmette Ill 1931

Lang Andrew Custom and Myth

" Myth, Ritual and Religion, London, 1887

Letourneau, C. Sociology base on Ethnography

Levette J Davidson and Forrester Blake Rocky Mountain Tales University of Oklahama Press, 1947

Lewis, Leo R. American Folk Songs, Etude Vol 24 No 12, Dec. 1906 P 769

Linscott Eloise Hubbard Folk Songs of Old New England, The Macmillan Co Newyork, 1939

Loesser Arthur (ed.) Humor in American Songs Soskin Pub., Howell Newyork, 1942.

Lomax American Ballads and Folk Songs, Newyork 1942.

Lomax, Alan and Sidney Robertson Cowell } American Folk Song and Folk Lore a Regional Bibliography Progressive Education Association Newyork, 1942.

Lomax, John Avery (comp.) Cowboy Songs and other Frontier Ballads Sturgis Walton Co Newyork 1910

" " " Cowboy Songs of the Mexican Border, Sewanee Review Vol 19 No 1 Jan. 1911 PP 1 18

" " Some Types of American Folk Song, Journal of American Folk, Vol 28, No 107 Jan March 1915 PP 1 17

" " " (Comp.) Songs of the Cattle Trail and Cow Camp The Macmillan & Co., Newyork 1934

Lomax, John A. and Alan Lomax American Ballads and Folk Songs The Macmillan & Co Newyork, 1934.

" " " Negro Folk Songs as Sung by Lead Belly The Macmillan & Co., Newyork, 1936.

" " " Our Singing Country The Macmillan & Co., Newyork 1941

Kitredge George Layman Ballads & Rhymes from Kentucky Journal of American Folklore Vol 20 No 79 Oct Dec 1907 PP 251 -77

" Ballads & Songs, Journal of American Folk Lore Vol. 30 No 117 July-Sept 1917 P P 283-69

Kolb A Treasury of Folk Songs

Kolesayev V The Central Theatre for Children Soviet Literature No 11, 1955

Korson, George Gershon Songs and Ballads of the Anthracite Miners, F H Hitchcock Newyork 1927

Krehbiel, Henry Edward Afro-American Folk Songs, G Schirmer Newyork & London, 1914

" " Florida Song Games Journal of American Folk Lore Vol 15 No 58 July-Sept. 1902, P P 193-195

" The Jews Daughter A Grewsome Ballad and its Variants Newyork Tribune Aug. 17 1902

" " " Southern Song Games, Newyork Tribune July 27 Aug 3 1902.

Lair John L. Swing your Partner Wilmette Ill 1931

Lang Andrew Custom and Myth

" Myth Ritual and Religion London 1867

Letourneau C. Sociology base on Ethnography

Levette J Davidson and Forrester Blake Rocky Mountain Tales, University of Oklahama Press 1947

Lewis Leo R. American Folk Songs, Etude Vol 24 No 12 Dec 1906 P 769

Linscott Eloise Hubbard Folk Songs of Old New England, The Macmillan Co Newyork, 1939

Loesser Arthur (ed.) Humor in American Songs Soskin Pub., Howell, Newyork, 1942.

Lomax American Ballads and Folk Songs, Newyork, 1942.

Lomax, Alan and Sidney Robertson Cowell } American Folk Song and Folk Lore a Regional Bibliography Progressive Education Association, Newyork, 1942.

Lomax, John Avery (comp.) Cowboy Songs and other Frontier Ballads Sturaist Walton Co., Newyork. 1910

" " " Cowboy Songs of the Mexican Border Sewanee Review Vol 19 No 1 Jan. 1911 PP 1 18

" " Some Types of American Folk Song, Journal of American Folk, Vol 28, No 107 Jan March 1915, PP 1 17

" " " (Comp.) Songs of the Cattle Trail and Cow Camp The Macmillan & Co., Newyork 1934

Lomax, John A. and Alan Lomax American Ballads and Folk Songs, The Macmillan & Co Newyork, 1934

" " " " Negro Folk Songs as Sung by Lead Belly The Macmillan & Co Newyork, 1936.

" " " Our Singing Country The Macmillan & Co., Newyork, 1941

Lomax Mrs John A Trail Songs of the Cow Puncher Overland Monthly Vol. 59 No 1, Jan 1912 PP 24-29

Lemidre, G Through the Eyes of their own Peoples, Vokes Bulletin 4 (87) 1954

Lubbock, J Origin of Civilization and Primitive Condition of Man, London 1882.

Lunsford, Bacom Lamar and Lamar Stringfield 30 and 1 Folk Songs from the Southern Mountains, Carl Fischer, Newyork 1930

Maria Leach Funk and Wagnalls Standard Dictionary of Folk Lore Mythology and legend Vol I II, Newyork 1949-50

Mc Collum, Catherine Ann & Kenneth WigginsPorter Winter Evening in Iowa, 1873-1880 Journal of American Folk lore Vol 56, No 220, April-June 1943, PP 97-112.

Mac Donald, A B After 63 years The True Origin of a Cowboy Song is Traced Kansas City Star Oct 25 1936

Mackenzie W Roy Ballads and Sea Songs from Nova Scotia Harvard University Press, Cambridge 19 8

Mackenzie W Roy The Quest of the Ballad Princeton-University Press Princeton, 1919

Mackenzie Donald A Teytonic Myth & Legend, Gresham Publishing Co London

Mackenzie Donald A Egypton Myth and Legend Gresham Publishing Co., London.

Mackenzie Donald A. Myths of Baby Lonia and Assyria, Gresham Publishing Co., London

Mackenzie Donald A Myths of Crete & Pre-Hellenic Europe Gresham Publishing Co., London.

Mackenzie Donald A. Myths of China & Japan, Gresham Publishing Co., London.

Mackenzie Donald A Myths of Pre-Columian America, Gresham Publishing Co., London.

Mc Dowell Lucien L. Songs of the Old Camp. Ground, Edwards Brothers Ann Arbor Mich., 1937

Mc Dowell, Lucien L, and Flora Lassiter Mc Dowell Folk Dances of Tennessee, Edward Brothers Ann Arbor Mich. 1938

Mc Gill, Josephine (Comp.) Folk Songs of the Kentucky Mountains, Boosey & Co, New York, 1917

" " " Following Music in a Mountain land, Musical Quarterly Vol. 3 No 3, July 1917 P.P 364-384

" " Old Ballad Burthens, Musical Quarterly Vol. 4 No. 2, April 1918 PP 293-306

Mc Ilhenny Edward Avery (Comp) Befo de War Spirituals, The Christopher Publishing House, Boston, 1933

Mc Intosh David Senneth Some Representative Folk Songs of Southern Illinois, M A. Thesis, M. S. University of Iowa, 1935

Mc Lendon, Altha Leo A Finding list of Play Party Games, Southern Folk Lore Quarterly Vol. 8 No 3 Sept. 1944 PP 201 234

Mackay E Early Indus Civilizations, edtd. by V V Struve U S. S. R. Academy of Sciences.

Marks Edward Bennet. They All Song, The Vinking Press New York 1v 4

Marsh, J B. T The Story of the Jobillee Singers, Houghton Miffin Co., Boston, 1850

Marrian Vallet Emarich & George Korson The Childs

Book of Folk Lore, The Dial Press, New York, 1947

Martin Rozie Songs of Bygone Days Arcadian Magazine, Eminence Mo Vol 1 No 9 Oct. 1931 P 39

Mason, Danier Gregory Folk Song in America, Mr Howard Brockways Settings Arts & Decorations, Vol 14 No 2, Dec. 1920 PP 122 168.

Mason Redfern The Songlore of Ireland Wessels and Bissell Co. 1910

Masterson James R Tall Tales of Arkansaw Chapman and Grimes Boston 1943

Matteson, Maurice and Melinger E Henry Beech Mountain Folk Songs and Ballads G Schirmer Newyork, 1936.

Mattfield, Julius The Folk Music of Western Hemisphere A list of References in the New York Public Library New York New York Public Bulletin 1925

Mercer, H C On the Track of The Arkansas Traveller Century Magazine, Vol 51 No 5 March 1896 P P 707- 712

Metfessel M F Phonophotography in Folk Music, The University of North Carolina Press, Chapell Hill, 1928

Milburn George (Comp) The Hobos Hornbook 1, Washburn, New York 1930

Miles Emma Bell Some Real American Music, Harpers Magazine Vol 109 No 649 June 1904 PP 118-123

Miles Emma Bell The Spirit of the Mountains, J Pott & Co , New York, 1905

Milton Rugoff A Harvest of World Folk Lore, New York, 1949

Minayev I. P Essays on Ceylon and India.

Moncrieff, A. R. Hope Classic Myth & Legend, Gresham Publishing Co London.

Moncrieff A. R. Hope Romance & Legend of Chivalry

Moore John Robert A Missouri Variant of the False Lover Won Back, Journal of American Folk Lore Vol 34 No 134 Oct Dec. 1921 PP 395-397

Morris Alton C. Mrs Griffin of Newberry Southern Folk lore Quarterly Vol 8 No 2 June, 1944 PP 133-198.

Morris Lucile The Old Songs Sunday News & Leader Springfield Mo Aug 26 1934 March 3 1935

Morrison D H Songs We Love Monarch Book Co Chicago 1907

" Treasury of Songs for the Home Circle Hubbard Bros Philadelphia 1882.

Motherwell William (ed.) Minstrelsey Ancient and Modern, W.D Ticknor & Co Boston 1827 II edition 1846

Murphy Jeannette Robinson Must the True Negro Music Become Obsolete ? Kunkel's Musical Review St. Louis Vol. 30 No 305 1905 P 10.

" " The Survival of African Music in America Popular Science Monthly Vol 55 Sept 1899 PP 660-672.

" The True Negro Music and Its Decline The Independent Vol 55 No 2851 July 23 1903 PP 1723-1730

rely Charles *Four British Ballads in Southern Illinois* Journal of American Folk Lore Vol 52, No 203 Jan-March 1939 PP 76-81

Nevin Robert P Stephen C Foster and Negro Minstrelsy Atlantic Monthly Vol 20, No 12, Nov 1867 PP 608-616.

Newcomb Lydia Bolles Songs and Ballads of the Revolution New England Magazine, Vol. 13 No 4, Dec. 1895 PP 501 513

Newell William Wells Early American Ballads, Journal of Amercian Folk Lore Vol, 12, No. 47 Oct Dec., 1899 PP 241 254 Vol 13 No 49 April-June 1900 *PP 105-123*

" Games and Songs of American Children Harper & Brothers, New york, *1883 1903*

Old English Songs in American Virsions Journal of American Folk Lore *Vol 15, No 17 Oct Dec* 1892, PP 325-326

Nikolai Gorchakov The Vakhtankov School of Stage Art.

Niles John J (Comp) *More Songs of the Hill Folk* G Schirmer New York 1936

" " Singing Soldiers Charles Scribners Sons New york, *1927*

" (ed.) Songs of the Hill Folk G Schirmer Newyork 1934

" A Woman On a Good Man s Mind, The Mentor Vol 18 No 2, March, 1930 PP 12 15 70-71

Niles John J *Douglas S Moore and A. A. Wallgren* Songs my Mother Never Taught Me, The Macanlay Co Newyork 1929

Norman Loyd & M. Bradford Bonl Fiteside Book of Folk Songs, Simon and Shuster Newyork 1947

Northall G.F (Comp) English Folk Rhymes K. Paul, Trubner & Co London 1892.

O conor Manus Old Time Songs and Ballads of Ireland, The Popular Publishing Co., Newyork 1901

Odum Anna Kraz Some Negro Folk Songs from Tennessee Journal of American Folklore Vol 27 No 105 July-Sept. 1914 PP 255 265

Odum Howard W Down that Lonesome Road Country Gentleman Vol. 96, May, 1926 PP 18 19 79

Folk Songs & Folk Poetry as Found in the Secular Songs of the Southern Negroes Journal of American Folklore, Vol 24, No 93 July-Sept 1911 PP 255-294 No 94 Oct Dec 1911 PP 351 396

Religlous Folk Songs of the Southern Negroes, American Journal of Religious Psychology Vol, 3 No 3 July 1909 PP 265-365

Odum Howard W & Guy B Johnson The Negro & His Songs The Univer sity of North Carolino Press, Chapel Hill 1925

Negro Workaday Songs, the Univer sity of North Carolina Press, Chapel Hill H Milford Oxford London 1926.

cely Charles   Four British Ballads in Southern Illinois, Journal of American Folk Lore Vol 52, No 203 Jan-March 1939 PP 75-81

Nevin Robert P   Stephen C Foster and Negro Minstrelsy Atlantic Monthly Vol 20, No. 12, Nov 1867 PP 608-616

Newcomb Lydia Bolles   Songs and Ballads of the Revolution, New England Magazine Vol. 13 No 4 Dec 1895 PP 501 513

Newell William Wells   Early American Ballads, Journal of Amercian Folk Lore, Vol, 12, No. 47 Oct Dec., 1899 PP 241 54 Vol 13 No 49 April-June 1900 PP 105-123

Games and Songs of American Children, Harper & Brothers, New york, 1883 1903

Old English Songs in American Viralons Journal of American Folk Lore Vol 15, No 17 Oct Dec 1892, PP 325-326

Nikolai Gorchakov   The Vakhtankov School of Stage Art

Niles John J   (Comp) More Songs of the Hill Folk G Schirmer New York 1936

Singing Soldiers Charles Scribners Sons New york 1927

" "   (ed) Songs of the Hill Folk G Schirmer Newyork 1934

" "   A Woman On a Good Man s Mind, The Mentor Vol 18 No 2, March, 1930 PP 12 15, 70-71

Niles John J   Douglas S Moore and A. A Wallgren Songs my Mother Never Taught Me The Macaulay Co Newyork 1929

Norman Loyd & M. Bradford Bonl Fireside Book of Folk Songs, Simon and Shuster Newyork, 1947

Northall G.P (Comp) English Folk Rhymes, K. Paul, Trubner & Co London, 1892

O conor Manus Old Time Songs and Ballads of Ireland, The Popular Publishing Co., Newyork 1901

Odum Anna Kraz Some Negro Folk Songs from Tennessee Journal of American Folklore, Vol 27 No 105 July Sept. 1914 PP 255 265

Odum Howard W Down that Lonesome Road Country Gentleman Vol. 96, May 1926 PP 18-19 79

Folk Songs & Folk Poetry as Found in the Secular Songs of the Southern Negroes Journal of American Folklore, Vol 24, No 93 July Sept., 1911 PP 255-294 No. 9 Oct Dec 1911 PP 351 396

— Religious Folk Songs of the Southern Negroes American Journal of Religious Psychology Vol, 3 No 3 July 1909 PP 255-365

Odum Howard W & Guy B Johnson The Negro & His Songs The University of North Carolino Press, Chapel Hill 1925

Negro Workaday Songs the University of North Carolina Press, Chapel Hill H. Milford, Oxford London 1926.

ccly Charles Four British Ballads in Southern Illinois, Journal of American Folk Lore, Vol 52, No 203 Jan-March 1939 PP 75-81

Nevin Robert P Stephen C Foster and Negro Minstrelsy Atlantic Monthly Vol 20, No. 12, Nov 1867 PP 608-616.

Newcomb Lydia Bolles Songs and Ballads of the Revolution, New England Magazine, Vol. 13 No 4, Dec 1895 PP 501 513

Newell William Wells Early American Ballads Journal of American Folk Lore, Vol, 12, No 47 Oct Dec., 1899, PP 241 254 Vol 13 No 49 April-June 1900 PP 105-123

Games and Songs of American Children Harper & Brothers, New york, 1883 1903

Old English Songs in American Versions Journal of American Folk Lore Vol 15, No 17 Oct-Dec 1892, PP 325-326

Nikolai Gorchakov The Vakhtankov School of Stage Art

Niles John J (Comp) More Songs of the Hill Folk G Schirmer New York 1936.

" " Singing Soldiers Charles Scribners Sons, New-york, 1927

" (ed.) Songs of the Hill Folk G Schirmer Newyork 1934

" A Woman On a Good Man's Mind, The Mentor Vol 18 No 2, March, 1930 PP 12 15, 70-71

Niles, John J Douglas S. Moore and A. A Wallgren Songs my Mother Never Taught Me, The Macaulay Co Newyork, 1929

Norman Loyd & M. Bradford Boni Fireside Book of Folk Songs, Simon and Shuster Newyork, 1947

Northall G.F (Comp) English Folk Rhymes, K. Paul, Trubner & Co London, 1892

O conor Manus Old Time Songs and Ballads of Ireland, The Popular Publishing Co., Newyork 1901

Odum Anna Kranz Some Negro Folk Songs from Tennessee Journal of American Folklore Vol. 27 No 105, July Sept. 1914 PP 255-265

Odum Howard W Down that Lonesome Road Country Gentleman Vol 96, May 1926 PP 18-19 79

" Folk Songs & Folk Poetry as Found in the Secular Songs of the Southern Negroes Journal of American Folklore, Vol 24 No 93 July Sept., 1911 PP 255-294 No. 94 Oct Dec 1911 PP 351 396.

" Religious Folk Songs of the Southern Negroes, American Journal of Religious Psychology Vol, 3 No 3 July 1909 PP 265-365

Odum Howard W & Guy B Johnson The Negro & His Songs The University of North Carolino Press, Chapel Hill 1925

Negro Workaday Songs the University of North Carolina Press, Chapel Hill H. Milford Oxford London 1926.

Olline Downs & Elie Siegmeister A Treasury of American Songs, Alfred A. Knoff Newyork 1943

Oliphant Smeaton Channels of English Literature Vol. on Heroic Poetry Dent Sons London

Ord, John (ed) The Bothy Songs and Ballads of Aberdeen, Banff & Moray Angus and the Mearns, Paisley A. Gardner 19₃0.

Owens, Bess Alice Songs of the Cumberlands, Journal of American Folklore Vol 49 No 193 July-Sept. 1936, PP 215-242.

Owens William A. Swing & Turn—Texas Play Party Games, Tardy Publishing Co Dallas Tex., 1936

Paskman, Dailey Sigmund Spaeth Gentlemen Be Seated ! Doubleday Dordan & Co., Garden City Newyork 1928

Payne L W Jr Finding List of Texas Play Party Songs, Publications of Folk lore Society of Texas, Vol. 1 1946 PP 35-38

One Evemigas I sat Courting Texas Folk Lore Society Publications Vol 2 1923 PP 6 7

" Some Texas Versions of the Frog s Courting Texas Folk Lore Society Publications Vol 5 1926 PP 5-48

" Songs & Ballads—Grave and Gay Texas-Folk lore Society Publications Vol 6 1927 P P 209 237

Peabody Charles A Texa Version of the White Captive, Journal of American Folk lore Vol 25 No 96 April June 1912, P P 169 170.

Percy Thomas Reliques of Ancient Engli h Poetry ed by Henry B Wheatley 3 Vols S. Sonnemschein & Co , London, 1889

Perkins A.E Negro Spirituals from the Far South, Journal of American Folk lore Vol 35 No. 137 July Sept 1922, P.P 223-249

Perrow, E. C : Songs and Rhymes from the South Journal of American Folk lore Vol. 25, No 96, April-June 1912, P P 137 155 Vol. 26 No 100 April-June 1913 P P 123-173 Vol. 28, No 108 April June, 1915 P.P 129-190.

Peter C Swann An Introduction to the arts of Japan, Pub., Bruno Cassirer Oxford

Pike Gustavus D The Jubilee Singers, Lee Shepard Boston Lee Shepard and Dillingham, Newyork, 1873

Pike Robert E. Amanda and Captive, Journal of American Folk lore Vol. 56 No 220 April-June 1943 P.P 137 139

Piper Edwin Ford Some Play Party Games of the Middle West Journal of American Folk lore Vol. 28 No 109 July Sept. 1915 P P 262 289

Popov Innokenty An Opera About A Popular Hero Votes Bulletine 4 (E7) 1954

Porter John E. and Bertrand H. Bronson Wobbly and Other Songs, California Folklore Quarterly Vol. / No. 1 Jan 1943 P.P 42-44

Porter Kenneth Wiggins Childrens Songs & Rhymes of the Porter Family Journal of American Folk-lore Vol. 54 No 213 214 July Dec 1941 P.P 167 175

Pound Louise (ed) American Ballads & Songs, C. Scribner's Sons Newyork etc., 1922

" " Folk Songs of Nebraska and the Central West, a Syllabus Nebraska Academy of Science Publications, Vol. 9 No 3, Oct. 1 1915 P P 1 89

Oline Downs & Elle Siegmeister A Treasury of American Songs, Alfred A. Knoff Newyork 1943

Oliphant Smeaton Channels of English Literature Vol. on Heroic Poetry Dent Sons London.

Ord, John (ed) The Bothy Songs and Ballads of Aberdeen Banff & Moray Angus and the Mearns, Paisley A Gardner 1930

Owens Bess Alice Songs of the Cumberlands, Journal of American Folklore Vol 49 No 193 July-Sept. 1936, PP 215-242.

Owens William A. Swing & Turn—Texas Play Party Games, Tardy Publishing Co. Dallas Tex 1936

Paskman, Dailey Sigmund Spaeth Gentlemen Be Seated ! Doubleday Dordan & Co Garden City Newyork, 1928

Payne L. W Jr Finding List of Texas Play Party Songs Publications of Folk lore Society of Texas, Vol 1 1946 PP 35-38

One Evening I sat Courting Texas Folk Lore Society Publications Vol 2 1923 PP 6-7

" Some Texas Versions of the Frogs Courting Texas Folk Lore Society Publications Vol 5 1926 PP -48

" Songs & Ballads—Grave and Gay Texas Folk lore Society Publications Vol 6 1927 P.P 209 237

Peabody Charles A Texas Version of th White Captive Journal of American Folk lore Vol 25 No 96 April June 1912, P P 169 170.

Percy Thomas Reliques of Ancient English Poetry ed by Henry B Wheatley 3 Vols S Sonnenschein & Co, London, 1889

Randolph Vance The Songs Grand Father Sang, Pinevile; Mo., Democrates, Feb., 18 1927 May 6, 1927

Ozark Superstitions Columbia University Press Newyork, 1947

" Ozark Folk Songs 4 Volumes, ed. for The State Historical Society of Missouri, by Floyde Sholemaker Secretary and Francis, G Emberson, Research Associate The State Historical Society of Missorie, Columbia Missouri 1946-1950

" " From an Ozark Holler Columbia University Press, Newyork

" An Ozark Anthology Columbia University Press Newyork.

Rawn, Isobel Nauton & Charles Peabody More Songs and Ballads from The Southern Appalachians, Journal of American Folk lore Vol 29 No 112 April-June, 1916 P.P 198-202.

Rayburn Otto Earnest : The Magic Formula in The Ballads, Arcadian Life Sulphur Springs, Texas, Vol. 1 No 2, June, 1935, P 12.

" " " Ozark Country Sloan & Pearce Duell, Newyork 1941

Read, Ople Percival The Arkansas Traveller s Songster Dick and Fitzgerald Newyork 1864

Richard Chose The Jack Tales and Grandfather Tales Boston 1948.

Richardson, Anna Davis Old Songs from Clarksburg, W Va., 1918 Journal of American Folk lore Vol 32 No 126 Oct. Dec 1919 P P 497-504

Pound, Louise Oral Literature in America, in Cambridge History of American Literature, Vol. 4 G.P Putnam s Sons, Newyork, 1921

" Poetic Origins and the Ballad, The Macmillan Co Newyork 1921

The South Western Cow boy Songs and the English and Scottish Popular Ballads, Modern Philology Vol 11 No 2, Oct. 1913 P.P 195-207

, Traditional Ballads in Nebraska, Journal of American Folk lore Vol. 26 No. 102, Oct Dec., 1913 P.P 351 366.

Preece Harold Folk Music of the South The New South a Journal of Progressive Opinion Vol. 3 March 1938 P P 13-14

Quiller-Couch A. T (ed) The Oxford Book of Balla ds The Clarendon Press Oxford, 1910

Raine James Watt The Land of Saddle-Bags, Newyork, Pub Jointly by Council of Women for Home Missions and Missionary Education Movement of the United States and Canada 1924

" " Mountain Ballads for Social Singing, Berea College Press, Berea. Ky 1923

Ralph, S Boggs Folk lore Bibliography for 1937 Southern Folk lore Quarterly March 1938.

Randolph Vance Folk Song Department Ozark life Magazine, Kingston, Ark., Vol 5, Nos 1 7 Dec. 1929 Sept. 1930

Ozark Mountain folks, The Vanguard Press, Newyork 1932.

The Ozark Play-Party Journal of American Folk lore Vol 42, No. 165 July-Sept., 1929 P P 201 232.

The Ozarks An American Survival of Primitive Society The Vanguard Press, Newyork 1931

Randolph Vance   The Songs Grand Father Sang, Pineville; Mo., Democrates, Feb., 18, 1927 May 6, 1927

Ozark Superstitions, Columbia University Press, Newyork, 1947

" "   Ozark Folk Songs, 4 Volumes, ed. for The State Historical Society of Missouri, by Floyd- Sholemaker Secretary and Francis, G Emberson, Research Associate The State Historical Society of Missorie, Colombia Missouri, 1946-1950

" "   From an Ozark Holler Colombia University Press Newyork

" "   An Ozark Anthology Columbia University Press Newyork.

Rawn, Isobel Nauton & Charles Peabody   More Songs and Ballads from The Southern Appolachians Journal of American Folk lore Vol. 29 No 112.April-June 1916 P.P 198-202.

Rayburn Otto Earnest : The Magic Formula in The Ballads, Arcadian Life Sulphur Springs, Texas, Vol. 1 No 2, June, 1935, P 12.

" " "   Ozark Country Sloan & Pearce Duell Newyork 1941

Read, Opie Percival   The Arkansas Traveller's Songster Dick and Fitzgerald Newyork, 1864

Richard Chose   The Jack Tales and Grandfather Tales Boston 1948

Richardson, Anna Davis   Old Songs from Clarksburg, W Va., 1918 Journal of American Folk lore Vol 32, No 126, Oct-Dec 1919 P P 497-504

Pound Louise Oral Literature in America, in Cambridge History of American Literature, Vol. 4 G.P Putnam s Sons, Newyork, 1921

" Poetic Origins and the Ballad, The Macmillan Co Newyork 1921

The South Western Cow boy Songs and the English and Scottish Popular Ballads, Modern Philology Vol 11 No 2, Oct. 1913 P.P 195-207

" " Traditional Ballads in Nebraska, Journal of American Folk lore Vol 26 No. 102, Oct Dec., 1913 P.P 351 366.

Preece Harold Folk Music of the South The New South a Journal of Progressive Opinion Vol. 3, March 1938 P P 13-14

Quiller-Couch, A. T (ed) The Oxford Book of Balla ds The Clarendon Press Oxford, 1910.

Raine, James Watt The Land of Saddle-Bags, Newyork, Pub Jointly by Council of Women for Home Missions and Missionary Education Movement of the United States and Canada 1924

" Mountain Ballads for Social Singing, Berea College Press, Berea Ky., 1923

Ralph S Boggs Folk lore Bibliography for 1937 Southern Folk lore Quarterly March, 1938.

Randolph Vance Folk Song Department, Ozark life Magazine Kingston, Ark., Vol. 5 Nos 1 7 Dec. 1929-Sept. 1930.

Ozark Mountain folks, The Vanguard Press, Newyork 1932.

The Ozark Play-Party Journal of American Folk lore Vol 42, No. 165 July-Sept., 1929 P P 201 232.

The Ozarks An American Survival of Primitive Society The Vanguard Press Newyork, 1931

Randolph Vance The Songs Grand Father Sang, Pineville; Mo., Democrates, Feb., 18, 1927 May 6, 1927

" " Ozark Superstitions, Colombia University Press Newyork, 1947

" " Ozark Folk Songs, 4 Volumes, ed. for The State Historical Society of Missouri, by Floyd Sholemaker Secretary and Francis G Emberson Research Associate The State Historical Society of Missorie, Columbia Missouri, 19-6-1950

" " From an Ozark Holler Columbia University Press, Newyork

" An Ozark Anthology Columbia University Press Newyork.

Rawn, Isobel Nacton & Charles Peabody More Songs and Ballads from The Southern Appalachians Journal of American Folk lore Vol. 29 No 112 April-June 1916 P.P 198-202.

Rayburn Otto Earnest : Th Magic Formula in The Ballads, Arcadian Life Sulphur Springs, Texas Vol. I No 2, June, 1935, P 12.

" " Ozark Country Sloan & Pearce Duell, Newyork, 1941

Read, Ople Percival The Arkansas Traveller s Songster Dick and Fitzgerald Newyork, 1864

Richard Chose The Jack Tales and Grandfather Tales Boston 1948

Richardson, Anna Davis Old Songs from Clarksburg, W Va., 1918 Journal of American Folk lore Vol 32, No 1^6, Oct.-Dec 1919 P P 497 04

Richardson, Ethel Park (Comp.) American Mountain Songs, Greenberg, Newyork 1927

Richardson, Mrs H G Buy me a Milking Pail and Songs of The Civil War Journal of American Folk lore Vol 31 No 120 April-June 1918 P.P 275-277

Rickaby Franzlee Ballads and Songs of the Shanty Boy, Harvard University Press, Cambridge 1926

Rimbault Edwaad Francis Nursery Rhymes, Wood and Co Cramer London 1860.

Ritson, Joseph (Comp.) Ancient Songs and Ballads 3rd. ed., rev by W Carew Hazlitt, Reeves and Turner London 1877

Robertson, Smith W Kinship and Marriage in Early Arabia, Cambridge 1883.

Robinson, Frances Folk Music, Current Literature Vol. 30 No. 3 March 1901 P P 350-351

Robinson Carson J Hill Comtry Songs and Ballads, New york 1929

Roe Charlie and Jim Schwenck The Home Bartender's Guide and Song Book, Experimenter Publica tions Newyork, 1930

Rollins, Hyder Edward Analytical Index to the Balled Entries, 1557 1709 in the Register of the Company of Stationers of London Uniiversity of North Carolina Press. Chapel Hill 1924

" (ed) The Pepys Ballads Vols. I and 2, Harvard University Press Mass Cambridge, 1929

Ruth Crawford Seeger American Folk Songs for Childern in Home School and Nursery School United States of America, 1948

Roth Grawford Seeger Our Singing Country Macmillan Co., Newyork, 1941

Saerchinger Ceasar The Folk Elements in American Music. In the Art of Music, Edited by Daniel Gregory Mason Vol. 4 Newyork, National Society of Music, 1915

Sandburg Carl The American Songbag, Brace & Co., Harcourt Newyork, 1927

Sargent, Helen Child and George Layman Kittredge English & Scottish Popular Ballads, Students Cambridge Edition, Hough on Miffin Co., Cambridge. 1904

Scarborough, Dorothy The Blues as Folk Songs, Texas Folk Lore Society Publications Vol. 2, 1923 PP 52-66

" " On the Trail of Negro Folk Songs, Harvard University Press, Cambridge.

" " A song Catcher in Southern Mountains American Folk Songs of British Ancestry Columbia University Press Newyork.

Scott, Sir Walter (ed) Minsterlsy of the Scottish Border 2 Vols., Kelso, Printed by J Ballantyne for T Cadell Jun & W Davices, London, 1802. Ed by T F Henderson, 4 Vols., Black Wood & Sons, Edinburgh.

" " " Letters on Demonology and Witch Craft, London, 1884

" " Minsterlsy 1902, Introduction Portion.

Seward Theodore Frelinghuysen (comp) Jubilee Songs as Sung by the Jubilee Singers, Biglow and Main Chicago New York, 1872.

Sharp Cecil J (Comp) American English Folk Songs G Schirmer New York, 1918.

Sharp Cecil J English Folk Songs Some Conclusions Simkin & Co., London 1907

, (Comp) English Folk Songs from the Southern Appalachians, ed by Maud Karpeles, 2 Vols. Oxford University Press, H Milford London, 1932.

" " Nursery Songs from the Appalachians Mountains 2 Vols London Novello & Co., 1921 1923

" (ed) One Hundred English Folk Songs Oliver Ditson Co Boston C H Ditson Co Newyork 1916

Sharp Cecil J and Herbert C MacIlwaine The Morris Book 5 Vols Novello & Co London 1907 1913

Sharp Cecil J and Charles L. Marson Folk Songs from Somerset Kemp & Co London, Simkin, Marshall Hemilton 1504

Shaw Martin and Percy Dearmer (ed and comp.) The English Carol Book Young Churchman Co., Milwaukee Wis, 192⁵

Shay Frank (comp) Drawn from the Wood The Macaulay Co Newyork 1929

(ed) Iron Men and Wooden Ships, Deep Sea Chanties, Doubleday Page & Co Garden City Newyork 1925

More Pious Friends and Drunken Companions The Macmill n Co Newyork 19 8

" My Pious Friends and Drunken Companions The Macaulay Co Newyork 1927

Shearin Hubert G British Ballads in the Cumberland Mountains The University Press at the University of the South Sewanee Tenn 1911 Reprinted from the Sewanee Review July 1911

Shearin Hubert G and Josiah Combs A Syllabus of Kentucky Folk Songs, Transylvania University Studies in English Lexington Ky Vol 2, 1911

Shell Lillith Folk Songs-Mountain Entertainment, Little Rock, Arkansas Gazette, March, 11 1928

Sheppard Muriel Earlly : Cabins in the Laurel The University of North Carolina Press Chapel Hill 1935

Sherwin, Sterling Louis Katzman and B Moore Songs of the Gold Miners, Carl Fischer Newyork 1932

Shoemaker Henry W (Comp.) Mountain Minsterlsy of Pennsylvania, Philadelphia N F Meljirr, 1931

" North Pennsylvania Minsterlsy Times Tribune Co. Altoona, Pa 1919 1923

Sinclair John Scenes and Stories of The North of Scotland Simkin & Co London 1890

Slonevsky N Art that Never Ages Vokes Bulletine 4 (87), 1954

Sophia Jewett (Tr) Folk Ballad of Southern Europe J P Putnom s Sons

Smith C. Alphonso Ballads Surviving in the United States Musical Quarterly Vol. 2, No 1 Jan. 1916 PP 109 129

Smith Grace P A Note on Springfield Mountain Journal of American Folk Lore, Vol 49 No 193 July Sept., 1936 PP 263-265

Smith Reed A glance at the Ballad and Folk Song Field, Southern Folk Lore Quarterly Vol I No 2, June 1937 P P 7 18

" South Carolina Ballads with a Study of the Traditional Ballad Today Harvard University Press Cambridge 1928

Sharp Cecil J — English Folk Songs, Some Conclusions, Simkin & Co London 1907

(Comp.) English Folk Songs from the Southern Appalachians, ed by Maud Karpeles, 2 Vols, Oxford University Press, H Milford London 1932.

" " Nursery Songs from the Appalachians Mountains, 2 Vols London Novello & Co., 1921 1923

" (ed) One Hundred English Folk Songs, Oliver Dit on Co Boston C. H Ditson Co., New york 1916

Sharp Cecil J and Herbert C Macilwaine — The Morris Book 5 Vol Novello & Co London 1907 1913

Sharp Cecil J and Charles L. Marson — Folk Songs fron Somer et Kemp & Co London Simkin, Marshall Hemilton 1904

Shaw Martin and Percy Dearmer — (ed and comp) Th English Carol Boo Young Churchman C Milwaukee Wis, 192

Shay Frank — (comp) Drawn from the Wood The Macau Co Newyork 1929

(ed) Iron Men and Wooden Ships Deep Chanties Doubleday Page & Co. Garden Newyork 1925

More Pious Friends and Drunken Compa The Macmillan Co Newyork 19 8

My Pious Friends and Drunken Comp The Macaulay Co Newyork 1927

Shearin Hubert G — British Ballads in the Cum Mountains The University Pres University of the South Sewanee 1911 Reprinted from the Sewa view July 1911

Shearin Hubert G and Josiah Combs A Syllabus of Kentucky Folk Songs, Transylvania University Studies in English, Lexington Ky Vol 2, 1911

Shell, Lilith Folk Songs Mountain Entertainment, Little Rock, Arkansas Gazette, March 11 1928

Sheppard Muriel Earlly : Cabins in the Laurel The University of North Carolina Press Chapel Hill 1935

Sherwin, Sterling Louis Katzman and B Moore Songs of the Gold Miners, Carl Fischer Newyork 1932

Shoemaker Henry W (Comp) Mountain Minsterlsy of Pennsylvania, Philadelphia N F Meljirr 1931

" " " North Pennsylvania Minsterlsy Times Tribune Co. Altoona, Pa 1919 1923

Sinclair John Scenes and Stories of The North of Scotland Simkin & Co London 1890

Slonevsky N Art that Never Ages Vokes Bulletine 4 (87), 1954

Sophia Jewett (Tr) Folk Ballad of Southern Europe J P Putnom s Sons

Smith, C. Alphonso Ballads Surviving in the United States Musical Quarterly Vol. 2, No 1 Jan., 1916 PP 109 129

Smith Grace P A Note on Springfield Mountain, Journal of American Folk Lore Vol. 49 No 193 July Sept. 1936 PP 263-265

Smith Reed A glance at the Ballad and Folk Song Field, Southern Folk Lore Quarterly Vol. 1 No 2 June 1937 P P 7 18

" " South Carolina Ballads with a Study of the Traditional Ballad Today Harvard University Press, Cambridge 1928

Smith Reed The Traditional Ballad in the South During 1914 Journal of American Folk Lore Vol. 28 No 108 April June. 1915 PP 199-203

Smith Reed and Holton Rufty Anthology of Old-World Ballads J Fischer and Bro. Newyork, 1937

Smythe, Augustine T and others The Carolina Low Country The M cmillan Co Newyork, 1931

Spaeth Sigmund Read Em and Weep The Songs you For got to Remember Doubleday Page & Co Garden City Newyork 1927

Weep Some More My Lady ! Doubleday Page & Co., Garden City Newyork 1927

Spaulding, H. G Under the Palmetto Continental Monthly Vol 4 No 2. Aug 1863 PP 188-203

Spencer H. Principles of Sociology Vols I II London 1885

Spenny Susan Dix Riddles and Ring Games from Raleigh, N C. Journal of American Folklore Vol 34 No 131 Jan. March. 1921 PP 113-115

Squire Charles Caltic Myth & Legend Poetry and Romance Gresham Publishing Co London.

Starcke C. N The Primitive Family, London 1889

Stith Thompson The Folk Tale The Dryden Press Newyork, 1946

" " Motif Index of Folk-literature

" Tales of North American Indians, Cambridge, Mass., 1929

Stockard, Sallie Walker The History of Lawrence Jackson Independence and Stone Countries of the Third Judicial District of Arkansas Arkansas Democrate Co, Little Rock 1904

Stout, Earl J (ed.) Folk Lore from Iowa The American Folk Lore Society Newyork, G E. Stechert & Co. agents 1936, Memories of The American Folk Lore Society Vol 29

Sturgis Edith Barnes and **Robert Houghes** Songs from The Hills of Vermont G Schermer Newyork

Sylvia and John Kolb A Treasury of Folk Songs, Bantom Books, Newyork, 1948

Talley Thomas W (Comp.) Negro Folk Rhymes The Macmillan & Co., Newyork, 1922

Taylor Archer The Carol of the twelve Numbers Once More Southern Folk Lore Quarterly Vol 4 No 3 Sept. 1940 P 161

Taylar E. B Primitive Calture 2 Vols.
Researches into the Early History ef Mankind.

Terry R. R The Shanty Book, 2 Vols., J Curwen & Sons London 1921 1926.

Thomas E. D A New and Choice Selection of Hymns and Spiritual Songs for the use of the Regular Baptist Church and All Lovers of Song, Catlettsburg Ky., 1871

Thomas Jean Balld Makin, in the Mountains of Kentucky H. Holt & Co., Newyork, 1939

" Big Sandy H. Holt & Co. Newyork, 1940

" Devil's Ditles, W W Hotfield, Chicago 1931

" The Sun Shines Bright, Prentice Hall, Newyork, 1940

Thomas Jean and Joseph A. Leader The Singin 'Gatherin Silver Burdett Co., Newyork etc. 1939

Thomas Will H. Some Current Folk Songs of the Negro Folk Lore Society of Texas Austin, Texas 1912

Tiulayev S A. The Eastern Theatre, Lenin rad 1929

Thorp N Haward Songs of the Cowboys, Houghton Miffin Co., Boston 1921

Todd Charles and Robert Sonkin Ballads of the Okies, Newyork Times Magazine Nov 17 1940

Tolman Albert H. Some Songs Traditional in the United States Journal of American Folk Lore, Vol 29 No. 112 April June 1916 PP 155-197

Tolman, Albert H and Mary O Eddy Traditional Texts & Tunes, Journal of American Folk Lore, Vol. 35, No 138, Oct. Dec., 1922, PP 335-432

Treat, Asher E. Kentucky Folk Song in Northern Wisconsin Journal of American Folk Lore Vol. 52 No 203 Jan. March 1939 P P 1 51

Trifet Ferdinand Trifet s Budget of Music No 15 Boston March 1892

Truitt, Florence Songs from Kentucky Journal of American Folk Lore Vol. 36, No 142, Oct. Dec., 1923 PP 376-379

Trumbell H C. The Blood Covenant, 1887

Turner Harriet Folk Songs of the American Negro The Boston Music Co , Boston, 1925

Vance Lee J Folk Lore Study in America, Popular Science Monthly Vol. 43 Sept. 1893 PP 586-598

Van Doren Carl Some Play Party Songs from Eastern Illinois Journal of American Folk Lore Vol 3 No 126 Oct. Dec. 1919 PP 486-496

Van Vechten Carl In the Garret. A A. Knoff Newyork 1920

Vernon, Lue Old Songs that Live, Music Chicago Vol. 18, Sept. 1900 PP 440-446

Vitali Leptev The Art of Free Korea, Art Publishing House Moscow 1955

Wake C. S Serpent Worship

Warnick Florence Play Party Songs in Western Maryland, Journal of American Folk Lore, Vol. 54 No. 213-214, July-Dec., 1941 PP 161 166

Webb W Prescott. Miscellany of Texas Folk Lore, Texas Folk Lore Society Publications Vol. 2, 1923 PP 38-49

Wedgewood, Harriet L. The Play party Journal of American Folk Lore, Vol. 25 No 97 July-Sept., 1912, PP 268-273

Westropp, H. M. Primitive Symbolism

Wheat C. V Songs & Ballads of Yester Years, Aurora, Mo., Advertiser Dec. 19 1934 Feb., 1939

White Newman I. American Negro Folk Songs, Harvard University Press Cambridge, 1928.

" " Racial Traits in the Negro Song, Sewanee Review, Vol 28 No 3 July 1920 PP 396-404

White Richard Grant (Comp & ed.) Poetry Lyrical, Narrative and Satirical, of the Civil War The American News Newyork, 1866.

Whitney Annie Weston and Caroline Canfield Bullock Folk-lore from Maryland, Newyork, The American Folk lore Society G. E. Stechert & Co., Agents 1925 Memoirs of the American Folk lore Society Vol. 18.

Wilde Lady Ancient Legends Mystic Charms and Superstitions of Ireland, London 1888

Thorp N Howard Songs of the Cowboys, Houghton Muffin Co Boston, 1921

Todd Charles and Robert Sonkin Ballads of the Okies Newyork Times Magazine Nov 17 1940

Tolman Albert H Some Songs Traditional in the United States Journal of American Folk Lore Vol. 29 No 112. April June, 1916 PP 155-197

Tolman, Albert H. and Mary O Eddy Traditional Texts & Tunes Journal of American Folk Lore, Vol 35, No 138, Oct. Dec. 1922, PP 335-432

Treat, Asher E. Kentucky Folk Song in Northern Wisconsin Journal of American Folk Lore Vol 52 No 203 Jan March 1939 P P 1 51

Trifet, Ferdinand Trifet s Budget of Music No 15 Boston March, 1892

Truitt, Florence Songs from Kentucky Journal of American Folk Lore Vol. 36, No 142, Oct. Dec., 1923 PP 376-379

Trumbell H C. The Blood Covenant 1887

Turner Harriet Folk Songs of the American Negro The Boston Music Co, Boston 1925

Vance Lee J Folk Lore Study in America Popular Science Monthly Vol 43 Sept. 1893 PP 586-598

Van Doren Carl Some Play Party Songs from Eastern Illinois Journal of American Folk Lore Vol 3 No 126 Oct. Dec. 1919 PP 486-496

Van Vechten Carl In the Garret. A. A. Knoff Newyork 1920

Vernon, Lue Old Songs that Live, Music Chicago Vol 18, Sept 1900 PP 440-446

Vitali Leptev The Art of Free Korea Art Publishing House Moscow 1955

Wake C. S Serpent Worship

Warnick Florence Play Party Songs in Western Maryland, Journal of American Folk Lore, Vol 54 No 213-214 July-Dec 1941 PP 161 166

Webb W Prescott Miscellany of Texas Folk Lore Texas Folk Lore Society Publications Vol 2 1923 PP 38-49

Wedgewood, Harriet L. The Play party Journal of American Folk Lore, Vol. 25 No 97, July-Sept., 1912, PP 268-273

Westropp, H. M. Primitive Symbolism

Wheat C. V Songs & Ballads of Yester Years Aurora Mo Advertiser Dec 19 1934 Feb., 1939

White Newman I. American Negro Folk Songs, Harvard University Press Cambridge 1928

" Racial Traits in the Negro Song Sewanee Review, Vol 28, No 3 July 1920 PP 396-404

White Richard Grant (Comp & ed.) Poetry Lyrical, Narrative and Satirical, of the Civil War The American News, Newyork, 1866

Whitney Annie Weston and Caroline Canfield Bullock Folk lore from Maryland Newyork The American Folk lore Society G E. Stechert & Co., Agents 1925 Memoirs of the American Folk lore Society Vol. 18.

Wilde Lady Ancient Legends Mystic Charms and Superstitions of Ireland, London 1888

Will G F Four Cowboy Songs, Journal of American Folk lore, Vol. 26 No 100, April June 1913 PP 185

Songs of Western Cowboys, Journal of American Folk lore Vol 22, No 84 April June 1909 PP 256-261

Williams Alfred Folk Songs of the Upper Thames, Duckworth & Co London, 1923

Williams, Alfred Mason American Sea Songs Atlantic Monthly Vol 69 No. 414 April, 1892. PP 489 501

" " Folk Songs of the Civil War Journal of American Folk lore Vol. 5 No. 19 Oct. Dec. 1892, PP 265-283,

" " Studies in Folk Song and Popular Poetry Houghton Mifflin & Co., *Boston & Newyork, 1894*

Wilson, Charles Morrow *Back Woods America, The* University of North Carolina Press, Chapel Hill, 1934

Wilson, Thomas The Arkansas Traveller Press of Fred J Heer Columbus, Ohio 1900.

Wimberly Lowry Charles Folk lore in The English and Scottish Ballads The University of Chicago Ill, 1928,

Wolford Leah Jackson The Play Party in Indiana Indiana Historical Commission, Indianapolis, 1916.

Wood, C. L. Early Days Tennessee Folk lore Society Bulletin, Vol 10 No 3 Sept. 1944 PP 5-6.

Wood Ray (Comp.) Mother Goose in the Ozarks, Ray Wood Texas 1938.

Work, John Wesley Folk Song of the American Negro Press of Fisk University Nashville, Tenn, 1915

Wyman, Loraine and Howard Brockway Lonesome Tunes; Folk Songs from Kentucky Mountains The H W Gray Co Newyork, 1916

Wyman Loraine and Howard Brockway Twenty Kentucky Mountain Songs Oliver Ditson Co., Boston 1920

Yefimov Boris Great Traditions, Vokes Bulletine, 1 (84) 1954

~

परिशिष्ट १

पुस्तक के प्रकाशित होते होते कुछ अन्य पुस्तकें और मिलीं जिनकी सूची यहाँ प्रस्तुत है

Fan Ning Early Vernacular Tales, *Chinese Literature* No 3 1955 PP 86-89

Gladys Yang Ashma—A Shani Ballad, Peoples Literary Press, Peking, 1955

Wei Chi Lin The Legend of The Rose Chinese Literature, No 4 1955 PP 73-78

Tso Cheng (Tr) Ma Liang and His Magic Brush—A Folk Tale, Chinese Literature No 4 1955 PP 138-144

Tang Sheng (Tr) The Lady in the Picture—A Folk Tale Chinese Literature, No. 4 1955 PP 145-150.

Yu Kuan-Ying Selected Poems from the Book of Odes, Writers Publishing House Peking, 1957

Nguyen Dinh Thi The Literature of Viet Nam Ancient Folk Literature and Classics, Soviet Literature No 9 1955, Mascow

Maxim Rylsky (ed) *Ukrainian Folk Proverbs and Sayings*, Publishing House of The Academy of Sciences of Ukrainian S.S R. Kiev 1955

Le Van Hun History of the Great Viet Folk lore Portion 30 Vols. 13th Century

Le Quy Don Philosophical writings Folklore Portion 18th Century

Doan Thi Diem Laments of a Soldiers Wife, 1872

Nguyen Du The Tale of Thuy Kieu 1900.

Mikhail Lakerbai Abkhazian Folk Tales Soviet Literature No 5 Moscow 1957

Alexandra Anisimova : Songs of the War Union of Soviet Writers Moscow 1943

" Russian Folk Tales, Soviet Literature No 5 Moscow 1957

Vu Ngoc Phan & Van Tan Vietnamese Folklore Folk Stories and Legends 1957

Grabar J E. Kemenov V S and Lazarev V.N (ed) History of Russian Art Vols 4, Academy of Sciences Publishing House Moscow 1953 1955

Yakov Uhsai Grandfather Kelbuk Soviet Writer Publishing House Moscow 19 4
The Bashkir State Opera and Ballet Theatre The Academic Dramat c Theatre The Folk Dance Ensemble, Bashkir State Philharmonia, 1938.

" Krasnaya Presnya Museum Balshavik Street Krasnaya Presnya Distt Moscow, from 7th Dec 1905

Retold by—Pushkin Tolstoy Zhukovsky Mamin Sibiryak Bazhov Fairy Tales, The Wooden eagle and the Stone Bowl (Russian) The Skyblue Carkpet (Georgian) The Shepherd Boy (Latvian) Golden Fingers (Bashkir) All the Master (Kazakh), A Mountain of Gems

Lu Feng Chu I Chang Chinese Fairy Tales

Borena NemCova Karel Erben Alois Jirasek and Karel Capek Czech and Slovak Folk Tales the Publishing House for Juvenile

Andersen Hens The Snow Queen & 2 Vols of Folk Tales Publishing House for Juvenile

Perrault Laboulaye George Sand and Vailiant Couturier Red Riding Hood Cinderella Puss in Boots

and Hop O My Thumb, Publishing House for Juvenile

Golovnya, V The Theatre of Aristophanes, Institute of the the History of Arts, U S S R., Theatre Deptt 1954

Dmitriev Y Our Theatrical Heritage; Institute of the History of Arts, U S.S.R. Theatre Deptt. 1955

Burov A On Aesthetic Essence of Art, Institue of The History of Arts, U.S.S R Aesthetics Deptt. 1956

Vanslov V Content & Form in Art Institute of the History of Arts, U S. S. R Aesthetic Deptt. 1956

Podelkov Sergei Folk Songs of the Mari People State Publishing House for Fiction and Poetry Moscow 1955 (Russian).

Chang Su-Chu Two Lovers and Two Trees. Tales of The Chuang People, Chinese Literature No 4 Foreign Languages Press, Pai Wan Chuang, Peking, 37 China 1956

Mao-Tun (ed.) Tibetan Folk Tales and Fables. Chinese Literature No. 2, Foreign Languages Press Pai Wan Chung, Peking 1956.

Mao-Tun (ed) Tibetan Folk Songs. Chinese Literature No 2, Foreign Languages Press Pai Wan Chuang, Peking, 1956.

Jora-Shurba Lozong—Jeltseng Tibetan Folk Literature Chinese Literature No. 2, Foreign Languages Press Pai Wan Chuang, Peking, 1956

The Moscow Museum of Folk Art Founded in 1885 (Called The Arts and Crafts Museum Then) Soviet Literature 11 1955 P.P 200.
Central Puppet Theatre 1937 Soviet Lit No 10 1955 PP 197 198.

The Old Museum of Folk Nanking 1864
The Peking Opera from 1644 Museum.

Bakhtin, V., and Others (Comp.) Russian Soviet Poetry and Folklore Soviet Writers Publishing House Leningrad, 1955

Shukur Sagdulla The Heroic Badal, State Publishing House of the Uzbek, S.S.R. Tashkent, 1955

Sheverdin, M. Uzbek Folk Stories The State Publishing House of the Uzbek S.S.R., Tashkent 1955.

Samodell Marshak A Selection of Poems Based on Folk Themes, 4 Vols State Publishing House for Fictions and Poetry Moscow 1955

Irina Zheleznova Ukrainian Folk Tales, Foreign Languages Publishing House Moscow 1955.

Marshak, S A Whiskered little Frisker Foreign Languages Publishing House, Moscow 1957

Ivy Litvinova The Fox in a Fix, Foreign Languages Publishing House, Moscow, 1957

Gheorghe Sarn (ed.) Arts in the Rumanian Peoples Republic 128 Calea. Mosilor Bucharest, 1955.

परिशिष्ट २

कुछ लोकयानी जानकारियाँ

The Standard Dictionary of Folk lore Mythology and Legend

Editor **Maria Leach.** Astt Editor **Jerome Fried.**

Publisher Funk and Wagnalls Coy Newyork 1950.

sultants **Malville J Herskovits Mac Edward Leach Alexander, H. Krappe, Erminie, W Voeglin**

Jakobron, Roman (Russian) Two Old Czech Poems on Death, 1927

Remarques sur l evolution Phonogique du russe, 1929

Characteristics of the Eurasian Linguistic Affinity 1931

Old Czech Verse 1934

Description of Macha s Verse 1939

Wisdom of Ancient Czechs. 1943

Russian Epic Studies (With E. Simmons), 19 9

Jones Louis Clark (Georgian) Club of Georgean Rakes 1941

Spooks of the Valley 1948

Cooperstown 1949

Mac Dongald Duncan Jr (Salvician) The First f u

Centuries of Organ Music, 1948,

Flok Dances of the Salvic Nations. 19

Songs to grow on, 1950

Phillips William John (Dutch) (Several books to his cre but names could not b traced)

ameson, Raymond Deloy (Chinese) Three Lectures on Chinese Folk lore, 1932.

Krappe Alexander Haggerty The Legend of Rodrick, 1923.

The Scene of Folk lore, 1930

J Hestings Encyclopaedea of Religion and Ethics.

Stith Thompson The Types of the Folk-tale, 1928 Motif Index of Folk-literature.

Balys Jones (Lithunian) Motiv Index of Lithunian Narrative Folk-lore, 1935.

Lithunian Folk-legends Vol 1 19 0

Hundred Folk-ballads 1941

Lithunian Folk tales 1945

Handbook of Lithunian Folk-lore (vols 2) 1948.

Barbeau Marius (French) Bio-Bibliography Pub. by Clarsseardin, Archives-Folk-lore II 1947

Bascom William R. Sociological Role of the Yoruba cult Group

Boggs Ralph Steele (Spainish) Index of Spainsh Folk-tales 1930

Bibliographia del Folk-lore Mexicano 1939

Bibliography of Latin American Folk-lore, 1940

Brakeley Th resa, C (sp a i h) (Several books to his credit but names could not be traced).

Botkin Benjamin Alb rt T e ury of American Folk lore 1 4

Trea ury of New England Folk lore 1947

Botkin Benjamin Albert — Treasury of Southern Folk lore 1949

Foster George M. (American) — Survey of Yuki Culture 1944
Sierra Popoluca Folk lore and Beliefs, 1944

Loonus Roger Sherman (Celtic) — Celtic Myth and Arthurian Romance, 1927
Arthurian Legends in mediaeval Art 1938
Arthurian Tradition 1949

Metraux, Alfred — Myths and Tales of the P liga Indians 1946

Miss John Leon — Conditional Sentence in Classical Chinese 1936

Arnold Van Gennep (French) — Manuel de Francais Contemporain, 4 vols. Paris Editions Auau le Picard 82, rue Bonaparte

Charles Leirens (Belgian) — Belgian Folk lore Belgian Government Information Centre 630 Fifth Avenue, New York

J H Kruizinga (Netherland) — Levende Folk lore Pub., Uitceverij De Torenlaan Aan De Torenlaan 0 Assen (Netherlands)

परिशिष्ट ३

अमरीकी लोकयानी अनुसन्धाता

Botkin B A. Sidewalks of America 1954

„ A Treasury of American folklore, 1954

„ „ A Treasury of Mississippi River folklore 1955

„ , „ A Treasury of New England folklore 1947

„ „ A Treasury of Western folklore 1951

Chase R. Grandfather Tales, 1948

Credle E. Tales from the high hills 1958

Dobie J F Tales of old time Texas 1955

, The family saga and other phases of American folklore, 1958

Leach, M. The Rainbow book of American folk tales and legends 1938

Adms Ruth Constance Pennsylvania Dutch Art

Christensen, Erwin Ottomar Early American Wood carving

Dickey Roland F New Mexico village arts.

Eaton Allen H Handicrafts of New England.

Ford Alice Pictorial folk art, New England to California.

Kauffman, Henry Pennsylvania Dutch, American folk art.

Lipman, Jean H. American primitive painting.

„ „ „ American folk art in wood, metal and stone

Durlacher Edward Honour your partner- 81 American square circle and contra dances

Kirkell, Miriam H	Partners all—Places all 44 enjoyable square and folk dances for everyone.
Maddocks, Durward	Swing your partners; a guide to modern country dancing.
Shaw Lloyd	Cowboy dances.
Bonl, Margaret B	Fireside book of folk songs.
"	The fireside book of favourite American songs.
Carmer Carl L	America Sings.
Downes Olin	A Treasury of American songs.
Sandburg, Carl	The American songbag
	New American songbag
Scott Thomas J	Sing of America.
Seeger, Mrs Ruth (Crawford)	American folk songs for children in home school and nursery school

परिशिष्ट ४

AUSTRIAN FOLKLORISTS

Beitl Richard, Phil. D — D-r Kinderbaum" 1942.
"Sagen verarlb-rgs" 1950.
"Neue Sagen aus voralberg", 1953
"Osterreichische volksmarchen", 1957

Do "Rrer Anton, Phil. D — 'Die Thiersecr Passionspiele 1779-1935' 1935.
"Bozner Burgerspiele" 1942.
"Tiroler Fasnacht" 1949
"Tiroler Umgangsspiele" 1957

Haberlandt Arthur Phil. D — "Volkskunst der Balkanlander" 1919
"Die volkstumliche Kultur Europas in ihrer geschichtlichen Entwicklung" (Buschans III. Volkerkunde, vol. 3) 1926.
"Volkskunde des Burgenlandes" 1935.
"Taschenworterbuch der Volkskunde Osterreichs" 2 Vol. 1953 1959

Helbok Adolf, Phil D — "Co-editor of Atlas der deutschen Volkskunde" 1929
Co-editor of "Osterreichischer Volkskundeatlas" 1953

Kolbok Adolf, Phil D — Vandans, eine Heimatkunde aus dem Tale Montafon in Vorarlberg" 1922.

"Haus und Siedlung" 1937

"Grundlagen der Volksgeschichte Deutschlands und Frankreichs" 1939

Hofler Otto Phil D — Kultische Geheimbunde der Germanen 1934

"Germanisches Sakralkonigtum" vol. 1 1952

Ilg Karl, Phil D — ed. Beitrage zur Volkskunde Tirols" Vol. 2, 1948

Die Walser in Vorarlberg, 2 vol. 1949 1956.

Klaar Adalbert Dipl Eng — "Die Siedlungs formen von Salzburg" 1939

Siedlungsformenkarte der Reichsgaue Wien, Karnten Niederdonau, Ober donau, Salzburg Steiermark und Vorarlberg" 1942.

Koren Hanns Phil D — "Volksbrauch im Kirchenjahr" 1934

"Pflug und Arl 1950

"Volkskunde in der Gegenwart 1952.

Di Spende 1955

Kretzenbacher Leopold, Phil D

Germanische Mythen in der epischen Volksdichtung der Slovenen" 1941

Lebendiges Volksschauspiel in Steiermark" 1951

"Passionsspiel und Christi Leiden Spiel in den Sudostalpenlandern, 1952.

"Fruhbarockes Weihnachtsspiel in Karnten" und Steiermark, 1953

Hretzenbacher Leopold Phil. D Weihnachtskrippen in Steiermark 1953

"Die Seelenwage," 1958

Schmidt Leopold, Phil D

Editor of Osterreichische Zeitschrift fur Volkskunde" and of Publications of Austrian Museum f Folklore

"Wiener Volkskunde" 1940

"Formproblems der deutschen Weihnachts piele " 1937

"Der Mannerohrring" 1947

"Gestaltheiligkeit im bauerlichen Arb it mythos" 1952.

"Heiliges Blei 1958

Weiser-Aall, Lily "Jul, Weihnechtsgeschanks und Weihnachtsbaum 1923

Altgermanische Junglingsweihen und Mannerbunde 1927

"Vo lkskunde und Psychologie" 1937

Wolfram Richard, Phil. D

Schwerttanz und Mannerbund" 2 vol 1936 1937

Deutsche Volkstanze 1937

1 Die Volkstange in Osterreich und verwandte Tanze in Europa, 1951

"Salzburger Volskunde" (Salsburg-Atlas) 1955.

Wopfner Hermann, LL. D Phil D Tiroler Volkskunde" 1933.

"Das Bergbauernbuch" 1951

Burgstaller Ernst, Ph. D	Lebendiges Jahresbrauchtum in Ob-erosterreich" 1948.
	Brauchtumsgebacke und Weihnachts speisen" 1957
	"Osterreichische Festtagsgebacke" 1957
Gommend Hans Phil, D	"Volkskunde der Stadt Linz an der Donau" 2 vol. 1958-1959
Gugitz Gustav	"Das Jahr und seins Feste im Volksbrauch Osterreichs" 2 Vol. 1949-1950
	Das kleine Andachtsbild in den" osterreichischen Gandenstatten, 1950
	"Die Sagen und Legenden der Stadt Wien 1952.
	"Osterreichs Gnadenstaten in Kult und Brauch 5 Vol 1955-1948.
Haiding Karl Phil D	"Kinderspiel und Volksuberlieferung"
	"Osterreichischs Marchenschat" 1953
Horak Karl	Burgenlandisch Volksschauspiele 1940.
Klier Karl Magnus	"Schatz osterreichischer Weihnachts lieder"
	Das Blochziehen—ein Faschings-Brauch von der Sudostgrenze Osterr eichs 1953.
	Das Totenwacht-Singen im Burgen land", 1956.
	Volkstumliche Musikinstrumente in den Alpen" 1954
Kotex George, LL. D	"Osterreichisches Volkslied—Werk", Editor in chief of "Das deutsche Volkslied , co-editor of "Osterr eichisches Volksliederbuch."
Lipp Franz, Phil D	Art und Brauch im Land ob der Enns" 1952.

Mais Adolf, Phil D	Editor of "Osterreichische Volkskunde fur Jedermann"
Moser Oskar Phil. D	Landes— Kaantner Bauernmobel" 1949
Peter Ilka	"Perchtentanz im Pinzgau" 1940
	"Gasslbrauch und Gasslspruch in Osterreich" 1953
Ringler Josef Jakob Phill. D	"Deutsche Weihnachtskrippen 1929
Zoder Raimund	Co-editor "Deutschen Volkstanz" 1938
	Co-editor Das deutsche Volkslied"
	Altosterreichische Volkstanze sec ed 1946-1955
	Volkslied, Volkstanz und Volksbrauch in Osterreich, 1950

परिशिष्ट ४

CANADIAN FOLKLORE

The collecting of Canada's rich folklore was begun long ago. Material that would otherwise have been lost forever has been preserved in records of early colonial times in the accounts of missionaries among the natives (particularly those of the Jesuits) and in writings left by white people who had been captives of the Indians. However scientific research in to th field of Canadian folklore did not develop until the 20th century

Canadian folklore consists of two distinct elements. One is a heritage growing out of the traditions and handicrafts of the Indians, the other has sprung from the traditions and handicrafts of the white man. Over the past 300 years the two elements have tended to merge into or influence one another. The white settlers, voyageurs and fur-traders borrowed from the Indians a number of New World devices—The snowshoe, the moccasin, the toboggan the canoe the cultivation of the potato maize and tobacco etc —as well as certain words. The native peoples and half breeds have adopted many more d tails of European culture including the white man's costume. They have transposed his embroidery and patterns from thread into moose hair porcupin quill and bead decorations. They have also assimilated many French folk tales. The tall totems and scrimshaw carvings that developed among the Haida and other Indian groups of th Northwest Pacific Coast and th Bering Sea area are r presentatives of a new heraldic art that was stimulated by the fur trade.

Folklore as applied to the white man's traditional beliefs, narratives and manual arts has been scientifically pursued only

since 1900. It is quite comprehensive, embracing as it does all the accessories of material existence as well as verbal accounts, tales, songs, dances, games, recipes, medicines and superstitions.

The occasional blending of European and Indian folklore elements, not only in Canada, but throughout North America constitutes a continent-wide cultural aspect demanding further study. In order to reconstruct the full picture of our continental culture and history, efforts are being made to recover the folklore of French Canada, Mexico and other New World areas. This study has expanded largely in recent years, especially under the guidance of the National Museum of Canada, the Journal of American Folklore and Laval University's Archives de Folklore.

Literature concerning the native peoples of Canada is listed with the articles on the various tribes or bands. Franz Boas, J.R. Swanton, T.F. McIlwraith and Marius Barbeau, among others, have published works on the Indians of the North Pacific Coast. Books and monographs on the Eskimo and North-western Indians include those of Père Petitot and other missionaries, and of numerous anthropologists, including Frank Speck, *Thalbitzer*, *Diamond* Jenness, Stith Thompson, Jacques Rousseau and Marius Barbeau.

Folklore literature about French Canada, its folk tales, songs and handicrafts—was seriously begun by Marius Barbeau after 1914 and has since expanded at the hands of such scholars as E.Z. Massicotte, Luc Lacourcière, Raoul and Marguerite d'Harcourt (Paris), Madeleine Doyon, Carmen Roy and Gerard Morisset. The National Museum of Canada has a collection of more than 20,000 folklore and folk music recordings (other than Indian) in which those in the French language are much the most numerous. Among the English-language work, that of Helen Creighton in Nova Scotia and Margaret McTaggart and Kenneth Peacock in Newfoundland has been notable in more recent years. Other scholars are giving particular attention to the more recent groups in the population of various European origins.

परिशिष्ट ४

CANADIAN FOLKLORE

The collecting of Canada s rich folklore was begun long ago Material that would otherwise have been lost forever has been preserved in records of early colonial times in th- accounts of missionaries among the natives (particularly those of the Jesuits) and in writings left by white people who had b en captives of the Indians However scientific research in to the field of Canadian folklore did not develop until the 20th century

Canadian folklore consists of two distinct elements. One is a heritage growing out of the traditions and handicrafts of the Indians the other has sprung from the traditions and handicrafts of the white man. Over the past 300 years the two elements have tended to merge into or influence one another The white settlers voyageurs and fur traders borrowed from the Indians a number of New World devices—The snowshoe the moccasin, the toboggan the canoe the cultivation of the potato maize and tobacco etc.—as well as certain words. The native peoples and half-breeds have adopted many more details of European culture including the white man s costume. They have transposed his embroidery and patterns from thread into moose hair porcupine quill and bead decorations. They have also assimilated many French folk tales. The tall totems and scrimshaw carvings that developed among the Haida and other Indian groups of th No thwest Pacific Coast and the Bering Sea area are representatives of a new heraldic art that was stimulated by the fur trade

Folklore as applied to the white man s traditional beliefs, narratives and manual arts has been scientifically pursued only

since 1900 It is quite comprehensive embracing as it does all the accessories of material existence as well as verbal accounts, tales, songs, dances games recipes medicines and superstitions.

The occasional blending of European and Indian folklore elements not only in Canada, but throughout North America constitutes a continent wide cultural aspect demanding further study In order to reconstruct the full picture of our continental culture and history efforts are being made to recover the folklore of French Canada Mexico and other New World areas. This study has expanded largely in recent years especially under the guidance of the National Museum of Canada the Journal of American Folklore and Laval University s Archives de Folklore

Literature concerning the native peoples of Canada is listed with the articles on the various tribes or bands Franz Boas J.R. Swanton T F McIlwraith and Marius Barbeau, among others have published works on the Indians of the North Pacific Coast. Books and monographs on the Eskimo and North western Indians include those of Pere Petitot and other missionaries, and of numerous anthropologists, including Frank Speck Thalbitzer Diamond Jenness Stith Thompson Jacques Rousseau and Marius Barbeau.

Folklore literature about French Canada its folk tales, songs and handicrafts—was seriously begun Marius Barbeau after 1914 and has since expanded at the hands of such scholars as E.Z. Massicotte Luc Lacourcier Raoul and Marguerite d Harcourt (Paris) Madeleine Doyon, Carmen Roy and Gerard Morisset The National Museum of Canada has a collection of more than 20 000 folklore and folk music recordings (other than Indian) in which those in the French language are much the most numerous. Among the English language work, that of Helen Creighton in Nova Scotia and Margaret McTaggart and Kenneth Peacock in Newfoundland has been notable in more recent years Other scholars are giving particular attention to the more recent groups in the population of various European origins

MARIUS BARBEAU, D LIT., F R. S C.

(Canadian)

Dr Marius Barbeau was born on March 5 1883 at Ste Marie de Beauce Quebec His father was Charles Barbeau whose ancestors settled in Canada in the 17th century

Dr Barbeau studied law at Laval University and in 1907 he won a Rhodes scholarship to Oxford where he became interested in ethnology From there he pursued his studies at the Sorbonne in Paris He returned to Canada in 1911 and was appointed to the staff of the National Museums where he remained forty years During this time he devoted his life to building up the museums rich store of Indian and French Canadian folklore. Although Dr Barbeau has recently retired from his post as head of the National Museum nevertheless he still continues with unabated enthusiasm his career as Ethnologist and Folklorist

Dr Barbeau has written some 60 books 100 pamphlets and 800 articles Among his publications, are the following:

"Wyandot and Huron Mythology 1912

Indian Days in the Rockies 1923

"Folksongs of French Canada" 1924

"Totem Poles of the Gitskan" 1929

Au Coeur de Quebec" 1934.

"Folk Songs of Old Quebec" 1935

"Grand-mere Laconte" 1935

"Quebec Where Ancien France Lingers" 1936

Maitres Artisans chez nous 1942

The Indian Speaks 1943

"Mountain Cloud" 1944

Archives de Folklore 1947

"La Rive de Kamalmouk" 1948

"Haida Myths" 1953

"The Tree of Dreams" 1955

परिशिष्ट ६

विभिन्न व्यक्ति अथवा संस्थायें जिनसे लोकयानी जानकारी प्राप्त की जा सकती है

1 Swiss National Library
Halwylstrasse Bern Switzerland

2. Department of Sociology
University of Ceylon
Peradeniya,
Ceylon.

3 Patriot Association
Addis Ababa,
Ethopia

4 The Ministry of Information
Addis Ababa
Ethopia.

5 Kitabfaroushi Ebne Sina
Kheyabane Shahabad.
Teheran—Iran.

6. Folk lore Institution, Columbia.

7 Maruzen Co., Ltd
No 6 Tori 2-Chome Nihonbashi
Tokyo (Japan)

8 ...hon Shuppan Kyokai
(Japan Publication Society)
6 Sudo-Cho Kebitsuts
Bunkyo-Ku
Tokyo (Japan)

9 Shri Ernesto Rodriguez Jr.,
Acting Director

Bureau of Public Libraries
Manila (Philippines).

10. Danish Folk lore Council
(Dansk Folkeminderaad)
Christians Brygge 8
Copenhagen K.

11 President Phillippine Education Coy Inc.
1104 Castillejos, Manilla Philippines

12. Director
The Higher Counc l of Literatur & Arts
11 Hasan Sabry Zamalek
CAIRO (V A R)

13 Verband der Verein fuer Volkskunde e V
(Association of Societies for Folk lore)
Dillmannstr 3.
Stuttgart West Germany

14 Deutsches Institut fuer Volkskunde e V
(German Institute for Folk lore)
Kanalstr 13
Muenster (Westf) West Germany

15 Suomalaisen Kirjallisuud n Seura
(Society of Finnish Literature)
Hallitustatu I
Helsinki Finland

16 American Folk lore Society
Box 5 Bennett Hall
University of Penn ylvan a
Philadelphia 4 Pennsylvania.

परिशिष्ट ७

पुस्तक के प्रकाशित होते-होते कुछ पुस्तकों की सूची और बन गई है जिसे यहाँ दिया जा रहा है —

हिन्दी में प्रकाशित लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

उप्रेती मोहनचन्द्र	कुमाऊँनी रामलीला एक पर्यवेक्षण, १९६०।
	लोक-संगीत तथा लोक-नाट्य एक समन्वय
" "	१९६१।
	लोक-नाट्य एक अध्ययन १९६२।
नौहाराम शर्मा	विभिन्न पत्रों में प्रकाशित लेख तथा भारतीय लोक कला मण्डल उदयपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में सहकार्य।
यादव हनुमदास	अवधी लोक-कथायें, शिव प्रकाशन बम्बई—४ १९५९।
	अवधी लोक-गीत और परम्परा रामनारायणलाल इलाहाबाद १९५७।
मनियानी दंवेश	कुमाऊँ की लोक-कथायें आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९५९।
" "	अल्मोड़ा की लोक-कथायें आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९६०।
" "	बारामण्डल की लोक-कथायें आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९६०।
" "	नैनीताल की लोक कथायें आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९६१।

सटियानी सोमेश   चम्पावत की लोक-कथायें आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९६१।

"   धराई की लोक-कथायें, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९६१।

डोटी की लोक-कथायें, आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली १९६१।

व्यास, मुरलीधर   लोक-कथाओं का संग्रह १९२८।

शर्मा भगवती   कालिदास' लोक-संस्कृति अंक उज्जैन

शर्मा मनोहर   : राजस्थान की सात बहनें भारती पत्रिका

" "   राजस्थान की बात मालायें भारती पत्रिका

हिन्दी लिपि में प्रकाशित डोगरी की लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

मखियाँ मिजरी   डोगरी संस्थान जम्मू, १९५५

इक हा राजा   डोगरी संस्थान जम्मू, १९५८

डोगरी लोक-कत्थां   डोगरी संस्थान जम्मू १९५८

मारे मिट्ठे मत्थकें   डोगरी संस्थान जम्मू, १९५४

नमी चेतना   : डोगरी पत्रिका के चार अंक १९६०

पंजाबी में प्रकाशित लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

समपुरी, सुखबीर   मैंणा दे बम्बारे, लाहौर बुकशाप लुधियाना

मराठी में प्रकाशित लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

मधुमण   : पैंजास चित्रशाला प्रेस पूना १९५४

भावे   : म्हणी आणि सम्प्रदाय

केलकर, य० म०   मध्यारोली गावस्था

कालेलकर   ग्रामीण वरनापूर

जोशी, नो० शा०   लोक-कथा १९५२

दाते   लोक-कथा १९५६

पाटील, एस० डी० — मराठी स्त्री गीतें मालेगाव

पाठक, बा० स० : मुलींच्या फुगड्या १९५४

पोहनेरकर, न० — राम पार्वतीस मराठी ग्रन्थ संग्रहालय हैदराबाद १९५६

बापट, डा० सरोजिनी — स्त्री मन १९५०

,, ,, — मंगलमायता

,, ,, — सजगन

बोरसे, प्रो. रा. गो. — गिरिजा गिरिजा साहित्य भण्डार मालेगाव १९५१

,, ,, — खानदेश वाङ्मय गिरिजा साहित्य भण्डार, मालेगाव १९५३

,, ,, — तानी तरंग गिरिजा साहित्य भण्डार, मालेगाव १९५२

,, ,, — अहिराणीची फुलकण्या गिरिजा साहित्य भण्डार मालेगाव १९५२

,, ,, — अहिराणी भाषा परिचय गिरिजा साहित्य भण्डार, मालेगाव १९५६

,, — भविष्यापेलेरों गिरिजा साहित्य भण्डार, मालेगाव १९५४

भागवत, दुर्गा — लोक-साहित्याची रूपरेखा १९५६

महाराष्ट्र लोक-साहित्य समिति, पुना — महाराष्ट्र लोक-साहित्य माला १ला भाग १९५६

,, ,, — महाराष्ट्र लोक-साहित्य माला २रा भाग १९५७

,, ,, — महाराष्ट्र लोक-साहित्य माला ३रा भाग १९५८

लिमये, मधुसुमा — बाग वरील पक्षांची गाणी

ढेरे, रा० रा० — लोक-साहित्य समन्द

ओड़िया में प्रकाशित लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

डा० कुञ्जबिहारी दास ओड़िया लोक-गीत-ओ-कहाणी विश्व भारती विश्वविद्यालय

„ „ पल्लिगीत संचयन प्रथम भाग लेखक द्वारा प्रकाशित

„ „ पल्लिगीत संचयन द्वितीय भाग लेखक द्वारा प्रकाशित

„ „ कथापति मञ्जु दो भाग लेखक द्वारा प्रकाशित

श्रीमती प्रेमलतादास : लोककथावि वरिता रैय नूतन पुरी

चक्रधर महापात्र : लोकगीतिका पुन कुछ गीतिका

डा० लक्ष्मीनारायण साहु: दण्ड नट

अंग्रेजी में प्रकाशित लोक-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें

Dr K.B Dass A Study of Orissan Folk-lore Vishva-Bharati University Shantiniketan.

Dr Laxmi Narain Saha Hill Tribes of Joypur

Mookerjee Ajit Folk Toys of India, D.B. Taraporevala Sons & Co., Bombay

Thomas ,P Epics, Myths and Legends of India D.B. Taraporevala Sons & Co., Bombay

„ „ Hindu Religion, Customs & Manners, D B Taraporevala Sons & Co Bombay

Prem Kumar Language of Kathakali.

Faubion Bowers The Dance in India

Coyajee Sir J C. Iranian and Indian Analogues of the Legend of the Holy Grail.

Burlingame E.W Buddhist Legends, 2 Vols.

Bigandet, Rev P (tr.) The Life or Legend of Gautama the Buddha of the Burmese.

Conze, Edward	Selected Sayings from the Perfection of Wisdom
Nivedita, Sister	Cradle Tales of Hinduism.
Dubois J A	Hindu Manners, Customs & Ceremonies
Lewis Spence	Myths of Mexico & Peru.
„ „	An Introduction to Mytholo y
Hadland Davis F	Mytns & Legends of Japan.
Rolleston	Myths & Legends of the Caltic Races
Ebbutt, M. I.	Hero Myths & Legends of the British Race.
Guerber H.A.	Myths of the Horseman
„ „	Myths & Legends of the Middle Ages.
Robert Graves	Greek Myths, Cassell & Co., London 1958.

Conze, Edward	Selected Sayings from the Perl Wisdom
Nivedita, Sister	Cradle Tales of Hinduism.
Dubois J A.	Hindu Manners Customs & Ce
Lewis Spence	Myths of Mexico & Peru.
"	An Introduction to Mythology
Hadland Davis F	Myths & Legends of Japan.
Rolleston	Myths & Legends of the Caltic
Ebbutt, M. I.	Hero Myths & Legends of th Race.
Gurber H.A.	Myths of the Horseman,
" "	Myths & Legends of the Middle
Robert Graves	Greek Myths, Cassell & Co., 1958.